राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 251
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 24 मार्च 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 सांसद खेल स्पर्धा के अंतगर्त दक्षिणी दिल्ली में रमेश बिधूड़ी ने किया कबड्डी टूनार्मेन्ट का शुभारंभ
पेज 5 अलीगढ़ में भाजपा उम्मीदवार का निर्विरोध निर्वाचन तय, सपा का नामांकन खारिज
पेज 7 चोट के कारण आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर हो सकते हैं सूर्यकुमार यादव

आग लगने से 11 लोगो की मौत

हैदराबाद के भोईगुड़ा के कबाड़ गोदाम में लगी आग, मरने वाले सभी बिहार के मजदूर

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद के भोईगुड़ा में कबाड़ की दुकान में आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई। हादसे के वक्त गोदाम में 12 लोग मौजूद थे। इनमें से केवल एक ही बच सका। मौके पर पहुंची छ्रक्र्न की टीम ने आग बुझाई, लेकिन तब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी थी। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

घटना बुधवार तड़के करीब 4 बजे हुई। उस वक्त सभी मजदूर सो रहे थे। गांधी नगर एसएचओ मोहन राव ने बताया कि मामले की जांच अभी की जा रही है।

नीतिश सरकार देगी 2 लाख मुआवजा

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार पीड़ितों की मदद कर रही है और वह मृतकों के परिवारों को 5 लाख रुपए देगी। बिहार सरकार भी मृतकों के शवों को राज्य में लाने के खर्च के भुगतान के साथ 2 लाख रुपए मुआवजा देगी।

कमरे में एक ही सीढ़ी थी, एक ने कूदकर बचाई जान

फायर ब्रिगेड के पास तड़के 3.55 बजे फोन आया। दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर भेजी गईं, लेकिन आग पर काबू पाने में 3 घंटे लग गए। फायर ब्रिगेड कर्मियों के मुताबिक मजदूर खुद को इसलिए नहीं बचा सके क्योंकि गोदाम में सिर्फ एक घुमावदार सीढ़ी थी, उसमें से केवल एक ही व्यक्ति कमरे से बाहर कूदकर भागने में कामयाब रहा।

डीएनए टेस्ट से होगी लाशों की पहचान

फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने बताया कि आग कबाड़ के गोदाम से शुरू हुई और ऊपर के कमरे में फैल गई। लाशों की हालत देखकर लग रहा है कि मजदूरों ने भागने की कोशिश की, लेकिन घने धुएं में सांस लेने के कारण वे बेहोश हो गए। यह दिल दहला देने वाला दृश्य था, क्योंकि लाशों की पहचान नहीं हो पा रही है। वे एक के ऊपर एक ढेर में थे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मरने वालों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट करवाया जाएगा।

मरने वाले सभी प्रवासी मजदूर बिहार के थे

हैदराबाद जिला कलेक्टर एल शरमन के मुताबिक मरने वाले सभी मजदूर बाहरी थे। वहीं तेलंगाना के सीएम केसी राव ने सिकंदराबाद के भोईगुड़ा में आग लगने से बिहार के श्रमिकों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने परिजनों को 5-5 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। साथ ही मारे गए श्रमिकों के शवों को उनके घर भेजने की व्यवस्था करने का निर्देश भी दिया है।

पीएमओ भी देगा सहायता राशि

पीएम नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद के भोईगुड़ा में हुए हादसे में लोगों की मौत पर दुख जाहिर किया है। पीएममोदी ने कहा- इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं मरने वाले मजदूरों के परिवारों के साथ हैं। मजदूरों के परिजन को पीएमओ की ओर से 2-2 लाख रुपए दिए जाएंगे।

स्थापना दिवस

बुधवार को देहरादून में श्री पुष्कर सिंह धामी के उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री।

धामी ने 8 मंत्रियों के साथ ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

देहरादून। उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सरदार गुरमीत सिंह ने बुधवार को पुष्कर सिंह धामी को राज्य के मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। धामी राज्य के 12वें मुख्यमंत्री होंगे। धामी के साथ आठ और विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। सिंह ने सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, गणेश जोशी, धनसिंह रावत, सुबोध उनियाल, रेखा आर्य, चंदन राम दास और सौरभ बहुगुणा को कैबिनेट मंत्री के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अग्रवाल ने संस्कृत में शपथ ली जबकि श्री जोशी ने शपथ लेने के बाद राज्यपाल को सैल्यूट किया। सुश्री आर्य शपथ ग्रहण के दौरान परम्परागत कुमाउंनी वेशभूषा धारण कर रखी थी। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मीनाक्षी लेखी, संजीव बालियान भी शामिल हुए। इस मौके पर गोवा के मनोनीत मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, उत्तर प्रदेश के मनोनीत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, असम के मुख्यमंत्री हेमन्त बिस्वा शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद थे। इनके अलावा, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, त्रिवेंद्र रावत और तीर्थ सिंह रावत भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में साधु-संतों के अलावा, बड़ी संख्या में आम जनता उपस्थित रही। समारोह का सीधा प्रसारण किया गया। गौरतलब है भाजपा ने हाल ही संपन्न चुनावों में 70 सदस्यीय विधानसभा में 47 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया था। भाजपा ने राज्य में लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल करके इतिहास रचा है।

यूपी : कुशीनगर में टॉफी खाने के बाद 4 बच्चों की मौत

परिवार ने कहा- रंजिश में घर के बाहर जहर वाली टॉफियां फेंकीं; 3 हिरासत में

कुशीनगर। कुशीनगर में आपसी विवाद ने 4 बच्चों की जान ले ली। कहा जा रहा है कि बच्चों को घर के बाहर कुछ टॉफियां पड़ी मिली थीं। इन्हीं टॉफियों को खाने से बच्चों की मौत हो गई। टॉफियों में इतना जहर था कि जमीन पर पड़े उनके कवर पर बैठने वाली मक्खियां भी मर गईं। जानकारी मिलने पर पुलिस ने शवों को कब्जें में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने गांव के ही 3 लोगों पर रंजिश के चलते बच्चों की हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना कसया थाना क्षेत्र के कुड़वा दिलीप नगर सिसई लठाईत टोला गांव की है। बच्चों की मां रसगुल ने बताया कि रंजिश में बच्चों की हत्या की गई है। बच्चे सुबह घर के बाहर खेल रहे थे। दरवाजे पर ही 4 टॉफियां पड़ी थीं। उन टॉफियों पर घर के लोगों की नजर पड़ी तो उठाकर बच्चों की दादी को दे दी।

टॉफी खाते ही बेहोश हो गए बच्चे

रसगुल के मुताबिक, टॉफी की बात सुनकर फौरन मेरे तीन बच्चे और मेरी भतीजी का एक लड़का टॉफी लेने पहुंच गए। उन्होंने दादी से लेकर खा ली। हम लोग घर से बाहर किसी काम से निकले ही थे, तभी सूचना मिली कि बच्चे बेहोश हो गए हैं। फौरन उन्हें लेकर सीएचसी भागे, वहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। रास्ते में ही

चारो बच्चों ने दम तोड़ दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही, गोरखपुर एडीजी जोन अखिल कुमार मौके पर पहुंचे। एडीजी ने बताया, शुरूआती जांच में पता चला है कि घर के बाहर फेंकी गई टॉफी खाने से बच्चों की मौत हुई है। माना जा रहा है कि टॉफियों में जहर मिला हुआ था, क्योंकि टॉफी कितनी भी पुरानी हो वह इतनी जहरीली नहीं हो सकती कि किसी की जान ले ले। परिजनों ने गांव के ही 3 लोगों के खिलाफ तहरीर दी थी, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। चारों बच्चों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया हा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला साफ हो जाएगा। राज्यमंत्री राजेश्वर सिंह भी पीड़ित परिजनों से मिलने पहुंचे।

एक ही परिवार के 3 बच्चों की मौत

मरने वालों में रसगुल के 3 बच्चे मंझना (7), स्वीटी (5), समर (3) और रसगुल की बहन खुशबू का बेटा आयुष (5) है। जहर इतना घातक था कि जब से बच्चों ने टॉफी खाई, तो उन्हें दोबारा होश ही नहीं आया।

जहर इतना तेज कि मक्खियों की भी हो रही मौत

ग्रामीणों ने बताया कि जहर इतना तेज है कि टॉफी के रैपर पर जो मक्खियां बैंठीं उनकी भी मौत हो गई है। उनका ये भी कहना है कि एक टॉफी सुरक्षित रख भी ली गई है। अब जांच के बाद जहर का भी पता लग सकेगा। वहीं बच्चों का पोस्टमॉर्टम आने के बाद पूरा सच सामने आएगा।

हरकत में आए अधिकारी

टॉफी के रैपर पर गोल्ड आलमंड चाकलेट डिलाइट लिखा हुआ है। सीओ कसया पीयूष कांत राय ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है।

टॉफी खाने से बच्चों के मौत की जानकारी हुई है। जांच पड़ताल चल रही है। वहीं, डीएम और सीएमओ ने घटना को संज्ञान में लिया है। एसडीएम कसया वरुण कुमार पांडेय ने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है।

बंगाल में हिंसा पर राज्य सरकार करे कार्रवाई : मोदी

नयी दिल्ली/कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर दुख और संवेदना व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से अपील की है कि वह बीरभूम में हुई हिंसा में शामिल लोगों को सजा दिलाए। मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ऐसे अपराधियों को कानून के हवाले करने में राज्य सरकार की हर संभव मदद करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधियों को हौसला देने वालों को भी माफ न किया जाए। प्रधानमंत्री शहीद दिवस के अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल हॉल में बिप्लोबी भारत गैलरी का उद्घाटन कर रहे थे। मोदी ने कहा, मैं पश्चिम बंगाल के बीरभूम में हुई हिंसक वारदात पर दुख व्यक्त करता हूं, अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं आशा करता हूं कि राज्य सरकार, बंगाल की महान धरती पर ऐसा जघन्य पाप करने वालों को जरूर सजा दिलवाएगी।

कोरोना प्रतिबंधों से मिलेगी आजादी

31 मार्च से देश में खत्म हो जाएंगी महामारी के चलते लगीं पाबंदियां

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जल्द ही कोरोना महामारी के चलते लगी पाबंदियां खत्म होने जा रही हैं। केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान लगे सभी मौजूदा प्रतिबंध हटाने का फैसला लिया है। बुधवार को गृह मंत्रालय ने आदेश जारी करते हुए बताया कि 31 मार्च से कोविड-19 में लगे सभी सुरक्षा उपायों के लिए अब डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट लागू नहीं किया जाएगा। हालांकि सार्वजनिक स्थानों पर अभी भी मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अनिवार्य होगा।

केंद्र ने देश में कोरोना की स्थिति में लगातार हो रहे सुधार को देखते हुए कोविड-19 रोकथाम उपायों के लिए डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के प्रावधानों को रद्द करने का फैसला लिया है। यह आदेश 31 मार्च से लागू होंगे। गृह मंत्रालय के मुताबिक देश में अब

कोरोना के हालात काबू में हैं। ऐसे में कोविड-19 रोकथाम उपायों के लिए डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट को लागू करने की अब कोई जरूरत नहीं है।

दूसरे देशों के मुकाबले भारत की स्थिति मजबूत

केंद्र ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है जब चीन, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, फ्रांस और जर्मनी में ओमिक्रॉन क्च्-2 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हालांकि भारत इस बीमारी से निपटने के लिए काफी बेहतर स्थिति में है। भारत में वैक्सीन अभियान मजबूती से चल रहा है और भारत में अभी 12 साल से अधिक आयु के सभी लोगों को वैक्सीन लग रही है। मार्च महीने में देश में कोरोना के सिर्फ 23,913 मामले दर्ज किए गए हैं।

31 मार्च से लागू होंगे आदेश

केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने बुधवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को आदेश जारी करते हुए कोविड-19 रोकथाम उपायों के लिए डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट, 2005 के तहत जारी दिशा-निर्देशों को उचित रूप से बंद करने की सलाह दी।

इसी एक्ट के तहत केंद्र सरकार ने 24 मार्च 2020 को पहली बार देश में कोविड-19 की रोकथाम के लिए आदेश जारी किए थे।

भल्ला ने कहा- 31 मार्च को मौजूदा आदेश के समाप्त होने के बाद, गृह मंत्रालय की तरफ से आगे कोई आदेश जारी नहीं किया जाएगा। आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कोविड सुरक्षा के लिए केंद्र के उपाय 31 मार्च को समाप्त होंगे।

राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने स्तर पर ले सकते हैं फैसला

गृह सचिव ने हालांकि कहा कि इस बीमारी को देखते हुए लोगों को अभी भी स्थिति से सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कभी भी अगर मामले बढ़ते हैं तो राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने स्तर पर ही नियम लागू कर सकते हैं।

निगम चुनाव को टालकर भाजपा ने किया शहीदों का अपमान : केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि भाजपा का दिल्ली नगर निगम के चुनाव टालना शहीदों का अपमान है। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा भाजपा का दिल्ली नगर निगम के चुनाव टालना शहीदों का अपमान है जिन्होंने अंग्रेजों को देश से भगाकर देश में जनतंत्र स्थापित करने के लिए कुरबानियाँ दीं थीं। आज ये हार के डर से दिल्ली नगर निगम के चुनाव टाल रहे हैं, कल ये राज्यों और देश के चुनाव टाल देंगे। भाजपा अपने आपको दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कहती है। कमाल है। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी एक छोटी सी आम आदमी पार्टी से घबरा के भाग गयी? हिम्मत है तो दिल्ली नगर निगम के चुनाव समय पर करवा के दिखाओ। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा नगर निगम के चुनाव टाल रही है कि दिल्ली के तीनों निगम एक कर रहे है। क्या इस वजह से चुनाव टल सकते हैं? कल ये गुजरात हार रहे होंगे तो क्या ये कह कर टाल सकते हैं कि गुजरात और महाराष्ट्र को एक कर रहे हैं?

दिल्ली में हाई अलर्ट : तहरीक-ए-तालिबान ने ई-मेल भेजकर ब्लास्ट की धमकी दी, कई बाजारों में सर्च ऑपरेशन

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली पर एक बार फिर आतंकी खतरा मंडरा रहा है। तहरीक-ए-तालिबान के इंडिया सेल ने दिल्ली में हमले करने की धमकी दी है। धमकी मिलने के बाद पूरी दिल्ली में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार देर रात सरोजनी मार्केट समेत कई बाजारों में सर्च ऑपरेशन भी चलाया।

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के एक अफसर ने बताया कि तहरीक-ए-तालिबान के नाम से कुछ लोगों को धमकी भरे ई-मेल भेजे हैं, जिनमें दिल्ली में ब्लास्ट करने की बात कही गई है। इन लोगों ने उत्तर प्रदेश पुलिस को इन ई-मेल्स के बारे में शिकायत की। क्क पुलिस ने तुरंत दिल्ली पुलिस को इसकी जानकारी दी।

सरोजिनी मार्केट में घंटों चला सर्च ऑपरेशन

दिल्ली पुलिस ने हमले का इनपुट मिलने के तुरंत बाद संवेदनशील जगहों पर फोर्स बढ़ा दिया। वहीं, सरोजिनी नगर मार्केट में कई घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। दिल्ली के कुछ और मार्केट में भी इसी तरह के सर्च ऑपरेशन की खबर है।

आज बंद रखा जा सकता है सरोजिनी मार्केट

सरोजिनी नगर मिनी मार्केट ट्रेडर्स एसोशिएशन के अध्यक्ष अशोक रंधावा ने बताया कि सुरक्षा कारणों से बाजार

को बंद रखा जाएगा। उन्होंने कहा, खतरे के मद्देनजर दिल्ली पुलिस को बाजार बंद कराने के आदेश दिए गए हैं। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने ऐसा कोई आदेश मिलने से इनकार किया है। दिल्ली पुलिस की तरफ से कहा गया, हमारी टीम सरोजिनी मार्केट में एहतियातन सर्च ऑपरेशन के लिए गई थी।

दिल्ली के साथ उत्तर प्रदेश में भी सिक्योरिटी अलर्ट

दिल्ली पुलिस के एक अफसर ने बताया कि धमकी भरे मेल करने वाला शख्स तहरीक-ए-तालिबान इंडिया संगठन से जुड़ा है। वहीं, क्क पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि धमकी भले ही दिल्ली के लिए मिली हो, लेकिन हमने यूपी में भी अलर्ट रहने के लिए कहा है।

मेल भेजने वाले को ट्रैक करने की कोशिश जारी

दिल्ली में सुरक्षा बढ़ाने के साथ पुलिस मेल भेजने वाले का पता लगाने में जुट गई है। पुलिस अफसरों का कहना है कि इस मेल को भेजने वाले की पहचान के साथ मेल में किए गए दावों की सच्चाई का पता भी लगाया जा रहा है। अधिकारी के मुताबिक, एंटी टेररिस्ट स्क्वाड और दिल्ली पुलिस की ज्वाइंट टीम सर्च ऑपरेशन में लगी हुई है।

हाईवे जाम | **दिल्ली-जयपुर हाईवे जाम, पुलिस ने किए सुरक्षा के कड़े इंतजाम**

गुरुग्राम : अहीरों ने पहले कराया खेड़की दौला टोल फ्री

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना में 'अहीर रेजिमेंट' के गठन की मांग का समर्थन करने के लिए प्रदर्शनकारियों ने गुरुग्राम के खेड़की दौला टोल पर दिल्ली-जयपुर हाईवे को जाम कर दिया। दरअसल, हरियाणा के गुरुग्राम में अहीर समुदाय के लोग अपनी जाति के नाम पर सेना की एक टुकड़ी का नाम रखने की मांग कर रहे हैं। अहीर समुदाय के लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर बुधवार को एक प्रदर्शन रैली का ऐलान किया था। प्रस्तावित मार्च को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी है।

एनएच-8 स्थित खेड़की दौला टोल फ्री करवाया

सेना में अहीर रेजिमेंट बनाने की मांग कर रहे संयुक्त अहीर रेजिमेंट मोर्चा ने बुधवार सुबह खेड़की दौला टोल प्लाजा को फ्री करवा दिया। टोल प्लाजा पर किसी भी वाहन से टोल टैक्स नहीं वसूला जा रहा है। इसकी वजह से आम दिनों में टोल प्लाजा पर लगने वाले जाम से भी वाहन चालकों को नहीं जूझना पड़ा। मोर्चा की ओर से टोल प्लाजा के पास स्थित धरना स्थल से रैली भी निकाली जाएगी द्य इसको लेकर गुरुग्राम पुलिस ने पूरी तैयारी की हुई है। दिल्ली जयपुर हाईवे पर अभी आवागमन पूरी तरह सुचारु रूप से जारी है।

अहीर समुदाय के लोगों के बुधवार को गुरुग्राम में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस ने खेड़की धौला टोल (गिवो कट) से हीरो होंडा चौक तक सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए एडवाइजरी और डायवर्जन प्लान जारी किया है। डायवर्जन प्लान के अनुसार, बसों को स्ट्रेच पर अनुमति नहीं दी जाएगी। जयपुर से आने वाले वाहनों को खेड़की धौला टोल (गिवो कट) से ठीक पहले साउदर्न पेरिफेरल सड़क की ओर मोड़ दिया जाएगा और यात्री सोहना रोड के माध्यम से अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं। दिल्ली से आने वाले वाहनों को गोल्फ कोर्स रोड और सोहना रोड के माध्यम से वैकल्पिक मार्ग लेने की सलाह दी गई है।

पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) वीरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि हीरो होंडा चौक पर सभी वाहनों को सुभाष चौक/पटौदी रोड की ओर भेजा जाएगा। पुलिस उपायुक्त के मुताबिक सभी भारी और मालवाहक वाहनों को दिल्ली जाने के लिए पंचगांव और फरीदाबाद से केएमपी एक्सप्रेसवे लेने की सलाह दी गई है।

शार्ट न्यूज

ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण, सतह से सतह पर मार की क्षमता

नई दिल्ली। भारत ने आज अंडमान और निकोबार में सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने जानकारी दी कि विस्तारित दूरी की इस मिसाइल ने सटीक सटीकता के साथ अपने लक्ष्य को भेदा है। भारत ने बुधवार को रक्षा मंत्रालय में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। मिसाइल का सफल परीक्षण अंडमान और निकोबार में किया गया। इस मिसाइल परीक्षण को देखने के लिए एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी और अन्य रक्षा अधिकारी मौजूद थे।

नेशनल लेवल कबड्डी प्लेयर ने किया सुसाइड, कमरे में लगाई फांसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी खिलाड़ी ने बुधवार को तमिलनाडु के कांचीपुरम में अपने आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक की शिनाख्त भानुमति के रूप में हुई है। भानुमति तमिलनाडु की जानी मानी कबड्डी खिलाड़ी थी, जो कथित तौर पर मनागडु में अपने कमरे की छत से लटकी पाई गई थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, एथलीट भानुमति को तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। 25 वर्षीय कबड्डी खिलाड़ी सब्जी विक्रेता धर्मराज की सबसे छोटी बेटी थी। घटना की सूचना पुलिस अधिकारियों को दी गई और भानुमति के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया गया। पुलिस ने आगे की जांच के लिए भानुमति का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। गौरतलब है कि भानुमति राज्य और राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिताओं में खेल चुकी हैं। पुलिस ने कहा है कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि भानुमति आर्थिक और मानसिक रूप से काफी परेशानी झेल रही थी, क्योंकि उसे नौकरी नहीं मिल पा रही थी। पुलिस अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि उसकी मौत के पीछे कोई और कारण तो नहीं है।

कश्मीर में युवाओं को नशे से दूर करने के लिए चलाया गया 'मिशन वापसी'

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को डल झील में 'स्प्रिंग रन फॉर ड्रग-फ्री श्रीनगर' को झंडी दिखाकर रवाना किया। डल झील के तट पर बुलेवार्ड रोड़ से 'स्प्रिंग रन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिसमें लगभग 1500 युवाओं ने भाग लिया। दौड़ में शामिल युवकों ने समाज से नशीली पदार्थों को खत्म करने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जन जागरूकता फैलाने के लिए जिला प्रशासन की आईईसी गतिविधियों का हिस्सा है। सिन्हा ने कहाहम नशे के खतरे को खत्म करने और नशा मुक्त समाज बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्धता जताते हैं। राज्यपाल ने युवाओं को नशे के दुरुपयोग से दूर करने के लिए 'मिशन वापसी' अभियान जैसी उत्कृष्ट पहल के लिए श्रीनगर जिला प्रशासन की सराहना की। हम नशीले पदार्थों के खतरे को खत्म करने और नशा मुक्त समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं उपराज्यपाल ने कहा,प्रशासन का 'मिशन वापसी' अभियान युवाओं को नशीली पदार्थों के दुरुपयोग से दूर करने के लिए एक उत्कृष्ट पहल है। उन्होंने कहा, 'मिशन वापसी' जिला प्रशासन श्रीनगर का एक प्रयास है कि नशा पीड़ितों को सरकारी स्व-रोजगार योजनाओं के तहत उचित मार्गदर्शन और इसके माध्यम से एक सम्मानजनक आजीविका प्रदान करके उनका पुनर्वास किया जाए। इस पहल में बड़े पैमाने पर सामुदायिक भागीदारी भी शामिल है। इस अवसर पर कश्मीर प्रमंडलीय आयुक्त पांडुरंग के पोल, कश्मीर पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार, श्रीनगर के उपायुक्त मोहम्मद एजाज के अलावा युवा सेवा और खेल एवं जिला प्रशासन श्रीनगर के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

शपथ ग्रहण समारोह में कुमाऊंनी वेशभूषा में नजर आईं मंत्री रेखा आर्य

देहरादून। उत्तराखंड के परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्यमंत्री और मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में रेखा आर्य कुमाऊंनी वेशभूषा में नजर आईं। अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर सीट से विधायक रेखा आर्य शपथ ग्रणह समारोह में पारंपरिक उत्तराखंडी परिधान पहने हुए थी। सुश्री रेखा आर्य इस दौरान पहाड़ में हर मांगलिक आयोजन पर पहने जाने वाला लाल रंग का पिछौड़ा पहने हुए थी। मांग टीका रेखा आर्य के ठेठ पहाड़ी कल्चर को दर्शा रहा था। उन्होंने नथुली भी पहनी थी। अब यदा-कदा ही दिखाई देने वाला गुलोबंद और गले में हंसुली भी पहनी थी। शपथ ग्रहण करने आई रेखा आर्य ने लंबे से झुमके भी कान में पहन हुए थी। देवभूमि उत्तराखंड में खास मौकों पर महिलाएं रंगीला-पिछौड़ा पहनती हैं। शादी और अन्य मांगलिक कार्य में इस परिधान को महिलाएं पहनती हैं। इसका उत्तराखंड में खास महत्व है।

हमें बहुलवादी होने का महत्व समझना होगा

त्रिशूर। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को वेदों और आदिशंकर की शिक्षाओं के प्रचार में योगदान के लिए श्री शंकर मधमों की भूमिका की सराहना की। राज्यपाल ने 'श्री शंकर मधमों का संस्कृत में योगदान' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को वेदों और प्राचीन इतिहास का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए ताकि वे इसे उन लोगों के साथ साझा कर सकें जो इसे ठीक से नहीं समझ पाए हैं। उन्होंने कहा, आज धर्म और राजनीति ने वेदों के सार को पछाड़ दिया है। युवा पीढ़ी को एक नया संदेश खोजकर दूसरों तक पहुंचाना होगा। उन्होंने युवाओं को अपने विचारों और कुशल ज्ञान को दूसरों के साथ साझा करने का भी आह्वान किया।

सरकार अतिक्रमण हटाने में सहयोग नहीं कर रही है : रेलवे

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने हल्द्वानी में रेलवे की 29 हेक्टेअर भूमि पर 4356 अतिक्रमणकारियों की ओर से अवैध कब्जे को हटाने के लिये सरकार सुरक्षा बल मुहैया नहीं कराने पर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। रेलवे की ओर से बुधवार को उच्च न्यायालय में कहा कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा की गफ्फूरबस्ती में 4365 अतिक्रमणकारियों की ओर से रेलवे की 29 हेक्टेअर भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। अतिक्रमण के चलते रेलवे यहां अपनी सेवाओं का विस्तार नहीं कर पा रहा है। हाईकोर्ट के निर्देश पर रेलवे महकमे की ओर से 4356 अतिक्रमणकारियों को चिन्हित कर लिया गया है और उन्हें भूमि खाली करने के लिये नोटिस भी जारी कर दिया गया है लेकिन अतिक्रमणकारी अभी भी भूमि पर काबिज हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा तथा न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ में आज हल्द्वानी निवासी रविशंकर जोशी की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान रेलवे की ओर से अदालत को बताया गया कि जिला प्रशासन अतिक्रमणकारियों को हटाने में सहयोग नहीं कर रहा है।

आंध्र प्रदेश विस में तेदपा के पांच विधायकों को किया निलंबित

विजयवाड़ा।आंध्र प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष तम्मिनेनी सीताराम ने बुधवार को सदन की कार्यवाही बाधित करने पर तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के पांच विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया। बुधवार सुबह सदन की शुरुआत होने पर तेदेपा विधायक सदन के बीचोंबीच आ गए और सरकार से नकली शराब की मौत की जांच के आदेश देने की मांग करते हुए नारेबाजी की। निलंबित विधायकों के नाम गोतीपती रवि कुमार, आदिरेड्डी भवानी, निम्मकायला चिनाराजप्पा, जोगेश्वर राव और गनाबाबू हैं। विधायकों ने सदन के बीचोंबीच आकर चिदतालू नामक संगीतवाद्य बजाकर विरोध प्रदर्शन किया। इससे नाराज विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें निलंबित कर दिया। श्री सीताराम ने मंगलवार को भी तेदेपा विधायकों को सदन में सीटी बजाने के आरोप में निलंबित कर दिया था।

पंजाब में रिश्वत मांगने वालों की खैर नहीं

मान सरकार ने जारी किया एंटी करप्शन हेल्पलाइन नंबर 9501200200

एजेंसी

लुधियाना। पंजाब में सरकार बनाने के साथ ही आम आदमी पार्टी करप्शन के खिलाफ एक्शन में आ गई है। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने बुधवार को एंटी करप्शन हेल्पलाइन नंबर जारी करते हुए लोगों से अपील की है कि वो घूस मांगने वाले अधिकारियों की वीडियो उस नंबर पर भेजें। शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव की शहीदी दिवस पर भगवंत मान ने एंटी करप्शन एक्शन लाइन नंबर 9501200200 जारी किया।

इस दौरान सीएम भगवंत मान ने कहा कि मैने लोगों से वादा किया था कि 23 मार्च को एंटी करप्शन एक्शन लाइन जारी करूंगा। भगवंत मान ने लोगों से अपील की है कि वो उस नंबर पर भ्रष्ट अधिकारियों की वीडियो भेजें। मान ने कहा कि हमारे अधिकारी उन वीडियो की जांच करेंगे और उसमें जो भी दोषी पाया जाता है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, फिर चाहे वो अधिकारी हो, हमारा मंत्री हो या हमारा विधायक हो।

सीएम भगवंत मान ने लोगों से ये भी अपील की है कि वो सिर्फ भ्रष्टाचार से संबंधित वीडियो ही उस नंबर पर भेजें। उन्होंने लोगों से अपील की है कि पंजाब से भ्रष्टाचार मिटाने में उनकी मदद करें।

सीएम भगवंत मान ने कहा कि मैं पंजाब की 3 करोड़ जनता से अपील करता हूं कि भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम में सरकार का साथ दें। उन्होंने ये भी कहा कि अगर जनता साथ देगी तो हम पंजाब को एक महीने के अंदर भ्रष्टाचार मुक्त कर देंगे। इससे पहले सीएम भगवंत मान ने शहीदी दिवस के मौके पर फिरोजपुर जिले के हुसैनवाला जाकर भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पंजाब रोडवेज, पीआरटीसी होंगे सरकारी राजस्व के मुख्य स्रोत : भुल्लर

अमृतसर। पंजाब के कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने बुधवार को स्पष्ट किया कि राज्य से परिवहन माफिया को खत्म किया जाएगा। भुल्लर ने कहा कि पंजाब रोडवेज और पीआरटीसी के बड़े जन आधार हैं, इन्हें और मजबूत किया जाएगा ताकि ये राजकोष के लिए राजस्व का एक स्रोत बन सकें। उन्होंने कहा, मैं लोगों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने, राज्य के राजस्व में योगदान देने और लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए इन सार्वजनिक क्षेत्र के ठिकानों को बनाने की पूरी कोशिश करूंगा।

गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी शहीद

श्रीनगर। श्रीनगर में मंगलवार को गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी शहर के बाहर जूनीमार सौरा क्षेत्र में हुई। पुलिस ने कहा कि उन्हें श्रीनगर शहर के सौरा इलाके के आसपास एक वाहन में आतंकवादियों की आवाजाही के संबंध में एक विशेष सूचना मिली थी। श्रीनगर पुलिस की एक गुप्त टीम ने आतंकवादियों का पीछा किया। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, वाहन में सवार आतंकवादियों ने टीम पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। गोलियों का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया, जिससे एक संक्षिप्त गोलीबारी हुई। इसमें एक आतंकवादी घायल हो गया, हालांकि यात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर वे मौके से भागने में सफल रहे। उन्होंने कहा, संक्षिप्त गोलीबारी में चयन ग्रेड कांस्टेबल आमिर हुसैन लोन गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया और शहीद हो गए। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने इस संबंध में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा कि शूटिंग में शामिल आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे।

आजादी का अमृत महोत्सव : 75 महिलाओं को डब्ल्यूटीआई पुरस्कार

नई दिल्ली। स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में 75 महिलाओं को 'सशक्त और समर्थ भारत' के प्रति उनके योगदान का उत्सव मनाने के लिए वीमेन ट्रांसफार्मिंग इंडिया (डब्ल्यूटीआई) पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

यहां आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने वाली महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया। चयन प्रक्रिया कई माह तक चली और 75 पुरस्कार विजेताओं को प्राप्त नामांकन और एक खोज एवं चयन समिति द्वारा संक्षिप्त सूची के आधार पर चुना गया। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने अपने मुख्य संबोधन में कहा कि डब्ल्यूटीआई पुरस्कार महिलाओं की अनुकरणीय गाथाओं और असाधारण कार्यों को साझा करके उनके गतिशील प्रयासों का उत्सव मनाते हैं। सामाजिक सीमाओं को तोड़ने से लेकर एक समान भारत का मार्ग प्रशस्त करने तक, ये विजेता एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हैं।

पुदुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी, संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव लक्ष्मी पुरी, डीआरडीओ की वैमानिकी प्रणाली के महानिदेशक डॉ. टेसी थॉमस; भारतीय स्टेट बैंक की पूर्व अध्यक्ष अरुंधति भट्टाचार्य, नैसकॉम के अध्यक्ष देबजानी घोष, और जानी-मानी गायिका इला अरुण जैसी प्रशंसित हस्तियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

पुरस्कार पाने वाली महिलाओं में प्रमुख रूप से आद्रा चंद्रा, अदिति अवस्थी, अदिति भूटिया, अक्षिता सचदेवा अक्षयाश्री, अलीना आलम, अनीता देवी, अंजू बिष्ट, चेतना गाला सिन्हा, दीपा चौरे आदि शामिल हैं।

अरविंद केजरीवाल ने अमित शाह को लिखा पत्र

एनडीएमसी के 4500 कर्मचारियों को जल्द नियमित किया जाए

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के 4500 कर्मचारियों को नियमित करने की मांग की है। केजरीवाल ने कहा कि ये नियमित मस्टर रोल (आरएमआर) कर्मचारी अपने नियमितीकरण का वर्षों से इंतजार कर रहे हैं।

एक सरकारी बयान के मुताबिक, कर्मचारियों को नियमित करने का प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्रालय में लंबित है। कर्मचारियों ने हाल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से समर्थन और मामले में हस्तक्षेप के लिए आग्रह किया था।

केजरीवाल ने अमित शाह को लिखी चिट्ठी में कहा है कि मैं नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) के नियमित मस्टर रोल (आरएमआर) कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारी का दर्जा देने के लिए एनडीएमसी में ग्रुप सी पदों के भर्ती नियमों के अनुमोदन के मुद्दे पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। एनडीएमसी में ग्रुप सी पदों के भर्ती नियमों के मसौदे के अनुमोदन का प्रस्ताव 25 सितंबर 2020 को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा गया था। इससे पहले परिषद की चार अगस्त 2020 को हुई बैठक में मंजूरी ली गई थी और इसके बाद संशोधित प्रस्ताव 16 अप्रैल 2021 को भेजा गया था।

उन्होंने कहा कि एनडीएमसी में लगभग 4,500 कर्मचारी हैं जो वर्तमान में आरएमआर कर्मचारियों के रूप में काम कर रहे हैं और नियमित कर्मचारी बनने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

केजरीवाल ने शाह को लिखे पत्र में कहा कि मामले की तात्कालिकता को ध्यान में रखते हुए अनुरोध है कि ग्रुप सी के मसौदा भर्ती नियमों को शीघ्र मंजूरी के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं ताकि इन आरएमआर कर्मचारियों को एनडीएमसी का नियमित कर्मचारी बनाया जा सके।

जम्मू-कश्मीर: पर्यटकों के लिए खुला ट्यूलिप गार्डन

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप (पौधा) गार्डन बुधवार को पर्यटकों के लिए खोला गया।

प्रदेश के मुख्य सचिव अरुण कुमार मेहता ने आज ट्यूलिप गार्डन का उद्घाटन किया। इस गार्डन में 68 विभिन्न रंगों की किस्मों के 15 लाख से अधिक ट्यूलिप पौधे है। ट्यूलिप की किस्मों के अलावा गार्डन में डैफोडिल, हायसीन, मस्करी सहित वसंत के अन्य पौधे भी हैं। कश्मीर पर्यटक निदेशक जी एन इटू ने कहा, पर्यटन विभाग जल्द ही बहुत बड़ा ट्यूलिप उत्सव का आयोजन करेगा। उन्होंने कहा कि अगर पर्यटकों ने ट्यूलिप गार्डन, हाउसबोट या डल झील में शिकारा की सवारी का आनंद नहीं उठाया तो उनकी कश्मीर यात्री अधूरी रह जाती है। उन्होंने देश दुनिया में कोविड नियमों में छूट दिए जाने के बाद इस साल अधिक पर्यटकों के आने की उम्मीद जतायी।

ट्यूटलि गार्डन खुलने के पहले दिन काफी संख्या में स्थानीय और सरकारी अधिकारी अपने परिवारों के साथ घूमते देखे गए। मुंबई से यहां आए एक पर्यटक रमेश ने कहा कि सभी भारतीयों को इस मंत्रमुग्ध कर देने वाले गार्डन को देखने के लिए जरूर आना चाहिए।

विरुधुनगर यौन उत्पीड़न : स्टालिन ने सीबी-सीआईडी जांच के दिए आदेश

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने दक्षिणी विरुधुनगर जिले की एक दलित युवती के साथ कई दिनों तक हुए यौन उत्पीड़न के मामले की जांच के आदेश बुधवार को अपराध शाखा-अपराध जांच विभाग (सीबी-सीआईडी) को दिए।

विपक्ष के नेता ई के पलानीस्वामी की ओर से विधानसभा में राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था के मामलों को उठाये जाने के मुद्दों का जवाब देते हुए श्री स्टालिन ने यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने के 24 घंटों के भीतर ही आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों में से चार को न्यायिक हिरासत में लिया गया और बाद में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा चार नाबालिग छात्र भी इस मामले में आरोपी थे जिन्हें बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

उन्होंने कहा कि जांच में तेजी लाने के लिए मामला सीबी-सीआईडी को सौंपा जा रहा है और अधीक्षक सुश्री मुथरासी को मामले की जांच के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त किया गया है।

श्री स्टालिन ने कहा कि आरोप पत्र 60 दिनों के भीतर एक विशेष अदालत के समक्ष दायर की जाएगी और दोषियों को अधिकतम सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के पुलिस महानिदेशक को इसे 'मॉडल केस' और सीधे जांच की निगरानी करने का निर्देश दिया है।

स्टालिन ने कहा,रुको और देखो। सरकार दोषियों को कैसे सजा दिलवाती है। यह न केवल तमिलनाडु में नहीं बल्कि देश का एक प्रमुख मामला होगा जिसमें आरोपियों को शीघ्र सजा मिलेगी और यह उन सभी के लिए एक सबक बनेगा जो इस तरह के अपराध करते हैं।

गौरतलब है कि राज्य के विरुधुगर जिले में चार स्कूली छात्रों सहित आठ लोगों ने एक दलित युवती के साथ पिछले सात महीनों के दौरान कई बार सामूहिक दुष्कर्म किया था।

आबकारी के लम्बित प्रकरणों का समयबद्ध अनुसंधान कर किया जाएगा निस्तारण : मीणा

जयपुर। राजस्थान के आबकारी मंत्री परसादी लाल मीणा ने आज विधानसभा में आश्वस्त किया कि विभाग में लम्बित प्रकरणों में अपेक्षित कार्य करने के लिए अधिकारियों को समयबद्ध रूप से अनुसंधान कर निस्तारण करने के निर्देश दिये जायेंगे।

मीणा ने प्रश्नकाल में विधायकों के पूरक प्रश्नों के जवाब में यह आश्वासन दिया। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने पूरक प्रश्न करते हुए कहा कि 11 मामले बिना अनुज्ञापत्र के पकड़े गए और इनके अनुसंधान में देरी हुई। इस पर श्री मीणा ने कहा कि इनमें एक साल तक अनुसंधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वह आज ही अधिकारियों को कहेंगे कि वे समयबद्ध कार्यवाही करें। उन्होंने बताया कि बीयर बार रेस्टोरेन्ट के लिए निर्धारित पॉलिसी के तहत अनुशंसा पत्र जारी किये जाते है। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में उच्च न्यायालय के एक निर्णय में कहा गया है कि बियर बार पर कोई पाबन्दी नहीं लगा सकते, लेकिन वैध अनुज्ञापत्र के बिना बार संचालन पाये जाने पर कार्यवाही की जाती है।

उन्होंने कहा कि जो भी नियमों में आता है उसे कम्पाउण्ड किया जा सकता है और उस पर चालान भी किया जा सकता है तथा उसकी जाँच कर अभियोग दर्ज कर नियमानुसार कार्यवाही की जाती है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि यदि नियमों के खिलाफ कोई कम्पाउण्ड किया है और ?सा मामला जानकारी में लाया जाता है तो नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। इससे पहले विधायक प्रताप सिंह के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में आबकारी मंत्री ने बताया कि आबकारी जिला जयपुर शहर में वर्तमान में 90 रेस्टोरेन्ट बार अनुज्ञापत्र प्राप्त कर संचालित है। उन्होंने वर्ष 2021-22 में आबकारी जिला जयपुर शहर में वैध अनुज्ञापत्र के बिना बार संचालन पाये जाने पर की गई कार्यवाही का विवरण सदन के पटल पर रखा।

खतियान के आधार पर नियोजन नीति नहीं बन सकती : हेमंत सोरेन

एजेंसी

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा में आज कहा कि कानून के जो जानकार होंगे, वे यह अच्छी तरह जानते है कि खतियान के आधार पर नियोजन नीति नहीं बनायी जा सकती है,ऐसा करने पर कोर्ट तुरंत खारिज कर देगा।

उन्होंने कहा कि वे जानते हैं कि स्थानीय नीति कैसे बनानी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही स्थानीय नीति की घोषणा कर दी जाएगी। श्री सोरेन ने बुधवार को विधानसभा में अनुदान मांग पर चर्चा के बाद सरकार की ओर से जवाब देते हुए कहा कि वर्ष 1985 को आधार वर्ष मान कर स्थानीय नीति बनाने वाले भाजपा नेता आज 1932 की खतियान की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के इशारे पर नियुक्ति और स्थानीय नीति को लेकर हाय-तौबा मचा रहे हैं, छाती पिटवाने का काम कर रहे हैं, दो साल में भाजपा नेता 1985 की जगह 1932 की बात करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि

पूर्ववर्ती रघुवर दास सरकार ने नौकरी का ऐसा दरवाजा खोल दिया, जो कोर्ट में औंधे मुंह गिर गया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग को 7267 रिक्त पदों को भरने के लिए अधियाचना भेजी जा चुकी है, जिसमें से जेएसएससी द्वारा 2898 पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन भी निकाली जा चुकी है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य में 30 हजार पदों पर नियुक्ति के लिए जल्द ही प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से पांच लाख लोगों को नौकरी नहीं रोजगार देने की बात कही गयी थी।

चुनाव में देरी से विकास होता प्रभावित : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी सैलजा ने कहा है कि शहरी निकायों के चुनाव में भाजपा सरकार ने लगातार जानबूझकर देरी की जिससे संबंधित शहरी निकायों में विकास कार्य प्रभावित हुए और इन्हें आवंटित की गई राशि भी पूरी तरह से खर्च नहीं की गई।

यह खुलासा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट से हुआ है।

रिपोर्ट बताती है कि जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से वंचित इन शहरी निकायों में कई तरह की दिक्कत खड़ी होती रहीं। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने आज यहां कहा कि यह तमाम खुलासे साल 2015-16 से 2019-20 तक की समीक्षा रिपोर्ट में हुए हैं। इस दौरान प्रदेश में भाजपा की ही सरकार थी। जिन शहरी निकायों का जिक्र है, इनमें सात महीने से 20 महीने की देरी से चुनाव कराए गए थे।

सैलजा ने कहा कि भाजपा-जजपा गठबंधन की मौजूदा सरकार भी उसी परिपाटी पर चल रही है। इलाकों को विकास न करना पड़े और विकास पर खर्च होने वाले धन को अपनी मर्जी के मुताबिक खर्च कर सकें, इसलिए ही शहरी निकायों व पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव नहीं करवाए जा रहे हैं।

अब चुनाव में देरी के लिए गठबंधन सरकार उच्च न्यायालय में लंबित मामलों की दुहाई देती है, जबकि उच्च न्यायालय में ये मामले भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार द्वारा उठाए गए गलत कदमों की वजह से ही गए हैं।

शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को शहीद का दर्जा दिलाने के लिए प्रयास करेगी आप सरकार : मान

खटकड़ कलां। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह के पैतृक गाँव खटकड़ कलां पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि राज्य सरकार शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरू और शहीद सुखदेव को शहीद का दर्जा दिलाने के लिए तहेदिल से ठोस प्रयास करेगी। इस मौके पर शहीद भगत सिंह के भतीजे दिवंगत अभय संधू की पत्नी तेजी संधू, अभय संधू की बेटी अनुश प्रिया, प्रभदीप सिंह बैनीवाल, हकूमत सिंह मल्ही, जोरावर सिंह संधू, गौरव संधू, कन्नगी संधू और अन्य पारिवारिक सदस्य मौजूद थे ।

मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि आज़ादी के संघर्ष के महान नायक और उनके दोनों साथियों को शहीद का दर्जा दिलाने के लिए हमारी सरकार हर संभव यत्न करेगी। उन्होंने दुख जताते हुये कहा कि दुर्भाग्यवश आज़ादी के 70 साल बाद भी इन राष्ट्रीय नायकों को यह दर्जा नहीं दिया गया। अंग्रेजों के चंगुल से निकालने के लिए समूची कौम सरदार भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव की अद्वितीय शहादत की सदा ऋणी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार शहीद भगत सिंह की सोच पर डट कर पहरा देने और खुशहाल और समानता वाले समाज की सृजन करने के लिए वचनबद्ध है।

शार्ट न्यूज

विपक्ष ने उठाया 'द कश्मीर फाइल्स' टैक्स फ्री करने का मुद्दा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के बजट अधिवेशन में उपराज्यपाल के अभिभाषण से पहले ही भाजपा सदस्यों ने 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म को दिल्ली में टैक्स फ्री करने का मुद्दा उठाया। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में विपक्षी सदस्यों ने मांग की कि कश्मीरी पंडितों के कश्मीर से पलायन की सच्चाई जनता तक लाने के लिए यह जरूरी है कि फिल्म को टैक्स फ्री किया जाए। विपक्षी सदस्य नारे लगा रहे थे 'टुकड़े-टुकड़े गैंग का साथ देना बंद करो', 'कश्मीरी पंडितों का सच सामने आने दो' और 'कश्मीर फाइल्स फिल्म टैक्स फ्री करो'। इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष ने सत्तापक्ष के इस रवैये पर भी आपत्ति उठाई कि दिल्ली विधानसभा में सिर्फ पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर बधाई दी जा रही है। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि चार राज्यों में भाजपा की सरकार बनी है तो खुले दिल का परिचय देते हुए उन्हें भी बधाई दी जानी चाहिए। उन्होंने भाजपा की शानदार जीत पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को बधाई दी।

बलिदान दिवस के उपलक्ष पर फेस्टा ने दी प्रशासन को चेतावनी

नई दिल्ली। सदर थाना रोड में फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नरेश धींगरा ने एक व्यापारिक सभा का आयोजन किया गया जिसमें शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के बलिदान दिवस के उपलक्ष पर श्रद्धांजलि देकर फेस्टा के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा व अध्यक्ष राकेश यादव ने व्यापारी सभा संबोधित करते हुए प्रशासन को चेतावनी दी हुए कहा वह दिन दूर नहीं कि सदर बाजार के व्यापारी अपनी दुकान बंद कर कर सड़कों पर उतर आएंगे सदर बाजार में जिस प्रकार के हालात हैं वह व्यापारियों के लिए बहुत ही खतरनाक यहां पर दलालों व जेब कतरों ने अपना जाल बिछा रखा है जिसमें कई व्यापारी उनके शिकार हो जाते हैं उदाहरण के तौर पर किसी व्यापारी ने दलालों के जरिए 50 हजार का माल लिया तो उसके पास 5 हजार का माल नहीं पहुंचता यह दलाल सस्ते का लालच देकर लोगों को ठग रहे हैं प्रशासन सोया पड़ा है इससे लगातार सदर बाजार के व्यापारियों की छवि खराब हो रही है। इस अवसर पर महासचिव सतपाल सिंह मंगा व कमल कुमार ने कहा 10 से 12 लोगों का झुंड आकर व्यापारियों को अपना शिकार बना लेता है और जो इसका विरोध करता है उसको धमकी भी दे जाते हैं लोगों के मोबाइल निकालना तो आम बात हो गई है। चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष राकेश यादव, वाइस चेयरमैन पवन खंडेलवाल, नरेश जिंदल, दीपक मित्तल, राजकुमार गुप्ता, चंदर धमन समेत अनेक लोग उपस्थित थे।

वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ़ इंडिया ने पत्रकारों के लिए किया फ्री हेल्थ चेकअप का आयोजन

नई दिल्ली। वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ़ इंडिया की दिल्ली यूनिट और मेडिकल डायलॉग (हेल्थ पोर्टल) के द्वारा 23 मार्च शहीदी दिवस के मौके पर दरियागंज स्तिथ संजीवन हॉस्पिटल में एक मेगा फ्री हेल्थ चेकअप का आयोजन किया गया। इस हेल्थ चेकअप में दिल्ली एनसीआर के लगभग 100 के करीब पत्रकारों ने खुद और अपने परिवार के सदस्यो का चेकअप करवाया। गौरतलब है की कोरोना महामारी के दौरान राजधानी दिल्ली और देश भर में सैकड़ों पत्रकार शहीद हुए है पत्रकार देश और दुनियाँ की खबर दिखाते है लेकिन जब उनके अपने स्वस्थ की बात आती है तो कोई भी चारा नज़र नहीं आता इलाज के लिए भटकना पड़ता है देश में सैकड़ों पत्रकार एसोशिएशन है जो पत्रकारों का प्रतिनिधित्व करती है लेकिन वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ़ इंडिया ने पिछले दो तीन सालों में पत्रकारों के हितों को लेकर आंदोलन किए है उससे देशभर के पत्रकारों में वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ़ इंडिया ही अग्रणी संस्था नज़र आती है जो हर तरह पत्रकारों के लिए सहयोग करती है।

पुलिस ने एक शातिर चोर को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना नॉलेजपार्क पुलिस ने बुधवार को शातिर चोर वेद प्रकाश पुत्र जयचन्द निवासी ग्राम गढी समस्तीपुर थाना नालेज पार्क गौतमबुद्धनगर को एनपीएक्स मॉल के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक चोरी की ट्राली (ट्रैक्टर के साथ वाली) बरामद की है।उपरोक्त अभियुक्त थाना नालेज पार्क पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 70/2022 धारा 379, 411 भादवि के तहत वांछित चल रहा था।अभियुक्त द्वारा 2 मार्च 2022 को वादी के खेत (गढी समस्तीपुर के जंगल) से ट्राली को चोरी किया गया था। जिसके सम्बन्ध में थाना नॉलेज पार्क पर एफआईआर पंजीकृत की गई थी।अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है।जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

बेरोजगारी के समाधान के लिए राष्ट्रीय रोजगार नीति बनाना वक्त की मांग : गोपाल राय

बेरोजगारी के खिलाफ राष्ट्रीय आन्दोलन की रूप रेखा बनाने के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय रोजगार सम्मेलन दिल्ली के शाह ऑडिटोरियम, सिविल लाइन्स मे प्रारंभ

नई दिल्ली। गोपाल राय ने कहा बेरोजगारी के समाधान के लिए राष्ट्रीय रोजगार नीति बनाना वक्त की मांग, देश बेरोजगारी के भयावह संकट से जूझ रहा है। बड़ी- बड़ी डिग्रियां लेकर भी युवा आज काम के लिए दर -दर भटक रहे हैं। रोजगार का नया सृजन करना तो दूर देशभर में लाखों खाली पड़ी सरकारी वेकैंसी पर भी भर्ती नहीं की जा रही है, इसके उलट भर्ती की जगह युवाओंको लाठियां मिल रही है अभी हाल ही मे पुरे देश ने देखा की किस तरह रेलवे RRB-NTPC की भर्ती को लेकर छात्रों के उपर बर्बर दमन किया गया ढ्ढ जहाँ भर्ती हो भी रही है, ठेकेदारी व्यवस्था के तहत हो रही है, जहाँ मिनिमम वेज इतना कम है की जिससे काम करने के बावजूद भी लोगो को सम्मानपूर्वक जीवन जीना मुश्किल हो रहा है, प्राइवेट सेक्टर मे भी रोजगार के नए अवसर पैदा होने की जगह छटनी की तलवार लोगों के सर मंडरा रही है ढ्ढ वहीं हम देख रहे है की देश के किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानून बनवाने के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं ढ्ढ जहाँ तक देश की आधी आबादी महिलाओं का प्रश्न है उनकी आर्थिक मजबूती के लिए सरकार के पास कोई कार्ययोजना नही है।

बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए भारत में आजादी के बाद जिस तरह की नीतियां बनाने की जरूरत थी, हमारी अब तक की सरकारों ने वैसी नीतियां नही बनाई। यही वजय है कि आजादी के सात दशक से ज्यादा वक्त गुजर जाने के बाद भी हमारे देश में राष्ट्रीय रोजगार नीति नहीं बन पाई है। पहले से ही बेरोजगारी की मार झेल रही हमारी अर्थव्यवस्था को कोरोना ने और आधिक चिंताजनक स्तिथि मे पहुचां दिया। आज बेरोजगारी की समस्या ना सिर्फ गांव के लोगों की है बल्कि जो लोग बड़े-बड़े शहरों में रहते हैं, उनकी भी समस्या है ढ्ढ चाहे कोई किसी भी जाति में पैदा हुआ हो, किसी भी धर्म को मानने वाला हो, किसी भी भाषा को बोलने वाला हो, चाहे कोई किसी भी क्षेत्र का रहने वाला हो, चाहे महिला हो, पुरुष हो या फिर ट्रांस जेंडर, कोई भी बेरोजगारी की इस मार से नहीं बच पाया है।

गोपाल राय ने कहा पिछले कई वर्षों से बेरोजगारी व आर्थिक समस्याओं को लेकर छात्र, युवा, मजदूर, किसान, महिलाएं सहित देश के तमाम संगठन अलग-अलग तरीके से संघर्ष कर रहे हैं लेकिन केंद्र की सरकार सुनने को तैयार नहीं है ऐसे समय में ये वक्त की जरूरत है कि बेरोजगारी के खिलाफ सभी संगठन मिलकर राष्ट्रीय आंदोलन की पहल करें।

जिस तरह पिछले वर्ष 19 दिसंबर को दिल्ली में जंतर मंतर पर रोजगार संसद का आयोजन किया गया था, उसी तरज पर भारत के हर राज्य मे आयोजित होगी एक रोजगार संसद जिसमें वहाँ के सभी संघर्षरत संगठनों को शामिल किया जाएगा।

श्री गोपाल राय ने प्रस्ताव रखा की एक राष्ट्रीय आंदोलन समिति बननी चाहिए जिसमे हर संगठन का एक प्रितिनिधि हो जो आंदोलन की रूप रेखा पर चर्चा करे और उससे आगे बढ़ा सकें।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. अरुण ने कहा की बेरोजगारी की समस्या आज चरम सीमा पर है, जिसका समाधान राष्ट्रीय रोजगार निति हैं, इसमें दिए गए 10 M's की मिनी टेक्नोलॉजी, मिनी मार्किट, मिनिमम वागेस (न्यूनतम मजदूरी), माइंड सेट एंड स्किल ट्रेनिंग निचले स्तर से विकास की बात करता हैं। रोजगार सम्मेलन में देशभर के 250 से अधिक प्रमुख छात्र संगठन, युवा संगठन, शिक्षक संगठन, ट्रेड यूनियन, किसान यूनियन, महिला संगठन, LGBTIQ+, पत्रकार संगठन, दलित संगठन, आदिवासी संगठन, NGO's आदि संगठनों के लगभग 700 प्रितिनिधियों ने हिस्सेदारी कि, दो दिवसीय सम्मेलन में कल 24 मार्च को सभी संगठन मिलकर बेरोजगारी के समाधान के लिए राष्ट्रीय रोजगार निति बनवाने के लिए राष्ट्रव्यापी आंदोलन की रूपरेखा पर चर्चा करके और निर्णय लेंगे।

सड़क का नामकरण संपन्न, दादी जी का सेवा भाव सदा के लिए अमिट : राजकुमार भाटिया

गौरवशाली भारत संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के द्वारा अशोक विहार फेस टू से जेलर वाला बाग में जाने वाला मुख्य मार्ग का नामकरण दादी परमेश्वरी देवी मार्ग रखा गया। नामकरण समारोह को आदेश गुप्ता अध्यक्ष भाजपा दिल्ली प्रदेश, डॉक्टर हर्षवर्धन सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री, राजा इकबाल सिंह महापौर उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने वर्चुअल शुभकामनाएं दी। समारोह स्थल पर मुख्य अतिथि राजकुमार भाटिया अध्यक्ष भाजपा केशव पुरम जिला ने अपने संबोधन में कहा कि दादी परमेश्वरी देवी का सेवा भाव सदा के लिए ही अमरत्व को प्राप्त किया है वे सामाजिक, धार्मिक व ध्येयनिष्ठ प्रतिभा की धनी कर्तव्यनिष्ठ थी। उनके सद्गुण परिवार के सदस्यों में विद्यमान हैं। करोना काल में इस परिवार ने जो सेवा समाज को दिया है वह कहीं ना कहीं पूज्य दादी जी की प्रेरणा है। दादी जी ने इस परिवार को सेवाभावी बनाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंजू खंडेलवाल स्थानीय निगम पार्षद ने किया। मंजू जी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहां कि मुझे महापुरुषों व समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों के नामकरण से गर्व प्राप्त होता है। इस मार्ग से गुजरने वाला प्रत्येक राही पूज्य दादी जी से प्रेरणा लेगा।

परिवार के तरफ से समाजसेवी प्रवीण कुमार सिंह ने सभी का धन्यवाद किया। मंच संचालन नितिन बत्रा पूर्व महामंत्री भाजपा जिला केशवपुरम ने किया। समारोह में डॉक्टर महेंद्र नागपाल पूर्व विधायक, कनक अग्रवाल पूर्व पार्षद, देवराज पूर्व पार्षद, राज सिंह चौहान पूर्व जिला अध्यक्ष, अशोक गर्ग अध्यक्ष आदर्श रामलीला कमेटी, संजीव शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष, व्यापारी नेता विपिन आहूजा, घनश्याम अग्रवाल, अनिल डिडवानिया, डॉ धीरज कक्कड़, डॉक्टर कीर्ति वर्धन साहनी, रतन लाल जी, डॉ रामकुमार जी समेत अशोक विहार के सभी प्रतिष्ठित सामाजिक धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के उपरांत सभी ने प्रसाद रूपी भोजन ग्रहण किया।

यूपी बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल नोएडा ने थाना फेस टु क्षेत्र के स्कूलों में व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

नोयडा। 24 मार्च 2022 से प्रारंभ हो रही यूपी बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत बुधवार को को पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल नोएडा द्वारा सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम सेन्ट्रल नोएडा के साथ थाना फेस टु क्षेत्र के अंतर्गत स्कूलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा सभी विद्यालय के प्रधानाचार्य के साथ मीटिंग की गई एवं उनसे बातचीत करते हुए कुछ जरूरी दिशा निर्देश भी दिए गए। उनके द्वारा स्कूल के गेट पर ही महिला अभ्यर्थियों की चेकिंग हेतु एक कैनोपी बनाने, मोबाइल के रखने के लिए एक अलग स्टॉल बनाने हेतु निर्देशित किया गया। प्रश्न पत्रों व उत्तर पुस्तिका की सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मियों की चेकिंग की गई व उनको सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आगामी बोर्ड परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने के लिए संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया।

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु वो विचार हैं जो सदा अमर रहेंगे : श्रीनिवास बी वी

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने शहीद दिवस के अवसर पर शहीदी पार्क में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी ने कहा कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु वो विचार हैं जो सदा अमर रहेंगे। व्यक्तियों को कुचलने से विचारों की हत्या नहीं की जा सकती, एक विचार परिवर्तन ला सकता है। उसी परिवर्तन के लिए वैचारिक लड़ाई जारी है। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि भगत सिंह यह मानते थे कि यदि देश की लड़ाई लड़नी हो, तो मजदूरों, किसानों और सामान्य जनता को आगे लाना होगा, उन्हें लड़ाई के लिए संगठित करना होगा, आज इस ही पथ पर चल कर युवा कांग्रेस देश भर में हर जरूरतंद की आवाज को उठाने का कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा की देश ने सत्ता की क्रूरता को देखा है- देश के अन्नदाता को अपने अधिकारों को मांगने रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई थी, अन्नदाता को कुचला गया था। हमारे क्रांतिकारियों ने ऐसे राष्ट्र की कल्पना नहीं की थी। जब-जब अन्याय के ख़िलाफ़ कोई आवाज़ उठेगी, उस आवाज़ में इन शहीदों का अक्स होगा। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु उन्होंने स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए अंतिम बलिदान दिया। उन्होंने लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए अंतिम बलिदान दिया। उन्होंने हमारे लोगों की रक्षा के लिए अंतिम बलिदान दिया। हमारे लोगों की आवाज पर हर एक हमला हमारे नायकों का अपमान है। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव, राष्ट्रीय सचिव बंटी शेल्के, मुकेश कुमार, शिवी चौहान, मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत भूरिया, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष रणविजय सिंह लोचव समेत अनेकों युवा कांग्रेस कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक जयकिशन ने भाजपा के शीर्ष नेताओं और केजरीवाल पर लगाए गम्भीर आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष पूर्व विधायक श्री जयकिशन ने भाजपा के शीर्ष नेताओं और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली नगर निगम को एक करने के फैसले पर आड़े हाथों लेते हुए गम्भीर आरोप लगाए है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता निगम के कर्मचारियों की तुर्गती करने के लिए केजरीवाल और भाजपा नेताओं द्वारा यह फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक शीला दीक्षित मुख्यमंत्री रही कोई विकास कार्य नहीं रुका किसी भी कर्मचारी की पेंशन और वेतन को नही रोका गया।उनके बाद केजरीवाल की सरकार बनते ही निगम में फंड का अकाल पैदा हो गया जब संसद में और निगम में भाजपा का कब्जा था तो फिर फंड क्यो नही केंद्र सरकार ने उपलब्ध करवाया।दिल्ली नगर निगम में 15 वर्षो से भाजपा का शासन है।

नगर निगम को भाजपा नेताओं ने खोखला कर दिया है। केजरीवाल निगम अधिकारियों को आदेश देकर अपने काम करवाते रहे हैं दोनों पार्टियों मिलकर दिल्ली की जनता को धोखा दे रही है अब विकास कार्य रूके पड़े हैं सीवर, रोड़, गलीयों, फ्लाई ओवर की हालत खस्ता हो चुकी है तो इन्हें उन्हें निगम को एक करने की याद आ रही है।

स्वच्छ भारत के नाम पर केन्द्र से मिले फंड की भी इन दोनो पार्टीयों के नेताओं के आपस में बंदर बाट कर ली है। की नूरा कुश्ती से निगम और दिल्ली की जनता त्रस्त है बाहर से लड़ाई लड़ते है अंदर खाने दोनों पार्टिया एक है। जयकिशन ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में निगम को एक करने की भाजपा नेताओं ने नहीं सोची पिछले 8 वर्षों से केन्द्र में भाजपा सरकार है तब मोदी जी को निगम के एकीकरण की याद नहीं आई अब भाजपा को डर सता रहा है कि 15 वर्षो का लेखा जोखा जनता को देना पड़ेगा।

जिनकी भी योजनाए जो चल रही है शिक्षा, स्वास्थ्य, मिड डे, कॉपी, किताब छात्र वृति आदि सब कांग्रेस की देन है। इन्हें जनता के हितों से कुछ लेना देना नही है इन दोनो पार्टियों ने झूट और लूट के शासन से दिल्ली की जनता को धोखा दे रहे है। जब भी निगम के चुनाव होंगे दिल्ली की जनता इन्हें सबक सीखा कर रहेगी।

सांसद खेल स्पर्धा के अंतगर्त दक्षिणी दिल्ली में रमेश बिधूड़ी ने किया कबड्डी टूनार्मेन्ट का शुभारंभ

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली सांसद रमेश बिधूड़ी ने आजादी के 75 वर्ष अमृत महोत्सव पर सांसद खेल स्पर्धा के अंतगर्त दक्षिणी दिल्ली स्थित तुगलकाबाद गाँव, विद्यालय ग्राऊण्ड में आयोजित दो दिवसीय कबड्डी टूनार्मेन्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री पी.आर.एस. बरार रिटायर्ड आई.पी.एस. मौजूद रहे और लगभग हजारों की संख्या में लोग प्रतियोगिता देखने पहुँचे।

सांसद खेल स्पर्धा के अंतगर्त 23 और 24 मार्च को रही इस दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र से कुल 59 कबड्डी टीमों ने पंजीकरण करवाया। जिसमें 14 महिला टीम एवं 45 पुरूष टीमों ने भाग लिया। इस मुकाबले में प्रथम विजयी टीम को 11000 रूपये, द्वितीय स्थान पाने वाली टीम को 7100 रूपये एवं तृतीय स्थान पाने वाली टीम को 5100 रूपये नकद राशि प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रतियोगिता उद्घाटन अवसर पर सांसद रमेश बिधूड़ी ने खिलाड़ियों का उत्साह वधर्न करते हुए कहा कि सांसद खेल स्पर्धा के अंतगर्त आयोजित इन खेलकूद स्पधाओं के माध्यम से जमीनी स्तर से युवाओं को अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने एवं खेलों में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

बिधूड़ी ने आगे कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के राष्ट्रीय कायर्क्रम 'खेलो इंडिया' से प्रेरित होकर दक्षिणी दिल्ली में सांसद खेल स्पधा के अंतगर्त विवेक बिधूड़ी फाउंडेशन व दक्षिणी दिल्ली भाजपा द्वारा समय-समय पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होती रहेंगी जिनमें इच्छुक युवा पंजीकरण कराकर भाग ले सकेंगे।

विश्व जल दिवस पर परमार्थ को मिला देश का प्रतिष्ठित वाटर चैंपियन अवार्ड

नई दिल्ली। इंटरनेशनल वाटर एसोसिएशन एवं यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम ने परमार्थ समाज सेवी संस्थान को जल संरक्षण के लगातार बेहतर प्रयास जैसे 'जल सहेली' समूहों और अन्य स्थानीय जल संरक्षण अभियानों के माध्यम से बुंदेलखंड में लोगों की आजीविका में सुधार करने हेतु देश के प्रतिष्ठित 'वाटर चैंपियन अवार्ड' से विश्व जल दिवस के अवसर पर सम्मानित किया है।

गौरतलब है की देश की प्रतिष्ठित संस्था टेरी (ऊर्जा शोध संस्थान) ने इंटरनेशनल वाटर एसोसिएशन और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के सहयोग से वाटर सस्टेनेबिलिटी अवार्ड्स की शुरुआत की थी जिसका उद्देश्य जल पर सतत विकास लक्ष्यों की उपलब्धि को सुगम बनाने के प्रयासों को मान्यता देना है। इन पुरुस्कारों को विभिन्न प्रकार की श्रेणियों में रखा गया था जो अलग - अलग क्षेत्रों में प्रदान किया गया। यह अवार्ड विभिन्न क्षेत्रों में सुसंगत और व्यापक तरीके से कार्य कर रहे संगठनों को दिया गया। इस पुरस्कार का चयन स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा किया गया जिसमे जूरी द्वारा परमार्थ समाज सेवी संस्थान को वाटर चैंपियन अवार्ड के लिए चयनित किया था। परमार्थ समाज सेवी संस्थान ने लगभग 2 दशक से बुंदेलखंड में जल संरक्षण के विभिन्न मॉडलों को विकसित किया है। आज यह मॉडल जन उपयोगी साबित हो रहे हैं। ज्ञात रहे कि परमार्थ समाज सेवी संस्थान बुंदेलखंड के उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के क्षेत्र में परंपरागत जल संरचना चंदेली बुन्देली तालाबों के पुनर्जीवन एवम जल सहेली, पानी पंचायतों नदी घाटी संघटन एवं ग्राम स्तरीय पेयजल सुरक्षा निर्माण जैसे अभिनव प्रयोग किये हैं। विश्व जल दिवस के अवसर पर दिल्ली के पर्यावास केंद्र (हैबिटेट सेंटर) में आयोजित एक समारोह में इस पुरस्कार को प्रदान किया।

यह सम्मान भारत में संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख डॉ सुकाया नोडा एवं भारत में लोकपाल के एवं पूर्व अतिरिक्त सचिव जीवन मिशन भारत सरकार के भरत लाल एवं टेरी की महानिदेशक विभा धवन के द्वारा प्रदान किया गया।

फेस टू के मास्टर प्लान में 12 हजार हेक्टेयर क्षेत्र बढ़ेगा

ग्रेटर नोएडा। अधिसूचित क्षेत्र का कुछ हिस्सा टप्पल नगर पंचायत में जाने के बाद अब यमुना प्राधिकरण फेस-2 के मास्टर प्लान को संशोधित करेगा। इसमें जेवर व टप्पल के बीच अधिसूचित क्षेत्र को शामिल करने की तैयारी है। इससे फेस-2 के मास्टर प्लान में करीब 12 हजार हेक्टेयर क्षेत्र बढ़ जाएगा। इससे योजनाओं को अंतिम रूप देने में आसानी रहेगी।

यमुना प्राधिकरण में गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा व आगरा जिले आते हैं। इन जिलों के 1188 गांव अधिसूचित क्षेत्र में शामिल हैं। योजना के मुताबिक पहले फेज में गौतमबुद्ध नगर व बुलंदशहर और दूसरे फेज में अलीगढ़, मथुरा व हाथरस जिले का अधिसूचित क्षेत्र शामिल हैं। तीसरे चरण में आगरा के अधिसूचित क्षेत्र का विकास किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश शासन ने टप्पल को नगर पंचायत बना दिया है। इससे प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र का कुछ हिस्सा नगर पंचायत में चला गया है। इस इलाके में अवैध कॉलोनी एवं निर्माण की गतिविधि तेज हो रही हैं। इसके चलते यमुना प्राधिकरण ने टप्पल नगर पंचायत तक अपना विस्तार करेगा और इसे अधिसूचित क्षेत्र में शामिल करेगा। जेवर एयरपोर्ट के चलते टप्पल क्षेत्र में प्राधिकरण ने फेज एक के साथ फेज दो का मास्टर प्लान तैयार किया था।

टप्पल में लाजिस्टिक हब और राया को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। लेकिन लॉजिस्टिक हब वाला क्षेत्र टप्पल नगर पंचायत में चला गया है। इसके बाद प्राधिकरण ने फेस टू के मास्टर प्लान को संशोधित करने का फैसला लिया है।

संपादकीय

सामाजिक विषयों पर बनी फिल्में सफल भी हो रही हैं, राष्ट्र निर्माण में योगदान भी दे रही हैं

समाज की बेहतरी, भलाई और मानवता का स्पंदन ही भारतबोध का सबसे प्रमुख तत्व है। फिल्म क्षेत्र में भारतीय विचारों के लिए यही कार्य भारतीय चित्र साधना जैसी समर्पित संस्था विगत कई वर्षों से कर रही है। भारतीय चित्र साधना के प्रतिष्ठित चित्र भारती फिल्मोत्सव 2022 का आयोजन इस वर्ष मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 25 से 27 मार्च तक किया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से मध्य प्रदेश के युवाओं को कला जगत और खासकर फिल्मों के क्षेत्र में अवसर, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आज का सिनेमा पश्चिम की नकल कर रहा है, जबकि भारतीय चित्र साधना भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाले सिनेमा पर कार्य कर रहा है। भारतीय सिनेमा का इतिहास भारत के आर्थिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं राजनीतिक मूल्यों और संवेदनाओं का ऐसा इंद्रधनुष है, जिसमें भारतीय समाज की विविधता, उसकी सामाजिक चेतना के साथ सामने आती है। भारतीय समाज का हर रंग सिनेमा में मौजूद है। भारत में अलग-अलग समय में अलग तरह की फिल्मों का निर्माण किया गया। 1940 की फिल्मों का दशक गंभीर और सामाजिक समस्याओं से जुड़े मुद्दों को केंद्र में रखकर फिल्मों के निर्माण का समय था। 1950 का दशक फिल्मों का आदर्शवादी दौर था। 1960 का वक्त 1950 के दशक से काफी अलग था। राज कपूर ने जो रोमांटिक फिल्मों का ट्रेंड शुरू किया था, वह इस दौर में अपने पूरे शबाब पर था। 1970 का दशक व्यवस्था के प्रति असंतोष और विद्रोह का था। 1980 का फिल्मों का दशक यथार्थवादी फिल्मों का दौर था, जबकि 1990 का वक्त आर्थिक उदारीकरण का था।

भारतीय सिनेमा में जनमानस और भारतबोध के आधार पर फिल्मों का निर्माण करने की परंपरा बहुत पुरानी है। बॉलीवुड का सिनेमा भारतीय समाज की कहानी को कहने का सशक्त माध्यम रहा है। इसके जरिए भारत की स्वतंत्रता की कहानी, राष्ट्रीय एकता को कायम रखने के संघर्ष की कहानी और वैश्विक समाज में भारत की मौजूदगी की कहानी को चित्रित किया जाता रहा है। भारतीय सिनेमा विदेशों में काफी कामयाब हुआ है और इसके जैसा दूसरा कोई ब्रांड नहीं जो दुनिया भर में इतना कामयाब हुआ है। भारतीय सिनेमा में बदलते भारत की झलक भी मिलती रही है। 1943 में बनी फिल्म किस्मत उस दौर में सुपर हिट साबित हुई थी। भारत छोड़ो आंदोलन जब चरम पर था, तब इस फिल्म का एक गाना बेहद लोकप्रिय हुआ था, दूर हटो ऐ दुनिया वालों हिंदुस्तां हमारा है।

1949 में भारत को स्वतंत्रता मिले कुछ ही वक्त हुआ था। देश के तौर पर हमारी पहचान बस बन रही थी। तब शबनम नामक फिल्म में पहली बार विविधभाषाई गीत का इस्तेमाल किया गया, जिसमें बंगाली, मराठी और तमिल भाषा का उपयोग किया गया था। इसके जरिए दर्शकों को ये बताने की कोशिश की गई थी कि ये सभी भाषाएं भारतीय भाषाएं हैं। मशहूर फिल्मकार वी. शांताराम 1921 से 1986 के बीच करीब 65 साल तक फिल्मी दुनिया में सक्रिय रहे। उन्होंने 1953 में विविध रंगी और बहुभाषी समाज होने के बाद भारत की एकता के मुद्दे पर तीन बत्ती चार रास्ते फिल्म बनाई। इस फिल्म की कहानी में एक ऐसा परिवार था, जिसके घर की वधुएं अलग-अलग भाषाएं बोलती हैं। 1960 में के. आसिफ ने अकबर की बादशाहत पर मुगल-ए-आजम के तौर पर एक भव्य और ऐतिहासिक फिल्म बनाई, जबकि उसी वक्त राजकपूर जिस देश में गंगा बहती है और दिलीप कुमार गंगा-जमुना जैसी फिल्में बना रहे थे। 1981 में प्रदर्शित मनोज कुमार की फिल्म क्रांति ने भारतबोध के एक नए युग की शुरुआत की।

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को हलाल के साथ जोड़ना बहुत बड़ी साजिश है

प्रह्लाद सबनानी

इस्लाम मजहब के अनुयायियों के लिए हलाल शब्द बहुत महत्व भरा शब्द है। हलाल का आशय यह बताया जाता है कि मुस्लिम मतावलंबियों के लिए जो वस्तु वैद्य है वह हलाल है और जो वैध नहीं है वह हराम है। ऐसा भी बताया जाता है कि प्रारम्भ में इस्लाम-कुरान में खाने की वस्तुओं, विशेष रूप से मांसाहार, के साथ हलाल शब्द को जोड़ा गया था अर्थात किन वस्तुओं (किस प्रकार के मांसाहार) का खाना हलाल है एवं किन वस्तुओं (किस प्रकार के मांसाहार) का खाना हराम है। परंतु, अब तो हलाल को दैनिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के साथ जोड़ दिया गया है। जैसे हलाल मांस, हलाल फैशन एवं सौंदर्य के साधन, हलाल किराने का सामान, हलाल सब्जियां, हलाल वित्तीय सुविधाएं, हलाल ढाबे, आदि आदि।

कई इस्लामी देशों ने यह तय कर लिया है कि उनके नागरिक केवल हलाल प्रमाणित खाद्य पदार्थों एवं अन्य सुविधाओं का उपयोग करेंगे एवं इन देशों ने हलाल प्रमाणन को कानूनी रूप दे दिया है। कोई उत्पाद हलाल प्रमाणित है इसके लिए बाकायदा विशेष संस्थाओं का गठन किया गया है जोकि हलाल प्रमाणन का प्रमाण पत्र जारी करने में सक्षम है एवं उस प्रमाणन के आधार पर ही सम्बंधित उत्पाद बाजार में बेचा जा सकता है। इन मुस्लिम मजहब बहुल देशों में विदेशों से आयात किए जाने उत्पादों को भी हलाल प्रमाणन के लिए प्रमाण पत्र संबंधित संस्थानों से लेना आवश्यक होता है ताकि ये कम्पनियां अपने उत्पादों को इन इस्लामी देशों को निर्यात कर सकें। चूंकि पूरे विश्व में 50 से अधिक इस्लामी देश हैं, एवं मुस्लिम मजहब को मानने वाली बहुत बड़ी आबादी इन देशों में निवास करती है अत: गैर इस्लामी देशों की कम्पनियों को भी हलाल प्रमाणित उत्पाद ही इन देशों को भेजने होते हैं।

वैसे तो हलाल प्रमाणित वस्तुओं का चलन इस्लामी देशों में बहुत लम्बे समय से चला आ रहा है। परंतु हाल ही के समय में इसका कार्य क्षेत्र बढ़ाकर इसे गैर इस्लामी देशों में भी तेजी से फैलाया गया है अर्थात मुस्लिम मजहब के मतावलंबियों को यह प्रेरणा दी जाती है कि वे केवल हलाल प्रमाणित वस्तुओं एवं सेवाओं का ही उपयोग करें। वर्ष 1945 में दक्षिण अफ्रीका की राजधानी केपटाउन में मुस्लिम जुडीशियल कौंसिल हलाल ट्रस्ट की स्थापना की गई थी। इसके बाद हलाल पंजीयन की शुरुआत थाईलैंड में वर्ष 1969 में हुई जो केवल कुवैत में मुर्गी पालन उद्योग से निर्मित पदार्थों के निर्यात तक सीमित था। एक सुनियोजित इस्लाम केंद्रित व्यापार की वास्तविक शुरुआत दक्षिण पूर्वी एशिया के एक देश मलेशिया से हुई थी। वहां वर्ष 1974 में एक डिपार्टमेंट ऑफ इस्लामिक डेवलपमेंट मलेशिया की स्थापना की गई। यह विश्व का ऐसा पहला देश था, जिसने हलाल व्यापार को परिभाषित करने का एक कानून बना दिया। इस प्रक्रिया की गति इतनी तीव्र थी कि वर्ष 1980 तक मलेशिया को ग्लोबल हलाल हब बनाने के प्रयासों को आकार दिया जाने लगा था। वर्तमान में डिपार्टमेंट ऑफ इस्लामिक डेवलपमेंट मलेशिया का नेटवर्क लगभग 45 देशों में फैला हुआ है और कुल लगभग 78 हलाल पंजीयन संस्थाएं इससे जुड़ी हुई हैं। भारत की भी तीन प्रमुख संस्थाएं- हलाल इंडिया, जमियत उलेमा हलाल फाउंडेशन, जमियत उलेमा ए हिंद हलाल ट्रस्ट इसके सदस्य रहे हैं। अब तो विश्व के लगभग सभी इस्लामी देशों एवं अन्य कई गैर इस्लामी देशों में भी हलाल प्रमाणन संस्थाओं का गठन किया जा चुका है।

हलाल प्रमाणन संस्थाएं हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के पूर्व एक मोटी रकम विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन करने वाली संस्थाओं से हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में लेती हैं। हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने वाली इन संस्थाओं की आय आज करोड़ों अमेरिकी डॉलर में हो गई है।

आप का बढ़ता कद भाजपा के लिये खतरे की घंटी

ललित गर्ग

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के बाद पंजाब में प्रचण्ड जीत का कीर्तिमान स्थापित कर राजनीति का गणित ही बदल दिया। उसने राजनीति की एक नयी परिभाषा एवं मानक गढ़ते हुए पंजाब में कांग्रेस को बुरी तरह रौदा। 117 में 90 सीटों पर कब्जा किया है। पंजाब में आप से करारी हार भले ही कांग्रेस को मिली हो, लेकिन यह भारतीय जनता पार्टी के लिये बड़ा चिन्ता का कारण बनना चाहिए। क्योंकि यह जीत एक चुनौती है। उधर देश की जनता ने इस बार पंजाब के विधानसभा चुनाव में जो जनादेश दिया है उसको सब अलग-अलग रूप में देख रहे हैं। समीक्षक अपने-अपने चश्मे के अनुसार विश्लेषण कर रहे हैं। पर एक बात स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आई है कि देश की जनता की कमजोर नब्ज को अरविन्द केजरीवाल ने कसकर पकड़ लिया है, मुफ्त बिजली और पानी आदि की उनकी घोषणाओं ने भूचाल ला दिया है। 'आप' भाजपा के लिए भविष्य में चुनौती बनती नजर रही है। क्योंकि, जिस प्रकार उसकी चुनावी सफलता की गति तेज और तीक्ष्ण होती जा रही है, उससे तो यही लगता है बस, अब कुछ दिनों की बात है। देश में यदि भाजपा सतर्क नहीं हुई तो आम आदमी पार्टी को केंद्रीय सत्ता के करीब आने से रोक पाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन हो जाएगा।

भाजपा यह कहकर की पंजाब तो पहले भी हमारा नहीं था, इस बार भी नहीं हुआ, लेकिन 'आप' जैसी नई पार्टी जब इतनी अधिक सीटों से जीत हासिल कर सकती है तो भाजपा क्यों नहीं ? यह भाजपा के लिये आत्म-चिन्तन का विषय है। कांग्रेस ने तो अपना सूपड़ा साफ कराने की ठान ही रखी है, अत: उसकी इस शर्मनाक हार से वह क्या सबक लेगी ? सबसे पुरानी और देश पर सर्वाधिक समय शासन करने वाली सबसे सशक्त माने जाने वाली कांग्रेस इस चुनाव में बहुत पिछड़ गई है, उसके दुबारा खड़े होने की संभावनाएं भी धुंधली होती जा रही है। कांग्रेस अपने गठन के बाद से अब तक कई बार टूटी, बिखरी, हारी लेकिन हर बार अधिक तेजस्वी एवं ताकतवर बनकर उभरी, देश में अपना राजनीतिक वजूद कायम रखती रही है। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने जब से कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दिया है, उसका वर्चस्व एवं स्वीकार्यता लगातार गिरती जा रही है। ऐसा क्यों हुआ ? क्या और कहां कमियां रहीं ? इन पर मंथन के लिए कांग्रेस कार्यसमिति की पिछले दिनों की बैठक में तरह-तरह के मुद्दों पर विमर्श हुआ और इस चुनाव में हार तथा उसके गिरते प्रदर्शन के महत्वपूर्ण कारणों का पता लगाने का प्रयास किया गया। उसका यह विचार-मंथन व्यर्थ है, क्योंकि इस और पूर्व की हार एवं कमजोर प्रदर्शन का एकमात्र कारण गांधी परिवार एवं राहुल गांधी है। जी 23 ग्रुप के तीव्र विरोध एवं हमलों के बावजूद गांधी परिवार के चाटुकार शीर्ष नेताओं ने राहुल को हार का कारण मानने से सिरे से खारिज कर दिया। हालांकि, स्वयं सोनिया गांधी ने कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में प्रस्ताव रखा था कि यदि पार्टी को ऐसा लगता है तो वह खुद दोनों संतानों- राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ पार्टी पद से हटने के लिए हमेशा तैयार हैं।

'आप' का देशव्यापी बढ़ता वर्चस्व लोकतांत्रिक दृष्टि से उपयोगी एवं प्रासंगिक है। लेकिन किसी भी राजनीतिक दल का एक तरफा वर्चस्व लोकतंत्र के लिये उचित नहीं माना जा सकता है। उन्नत एवं आदर्श लोकतंत्र वही माना जाता है जो संकीर्ण एवं सीमित दायरों में नहीं बंधता। लेकिन हमारे देश में लोकतंत्र इसलिये लगातार कमजोर होता रहा है कि यहां धर्म, जाति, सम्प्रदाय, भाषा और प्रांत के नाम पर मतदाता को बांटा जाता रहा है। अच्छाइयों एवं बुराइयों के मानक बदलते रहे हैं और चरित्र से भी ज्यादा चेहरों को मान्यता मिलती रही है। जबकि लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिये जरूरी है समय के साथ-साथ चिन्तन शैली बदले। कुछ नये सृजनशील रास्ते खुलें। बुराइयों के विरुद्ध नैतिक संघर्ष का स्वर बुलंद हो। ऐसा कुछ न करने के बावजूद 'आप' का डंका बज रहा है तो इस कारण भारतीय मतदाता की अपरिपक्व सोच है। इसी का फायदा आप ने बेखूबी उठाया है।

भारतीय लोकतंत्र में परिवर्तन की बयार प्रवहमान है। परिवर्तन कब किसके रोके रुका है। न पहले रुका, न आगे कभी रुकेगा। बस प्रतिक्रियावादी या कट्टरवादी (हार्ड लाइनर्स) इसकी रफ्तार कम कर सकते हैं। यह भी प्रकृति का नियम है कि जिसे जितना रोका जाएगा, चाहे वह व्यक्ति हो या समाज, राजनीतिक दल हो या कौम, वह और त्वरा से आगे बढ़ेगा। कांग्रेस ने भाजपा को रोकने का वर्षों प्रयत्न किया, वह उतनी ही तीव्रता से आगे बढ़ी। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा कांग्रेस के बाद देश की एकमात्र ऐसी पार्टी बनी जिसने चुनाव भले ही गठबंधन साथियों के साथ लड़ा, लेकिन 282 सीटें हासिल कर अपने बूते बहुमत हासिल किया। वर्ष 2019 में बंपर 302 सीट जीतकर देश के आमलोगों की अपनी पार्टी बन गई। आज भाजपा देश की ही नहीं, विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है जिसके देश-विदेश में करोड़ों समर्थक हैं। हाल में संपन्न हुए पांच राज्यों में से चार- मणिपुर, गोवा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में पहले भी भाजपा सत्ता में थी, लेकिन इस चुनाव में कुछ राज्यों में अच्छा प्रदर्शन रहा। उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन भी शानदार रहा। लोगों ने समाजवादी पार्टी को सरकार बनाने लायक तो नहीं, लेकिन सरकार पर कड़ी निगरानी रखने के लिए एक मजबूत विपक्ष की भूमिका का काम कर सके, इसके लिए उसकी सीटों में इजाफा जरूर कर दिया है।

नरेन्द्र मोदी जबसे प्रधानमंत्री बने हैं, चारों तरफ से विकास और प्रगति की आवाज उठ रही है। सुधार और सरलीकरण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। और आज भी हार्ड लाईनर रोकने का प्रयास कर रहे हैं, कल भी रोकेंगे। विश्व मानचित्र पर हो, चाहे राष्ट्र विशेष की संसद हो, विभिन्न राज्यों की विधानसभाएं हो चाहे समाज विशेष का मंच हो, हर जगह हार्ड लाईनर रहते हैं/होते हैं। कोई 100-200 वर्ष पहले की मान्यता अपने शरीर पर चिपकाए होते हैं तो कोई देश, काल, स्थिति के साथ सोच बदलने वाली विचारधारा के होते हैं। इनमें कोई सम्पूर्ण क्रांति व कोई सतत् क्रांति के समर्थक होते हैं। परिवर्तन की प्रक्रिया तो निरंतर चलनी चाहिए, अन्यथा परिवर्तन की थ्योरी का कोई अर्थ नहीं रहता। परिवर्तन में ठहराव प्रकाशहीनता ला देता है। व्यक्ति बूढ़ा होता है जीवन नहीं। जीवन को तो सदैव तरोताज़ा रखना है। चाहे राष्ट्रीय जीवन हो चाहे सामाजिक जीवन हो।

जिस नेतृत्व ने देश, काल, स्थिति नहीं समझी या जो समय की नब्ज नहीं पहचान सका वह समाज को भटका देता है। हार्डलाईनर्स का नारा यही होता है कि हम ऐसा करते आए हैं इसलिए बदलने से सब कुछ खो देंगे। जबकि आवश्यकता है आज ऐसा करें जिससे हमारी विरासत, हमारी वर्तमान जीवन शैली तथा भावी पीढ़ी सभी सुरक्षित रहें। जीवन संयमित रहे, व्यवस्था संयमित रहे। ऐसा क्रम ही लाभदायक होता है। मंगलकारी होता है। संभवत: इसी परिवर्तनवादी सोच ने 'आप' को जीतने का धरातल दिया है।

समाजवादी पार्टी एवं बहुजन समाज पार्टी जैसे दल कट्टरवादी शिकायतें करते हुए जीते हैं और निराशा को प्राप्त होते हैं। बदलाव के सिवाय कुछ भी यहां स्थायी नहीं है। बदलाव को बहुत नफरत और आलोचना सुननी पड़ती है। फिर भी यही वह चीज है जो प्रगति लाती है। जब-जब भी कट्टरवाद उभरे, कोई न कोई नरेन्द्र मोदी सीना तानकर खड़ा होता रहा।

तभी खुलेपन और नवनिर्माण की वापसी होगी, तभी सुधार और सरलीकरण की प्रक्रिया चलेगी। तभी लोकतंत्र सुरक्षित रहेगा। तभी लोक जीवन भयमुक्त होगा और तभी सशक्त भारत बनेगा।

अश्लीलता, बढ़ते प्यार के नाम पर धोखा का जिम्मेवार कौन?

डॉ.विक्रम चौरसिया

एक 8 साल का लड़का सिनेमाघर मे राजा हरिशचन्द्र फिल्म देखने गया और फिल्म से प्रेरित होकर उसने सत्य का मार्ग चुना और वो बडा होकर महान व्यक्तित्व के रूप में जाना गया

परन्तु आज 8 साल का लडका टीवी पर क्या देखता है ?

अधिकांश नंगापन और अश्लील वीडियो और फोटो, मैग्जीन में अर्धनग्न फोटो, आज देखे तो खुलेआम टीवी और फिल्म वाले आपके बच्चों को बलात्कारी बनाते है, उनके कोमल मन मे जहर घोलते जा रहे। वैसे तो देखे तो देश में बहुत से चीजों को बढ़ावा दिया जा रहा है जो हमारे देश की संस्कृति, देश का इतिहास जिसके लिए हम दुनिया भर में जाने जाते हैं,लेकिन आज हमारी उस पहचान को कुछ लोग धुंधली कर रहे है, अगर हम बात करे फिल्मों में बढ़ती अश्लीलता की तो , फिल्मों में अश्लीलता किस हद तक होनी चाहिए,मेरे आत्मिय साथियों मेरे हिसाब से तो फिल्मों में अश्लीलता या वल्गैरिटी होनी ही नहीं चाहिए, क्योंकि फिल्में ही हमारी समाज की दर्पण होती है,कुछ समय पहले ही चाइल्ड एक्टिविस्ट वालों ने धरने देकर चाइल्ड पोर्न और बच्चो को पोर्न देखने पर पाबंदी के कानून बनाव दिए है ,लेकिन जमीन पर कितना लागू हुआ होगा ये तो आप भी समझ सकते है,अब एफबी पर भी गंदी गंदी वीडियो चलने लगी है , सर्वे के अनुसार, 'लगभग 386 पोर्न साइटें अश्लीलता को बढ़ावा दे रही हैं, जिस पर करोड़ों लोग प्रतिदिन सर्च करते हैं।' वहीं टी.वी की बात क्या करें ? विज्ञापन और खबरों की आड़ में मानों पोर्न परोस रहे हो, क्योंकि यह अश्लीलता बिन बुलाए मेहमान की तरह सीधे हमारे घरों में प्रवेश कर चुका है। चाहे कंडोम का प्रचार हो या फिर बलात्कार की खबरें,अश्लीलता इतनी भर दी जाती है जिसे देखकर हर कोई शर्मसार हो न हो पर, घर में सबकी निगाहें यह बताने का भरसक प्रयास करती हैं, कि हमने कुछ नहीं देखा। वहीं कुछ पत्रिकाएं तो इस पर अपना विशेषांक भी अब निकाल रही हैं, चाहे इसका समाज पर नकारात्मक प्रभाव ही क्यों न पड़ें ? क्योंकि जो चीज लगातार हमे परोसी जाती है उसके प्रति मनुष्य की मानसिकता बन ही जाती है। इस मानसिक बदलाव के चलते लोगो में कामुकता बढ़ना स्वाभिक है,बढ़ती कामुकता के कारण, समाज में अश्लील हरकतें, बलात्कार, प्यार के नाम पर धोखा देना, फिर उसकी अंतरंग तस्वीरों को खीचना, उसको ब्लैकमेल करना, उससे पैसे की मांग करना, उसक एम.एम.एस. बनाकर सार्वजनिक करना आम हो जाता है, और समाज में महिलाओं के साथ ही पुरुषों के प्रति भी अपराध में इजाफा होने लगता है।

मै यहां केवल पुरूषों की मानसिकता पर इल्जाम नहीं लगा रहा हूं, इस अश्लीलता के वातावरण ने पुरूष हो या स्त्री, सभी को अपनी चपेट में ले लिया है। वहीं कुछ लोग अपने आपको उच्च स्तर पर पहुंचाने के लिए इसका सहारा लेने से भी नहीं चुकते है। आज यही समाज में बहुत हो रहा है। समाज में व्याप्त इस अश्लीलता का कौन जिम्मेदार है ? यह कहना तो मुश्किल है ,आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में क्या कुछ भी परोस देने की स्वंत्रता है ? इससे तो हमारे संस्कार व सभ्यता पर चोट लगती ही है साथ ही युवाओं के साथ ही सभी लोगो के जीवन में जहर बोया जा रहा है।ध्यान रहे समाज और मीडिया को बदले बिना आप कठोर सख्त कानून कितने ही बना लीजिए बढ़ती यौन हिंसा की घटनाएं नही रुकने वाली है,अगर अब भी आप बदलने की शुरुआत नही करते हैं तो समझिए कि फिर कोई निर्भया , हाथरस जैसी घटना का शिकार होने वाला है या इंतज़ार कीजिये बहुत जल्द आपको फिर कैंडल मार्च निकालने का अवसर हमारा स्वछंद समाज, बाजारू मीडिया और गंदगी से भरा सोशल मीडिया देने वाला है।

विश्व टीबी (क्षय रोग) दिवस 24 मार्च 2022 पर विशेष

विश्व नें जानलेवा बीमारी टीबी के पूर्ण उन्मूलन के लिए वर्ष 2030 जबकि भारत ने 2025 तक का लक्ष्य निर्धारित किया है

कोविड-19 महामारी ने टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न की - विश्व टीबी दिवस 2022 की थीम- टीबी को समाप्त करने निवेश करें, जीवन बचाएं, सराहनीय - एड किशन भावनानी

गोंदिया - मानव जीवन को सृष्टि में बचाए रखने, आयु सीमा बढ़ाने के लिए वैश्विक स्तरपर कई महामारियों, बीमारियों, संक्रमण बीमारियों से सभी देश एक साथ मिलकर गंभीरता से रेखांकित कर जांबाज़ी, ज़ज्बे, संकल्प से जनजागरण आंदोलन चलाकर वैश्विक स्तरपर मनीषियों को जागृत करना होगा तथा अपने अपने देशों की सरकारों को जांच, इलाज, टीकाकरण में गंभीरता से सहयोग देना होगा तभी हम ईश्वर अल्लाह द्वारा बनाई इस अनमोल सृष्टि में मानव जीवन की रक्षा और आयु सीमा बढ़ाने के प्रयास में सफ़ल होंगें। जनजागरण के लिए स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां इलेक्ट्रिक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से संकलित की गई है।

साथियों बात अगर हम टीबी रोग दिवस 24 मार्च 2022 को मनाने की करें तो यह दिन, विश्व टीबी दिवस के तौर पर जाना जाता है। इस दिन प्रतिवर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डबल्यूएचओ) के तत्वाधान में पूरे विश्व में टीबी से संबंधित कई कार्यक्रम चलाए जाते हैं, जिसका उद्देश्य इस वैश्विक बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना और इसे खत्म करना है। 1882 में 24 मार्च के दिन जर्मन फिजिशियन एवं माइक्रोबायोलॉजिस्ट रॉबर्ट कोच ने इस जानलेवा बीमारी के कारक बैक्टीरिया के पहचान करने की पुष्टि की थी, जिसके फलस्वरूप टीबी के निदान और इलाज में बड़ी मदद मिली। साधारण भाषा में टीबी को हम क्षयरोग अथवा तपेदिक के नाम से जानते हैं। विश्व टीबी दिवस, हर वर्ष एक विशेष थीम के साथ आयोजित किया जाता है एवं वर्ष 2022 के लिए इसकी थीम टीबी को समाप्त करने निवेश करें- जीवन बचाएं, रखी गई है।

साथियों बात अगर हम टीबी संक्रमण रोग के उन्मूलन लक्ष्य की करें तो, जहां एक ओर दुनिया ने वर्ष 2030 को इस जानलेवा बीमारी टीबी के पूर्ण उन्मूलन के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है, वहीं भारत का संकल्प वर्ष 2025 तक इस उद्देश्य को हासिल करने का है। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्वभर में हर दिन औसतन 4 हज़ार लोगों की मौत सिर्फ इस जानलेवा बीमारी के चलते हो जाती है। भारत इस बीमारी से सर्वाधिक प्रभावित एशियाई देश रहा हैं।

साथियों बात अगर हम टीबी रोग उन्मूलन कार्यक्रम को कोविड-19 महामारी द्वारा क्षति पहुंचाने और उसे उस संबंधित थीम रखी गई है क्योंकि, टीबी के खिलाफ लड़ाई को बढ़ाने और वैश्विक नेताओं द्वारा की गई टीबी को समाप्त करने की प्रतिबद्धताओं को हासिल करने के लिए संसाधनों का निवेश करने की तत्काल आवश्यकता को व्यक्त करता है7 यह विशेष रूप से कोविड -19 महामारी के संदर्भ में महत्वपूर्ण है जिसने टीबी की प्रगति को खतरे में डाल दिया है7 अधिक निवेश से लाखों और लोगों की जान बच सकती है, जिससे टीबी महामारी को पूरी तरह से खत्म करने के प्रयासों में तेजी आएगी।

हालांकि एक रिपोर्ट के अनुसार, कोविड-19 महामारी ने टीबी को समाप्त करने की लड़ाई में वर्षों की प्रगति पर असर डाला है7 एक दशक में पहली बार, 2020 में टीबी से होने वाली मौतों में वृद्धि हुई। वैश्विक ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) महामारी को समाप्त करने के प्रयासों को बढ़ाने के लिए प्रत्येक वर्ष एक दिन विश्व टीबी डे मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम संक्रमण रोग टीबी को गंभीरतासे रेखांकित करने की करें तो, टीबी अर्थात ट्यूबरक्लोसिस एक संक्रामक रोग होता है, जो बैक्टीरिया की वजह से होता है। यह बैक्टीरिया शरीर के सभी अंगों में प्रवेश कर जाता है। जब हम सांस लेते हैं, खांसते या छींकते है तो उसके बैक्टिरिया काफी समय तक हवा में मौजूदग रहते हैं।इन्हीं बैक्टिरिया के कारण टीबी का रोग होता है। यह बैक्टिरिया हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देते हैं। जिसके कारण टीबी का मरीज कमजोर होता जाता है।

टीबी का बैक्टिरिया ज्यादातर फेफड़ों में ही पाया जाता है। मगर इसके अलावा आंतों, मस्तिष्क, हड्डियों, जोड़ों, गुर्दे, त्वचा तथा हृदय भी टीबी से ग्रसित हो सकते हैं। क्षयरोग को कई नामों से जाना जाता है जैसे टीबी तपेदिक, ट्यूबरकुलासिस, राजयक्ष्मा, दण्डाणु इत्यादि नामों से जाना जाता है।

टी.बी से ग्रसित व्यक्ति बहुत कमजोर हो जाता है और इसके साथ ही उसे कई गंभीर बीमारियां होने का डर भी रहता है। टी.बी. एड्स, मधुमेह और कमजोर लोगों को अधिक होता है। क्षयरोग सिर्फ फेफड़ों को ही नहीं बल्कि शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित करते हैं। जिससे बचाव करना आवश्यक है। इस वर्ष विश्व क्षयरोग दिवस 24 मार्च को मनाया जाएगा।

साथियों बात अगर हम टीबी संक्रमण रोग के लक्षणों को रेखांकित करने की करें तो, लगातार 3 हफ्तों से खांसी का आना, खांसी करने पर बलगम में थूक का आना, छाती में दर्द और सांस का फूलना, अचानक से वजन का कम होना और ज्यादा थकान महसूस होना, शाम को बुखार का आना और ठंड लगना, रात में पसीना आना, भूख में कमी आना।बहुत ज्यादा फेफड़ों का इंफेक्शन होना। सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं।

साथियों बात अगर हम टीबी संक्रमण रोग से अपने को सुरक्षित रखने की करें तो,टीबी के मरीज से कम-से-कम एक मीटर की दूरी बनाकर रहें।

टीबी के मरीज को मास्क पहनाने पर जोर दें। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। कम रोशनी वाली और गंदी जगहों पर नहीं जाएं। टीबी के मरीज किसी एक प्लास्टिक बैग में थूकें और उसमें फिनाइल डालकर अच्छी तरह बंदकर डस्टबिन में डाल दें।

टीबी के मरीज का कमरा अलग हो। टीबी के मरीज के द्वारा प्रयोग की जाने वाली सारी चीजें अलग होनी चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों को टीबी के मरीज से दूर रखना चाहिए क्योंकि इनमें बैक्टिरिया फैलने की संभावना अधिक होती है।

दिया जला कर मार !

हर तरफ है निंदा ।
दिया जला कर मार ।।
ये कैसी घटनाएं ?
सो रही सरकार ।।
रुप है डरावना ।
है मामला गंभीर ।।
हो रहे तैयार आज ।
देखो कैसे वीर ।।
कहां आ गए हम ?
देख रहे ये दिन ।।
है पसरा अब मातम ।
माहौल बना गमगीन ।।
कड़वाहट ने आज ।
लिया रुप विकराल ।।
बीतेंगे पर कैसे ?
दिन-महीने-साल ।।

कृष्णेन्द्र राय

शार्ट न्यूज

28-29 मार्च को कार्य बहिष्कार करेंगे बिजलीकर्मी

लखनऊ। केन्द्र सरकार की निजीकरण की नीतियों एवं इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2021 के विरोध में उत्तर प्रदेश के सभी ऊर्जा निगमों के बिजली कर्मी 28 व 29 मार्च को कार्य बहिष्कार करेंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की बुधवार को यहां एक बैठक के बाद बयान जारी कर कहा गया कि केंद्र सरकार निजीकरण की दृष्टि से इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2021 को संसद में पारित कराने जा रही है जिसका बिजली कर्मियों और बिजली उपभोक्ताओं पर व्यापक प्रतिगामी प्रभाव पड़ने वाला है। बिल पर बिजली कर्मचारियों और बिजली उपभोक्ताओं से कोई राय नहीं ली गई है केवल औद्योगिक घरानों से ही विचार विमर्श किया गया है। केंद्र सरकार की इस एकतरफा कार्यवाही से बिजली कर्मियों में भारी गुस्सा है। बिजली कर्मियों की मांग है इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2021 को जल्दबाजी में संसद से पारित कराने के बजाय इसे बिजली मामलों की लोकसभा की स्टैंडिंग कमेटी को भेजा जाए जिससे स्टैंडिंग कमेटी के समक्ष बिजली कर्मी और उपभोक्ता अपना पक्ष रख सकें। समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि बिजली कर्मियों की प्रमुख मांगे है कि इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल 2021 वापस लिया जाए, ग्रेटर नोएडा के निजीकरण और आगरा का फ्रेंचाइजी करार, रद्द किया जाए, केरल के केएसईबी लिमिटेड और हिमाचल प्रदेश के एचपीएसईबी लिमिटेड की तरह उत्तर प्रदेश में भी सभी बिजली निगम का एकीकरण कर यूपीएसईबी लिमिटेड का गठन किया जाए, सभी बिजली कर्मियों को पुरानी पेंशन दी जाए। पिछले वर्ष आंदोलन के कारण वाराणसी, प्रयागराज और अन्य स्थानों पर बिजली कर्मियों पर की गई एफआईआर संघर्ष समिति और मंत्रिमंडलीय उप समिति के मध्य हुए 6 अक्टूबर के समझौते के अनुरूप वापस ली जाए।

रमापति शास्त्री होंगे यूपी विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक रमापति शास्त्री को उत्तर प्रदेश विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे द्वारा बुधवार को जारी एक अधिसूचना के अनुसार राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गोंडा के मनकापुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रमापति शास्त्री को प्रो-टेम स्पीकर नियुक्त किया है। 26 मार्च को उन्हे प्रोटेम स्पीकर की शपथ दिलायी जायेगी। राजभवन के सूत्रों के मुताबिक विधानसभा द्वारा अध्यक्ष पद के निर्वाचन होने तक प्रो-टेम स्पीकर अध्यक्ष पद के सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे। गौरतलब है कि 25 मार्च को योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण करेंगे। इस मौके पर कई अन्य मंत्रियों को भी शपथ दिलायी जायेगी। इससे पहले गुरूवार को लोकभवन में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुलायी गयी है जहां योगी आदित्यनाथ को पार्टी के विधानमंडल दल का नेता चुना जायेगा। इस बैठक में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी हिस्सा लेंगे जो प्रदेश में भाजपा के केन्द्रीय पर्यवेक्षक भी है।

मिर्जापुर में भाजपा प्रत्याशी का निर्विरोध निर्वाचन तय

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में स्थानीय निकाय विधान परिषद चुनाव में आज समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार रमेश यादव ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया जिससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह के निर्विरोध निर्वाचित होने का रास्ता साफ हो गया। विधान परिषद चुनाव में वे ही एक मात्र प्रत्याशी रह गये है। जिले में किसी बड़े चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित होने का यह पहला अवसर है। भाजपा समर्थकों ने कलेक्ट्रेट परिसर पर जम कर विजय उत्सव मनाया वहीं सपा समर्थक अपने उम्मीदवार के नाम वापस लेने पर सकते में आ गए। हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में सपा को यहां की सभी पांच सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने बताया कि नामांकन दाखिल करने के बाद से ही प्रत्याशी रमेश यादव गायब हो गए थे। उनका फोन भी नहीं मिल रहा था। इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी को अवगत कराया गया था। साथ ही साथ अपहरण किए जाने की लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। श्री चौधरी ने बताया कि रमेश यादव के नाम वापस लेने की सूचना सोशल मीडिया से मिली। जिलाधिकारी एवं आरओ प्रवीण कुमार लक्षकार ने बताया कि आज सपा प्रत्याशी रमेश यादव ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया है। उन्होंने बताया कि भाजपा प्रत्याशी श्याम नारायण सिंह का निवार्चित होना तय है। श्री लक्षकार ने बताया कि अगली कार्रवाई चुनाव आयोग द्वारा किया जाना है। जिलाधिकारी ने बताया कि आयोग को सूचित किया गया है। उधर, भाजपा प्रत्याशी श्याम नारायण सिंह ने कहा कि सपा प्रत्याशी ने स्वविवेक और बुद्धि से अपने स्तर से निर्णय लिया है उनसे पूछा जाना चाहिए कि क्यों नाम वापस लिए है। उन्होंने इस बात से इंकार किया कि उनके दवाव में सपा प्रत्याशी ने नामांकन पत्र वापस लिया।

झांसी मंडलायुक्त के प्रयासों से जलसंस्थान के खर्च पर कसी नकेल

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी मंडलायुक्त डॉ अजयशंकर पांडेय के जलसंस्थान में अनियमितताओं पर कसे प्रभावी शिकंजे के कारण अनावश्यक खर्चों पर जबरदस्त नकेल कसी गयी है। मंडलायुक्त ने कार्यभार संभालते के साथ ही विवादों से घिरे जल संस्थान की कार्यप्रणाली को सुधारने की मुहिम छेड़ दी थी जो आज भी बादस्तूर जारी है। उन्होंने जलसंस्थान को स्पष्ट निर्देश दिये कि भविष्य में जो भी निविदायें जल संस्थान द्वारा आमंत्रित की जायें उसमें खुली प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित किया जाये। साथ ही कमीशन मुक्त आपूर्ति कर एक कड़ा संदेश निविदादाताओं को दिया जाये। मण्डलायुक्त की इस सख्ती और पारदर्शितापूर्ण कार्यप्रणाली की वजह से काफी गहरा असर दिखायी दे रहा है। इसी कड़ी में समरसेबिल मोटर मरम्मत में लगभग 26 से 47 प्रतिशत व इण्डक्शन मोटर में कुछ क्षमता की मोटर को छोड़कर अन्य में लगभग 2 से 3 प्रतिशत की कमी आ गई है। गौरतलब है कि झांसी डिवीजन जल संस्थान, झांसी की तीनों जनपदों में जलापूर्ति सुचारू व्यवस्था के लिए मोटर मरम्मत के लिए ई-निविदायें आमंत्रित की गई थीं। ई-निविदा प्रक्रिया में अनावश्यक शर्तों को हटाने के कारण अधिक से अधिक फर्मों ने निविदा में हिस्सा लिया। फर्मों के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा होने के कारण मोटर पम्प मरम्मत कार्य की दरों में काफी कमी आई है। उक्त निविदा प्रक्रिया में 10 से अधिक फर्मों द्वारा प्रतिभाग किया गया है। जल संस्थान के महाप्रबन्धक ने बताया कि मोटर पम्प मरम्मत खुली निविदा होने की वजह से समरसेबिल मोटर की रिवाईडिंग में लगभग 30 से 47 प्रतिशत की कमी हुई है। जिस पर जल संस्थान को लगभग 10 से 12 लाख की बचत होगी। इसके पूर्व भी मंडलायुक्त की पहल एवं सख्ती की वजह से ठेकेदारों की जो देनदारियां जलसंस्थान पर 24 करोड़ रू0 बतायी जा रही थीं, वह घटकर लगभग 05 करोड़ के आस-पास पहुंच गयीं हैं। यदि मंडलायुक्त द्वारा सख्ती न की जाती तो 19 करोड़ रू0 का चूना झांसी डिवीजन जलसंस्थान को लगना तय था। मंडलायुक्त ने जलसंस्थान में जब अनियमितताओं को देखा था तो सबसे पहले ब्लीचिंग पाउडर खरीद मामले में गंभीर गडबडियों की जानकारी मिली थी जिसके बाद मंडलायुक्त के निर्देश पर तत्कालीन महाप्रबन्धक झंसी डिवीजन जलसंस्थान द्वारा आवश्यकता से अधिक ब्लीचिंग पाउडर के खरीद का आदेश निरस्त किया गया। वर्तमान महाप्रबन्धक झॉसी डिवीजन जलसंस्थान को यह निर्देश दिये गये कि पूरी शुचिता और ईमानदारी से टेंडरदाताओं को यह स्पष्ट निर्देश देकर ब्लीचिंग पाउडर खरीद के लिए निविदायें आमंत्रित की जायें। जिसके बाद यह 28084 /- रु. प्रति मीट्रिक टन से घटकर 21150/- रू0 है यह न्यूनतम दर गतवर्ष की तुलना में 6934 /- रु. कम है। वर्ष भर में सैंकड़ों मीट्रिक टन ब्लीचिंग पाउडर की खपत होती है। उस हिसाब से भी देखा जाय तो लगभग 7000/- रु. प्रति मीट्रिक टन की कम दर होने से ब्लीचिंग पाउडर की खरीद में जलसंस्थान को लाखों रुपयों की बचत होने की संभावना है। यदि पिछले वर्ष को ही आधार माना जाय तो गतवर्ष 300 मीट्रिक टन ब्लीचिंग पाउडर की खपत जलसंस्थान में हुई और इस गणना से 21 लाख रु. का सीधा लाभ जलसंस्थान को होगा।

मैं सरेंडर कर रहा हूं, पुलिस मुझे गोली न मारे

गले में तख्ती टांगकर थाने में पहुंचा हत्या का आरोपी

एजेंसी

सिरसागंज। यूपी में अपराधियों में पुलिस का डर साफ नजर आ रहा है। योगी की शपथ से पहले कई अपराधी गले में तख्ती टांग कर थाने पहुंचे और सरेंडर कर दिया। इसी तरह का एक और मामला आगरा से सामने आया है। यहां हत्याकांड का आरोपी पुलिस कार्रवाई के डर से थाने में सरेंडर करने पहुंच गया। दूसरे अपराधियों की तरह इस हत्यारोपी ने भी गले में तख्ती टांग रखी थी, जिसमें लिखा था मैं आत्मसमर्पण कर रहा हूं।

मुझे पुलिस गोली न मारे। यह पंक्तियां

लिखी अपील को गले में तख्ती टांगकर एक युवक थाने में पहुंचा और स्वयं को पुलिस को सौंप दिया। युवक हत्या के एक मुकदमे में वांछित चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिशें दे रही थी। अपील के साथ सरेंडर करने की घटना नगर में चर्चा का विषय बनी रही और सभी लोग कानून व्यवस्था की सख्ती और प्रदेश सरकार के अपराधियों के प्रति कडे रवैये की दाद देते नजर आए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत एएसपी के पर्यवेक्षण और सीओ कमलेश कुमार के नेतृत्व में सिरसागंज पुलिस हत्या सहित आधा दर्जन मुकदमों में वांछित चल रहे अभियुक्त हिमांशु उर्फ हनी पुत्र संजय कुमार यादव उर्फ गुडडू निवासी सीएल वाटिका कस्बा अरांव थाना सिरसागंज को तलाश रही थी। इसके लिए पुलिस की टीम द्वारा कई बार संभावित ठिकानों पर दबिशें भी दी गई थीं।

पुलिस की कडी कार्यवाही से भयाकुल अभियुक्त हिमांशु बुधवार को थाने पहुंचा और स्वयं को पुलिस के हवाले कर दिया। लेकिन इन सब में उसके गले में लटकी एक तख्ती ने न सिर्फ पुलिसकर्मियों का बल्कि आसपास के राहगीरों का ध्यान भी अपनी ओर खींच लिया।

तख्ती पर लिखा था कि मैं आत्मसमर्पण कर रहा हूं और पुलिस मुझे गोली न मारे। अपराधी पुलिस को इस तरह के भय को देख सभी कानून व्यवस्था की तारीफ करते और इसका श्रेय प्रदेश सरकार के कड़े रवैये को देते नजर आये।

होली पर हुई बालक की हत्या में था वांछित

होली के दिन बालक की ईंटों से कुचलकर हुई हत्या में ये अभियुक्त वांछित था। इसको लेकर पुलिस की दबिशें चल रही थीं और अभियुक्त को लगा कि अब उसका एनकाउंटर हो सकता है इसलिए भयभीत होकर वह थाने में पहुंचा था।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में निकाली गयी शहीद श्रद्धांजलि यात्रा

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित बुंदेलखंड विश्वविद्यालय (बुंविवि) में बुधवार को शहीद दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी साथ ही शहीद श्रद्धांजलि यात्रा भी निकाली गयी। विश्वविद्यालय एकीकरण शिविर राष्ट्रीय सेवा योजना के आज तीसरे दिन स्वयंसेवकों द्वारा अमर स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की याद में शहीद श्रद्धांजलि यात्रा निकाली साथ ही उनकी याद में लगाए गए नारों से विश्वविद्यालय गूंज उठा। राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यालय एकीकरण शिविर के तीसरे दिन ने स्वयंसेवकों ने कैंडल मार्च निकालकर शहीदों को नमन किया।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बनेंगी 15 पुलिस चौकियां, 255 पद सृजित किए

लखनऊ। लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे पर 15 पुलिस चौकियां स्थापित होंगी और इसके लिए 255 पदों का सृजन किया है। हर चौकी पर एक उपनिरीक्षक, दो मुख्य आरक्षी और 14 आरक्षियों के पदों की तैनाती होगी। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने आदेश जारी कर दिया है। पुलिस चौकियां इटावा के ऊसाराहार में कुदरैल, फतेहाबाद में लुहारी और डौकी के नदौता, उन्नाव के बांगरमऊ में देवखरी आदि में स्थापित होंगी।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे की 264 किलोमीटर सड़क तैयार

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के निर्माण में और तेजी आई है। रिकार्ड समय के

अंदर 264 किमी. लंबाई में विटुमिन्स स्तर (डीबीएम) का काम पूरा हो गया है यानी इंतनी सड़क पूरी तरह बना दी गई है। इस एक्सप्रेसवे का 90 फीसदी भौतिक निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। शेष 10 फीसदी काम भी पूरा कराने की कोशिश की जा रही है। मंगलवार को मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीडा अवनीश कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में यूपीडा मुख्यालय पर 73वीं बोर्ड बैठक हुई। इसमें मरठ से प्रयागराज तक प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना के लिए मुख्यालय का निर्धारण, तकनीकी स्टाफ और फील्ड स्टाफ के लिए भवन, वाहन तथा फर्नीचर इत्यादि की आवश्यकता के प्रस्ताव पर निदेशक मंडल ने अनुमोदन दिया। बैठक में कई अहम बिंदुओं पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। निदेशक मंडल की बैठक में अवनीश कुमार अवस्थी ने बुन्देलखंड एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तीव्र गति से चलने पर प्रसन्नता जाहिर की। वर्तमान में इस एक्सप्रेस वे का 90 प्रतिशत से अधिक भौतिक निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। बैठक में बन्देलखंड एक्सप्रेसवे परियोजना में चेंज ऑफ स्कोप के तहत कराए जा रहे कार्यों के लिए बोर्ड द्वारा सहमति प्राप्त कर स्वीकृति ली गई।

समाजवादी पार्टी जनहित के मुद्दों पर सदन से सड़क तक संघर्ष करेगी : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि विधानसभा में यूपी के करोड़ों लोगों ने हमें नैतिक जीत दिलाकर 'जन-आंदोलन का जनादेश' दिया है। सपा जनता के मुद्दों महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक अन्याय के खिलाफ सदन से सड़क तक अपने कार्यक्रमों के माध्यम से संघर्ष करेगी।

अखिलेश बुधवार को गोमती नगर स्थित लोहिया पार्क में डा. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि समाज में गैर-बराबरी बढ़ी है। अमीर अधिक अमीर होते जा रहे हैं और गरीबों की स्थिति बदतर हो रही है। नौजवान निराश होकर बेकार घूम रहे हैं। रोजगार

का संकट उत्पन्न हो गया है। जनता के साथ अन्याय और अत्याचार की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। ऐसे में डा. लोहिया के विचार बेहद प्रासांगिक हैं। सपा उनके विचारों पर चलते हुए समतामूलक समाज की स्थापना के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कहती है कि डीजल-पेट्रोल पर उसका नियंत्रण नहीं है तो चुनाव के समय दाम क्यों नहीं बढ़ते हैं? चुनाव समाप्त होने के बाद कंपनियां मुनाफा क्यों कमा रही हैं? डीजल-पेट्रोल से होने वाला मुनाफा बड़े-बड़े उद्योगपतियों की जेब में जा रहा है। समाजवादियों ने पहले ही कहा था कि चुनाव बाद सरकार महंगाई बढ़ा देगी।

भाजपा की गुंडागर्दी पूरा देश देख रहा है। चुनाव में बहुमत के लिए भाजपा गुंडई कर रही है। पंचायत चुनाव में जिस प्रकार भाजपाइयों ने लोकतंत्र को कलंकित किया था, उसी प्रकार विधान परिषद चुनाव में सत्ता का दुरुपयोग कर लोकतंत्र पर हमला किया है। इस मौके पर राजेंद्र चौधरी, नरेश उत्तम पटेल, अन्नू टंडन, अरविंद कुमार सिंह, डा. राजपाल कश्यप आदि उपस्थित थे।

यूपी की जेलों में बंदियों से मुलाकात पर लगी रोक हटी

एक सप्ताह में एक व्यक्ति से ही मिलने की सुविधा

लखनऊ। शासन ने जेलों में निरुद्ध बंदियों की उनके परिवारीजनों से मुलाकात पर लगाई गई रोक हटा दी है। प्रत्येक बंदी को प्रति सप्ताह एक ही व्यक्ति से मुलाकात की सुविधा दी जाएगी। विशेष सचिव कारागार सुरेश कुमार पांडेय ने बुधवार को इस संबंध में शासनादेश जारी किया। डीजी जेल के प्रस्ताव पर विचार करते हुए शासन ने कुछ शर्तों के साथ मुलाकात पर

लगाई गई रोक हटा ली गई है। कोरोना की तीसरी लहर के कारण पहली जनवरी 2022 से यह रोक लगाई गई थी। शासनादेश में कहा गया है कि वर्तमान परिस्थितियों में मुलाकात की संख्या एवं मुलाकात करने वाले व्यक्तियों की संख्या को निर्धारित करते हुए प्रत्येक बंदी को प्रति सप्ताह एक ही व्यक्ति से मुलाकात की सुविधा होगी। मुलाकात करते समय संक्रमण से बचाव के लिए सभी आवश्यक सावधानियां जैसे सामाजिक दूरी, मुलाकातियों के आते समय उनकी थर्मल स्कैनिंग, सेनेटाइजेशन एवं फेस मास्क का अनिवार्यत- उपयोग किया जाएगा। बंदियों से मिलने आने वाले व्यक्ति डबल डोज वैक्सीनेटेड हों या उनके पास मुलाकात से 72 घंटे पहले का आरटीपीसीआर निगेटिव रिपोर्ट हो। मुलाकात के बाद बंदियों को भी जेल की अपनी बैरक में जाने से पहले सेनेटाइज किया जाएगा।

मायावती ने की राजस्थान सरकार को बर्खास्त करने की मांग

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर दलितों और आदिवासियों की सुरक्षा में विफल रहने का आरोप लगाते हुये राष्ट्रपति शासन लगाये जाने की मांग की है। मायावती ने बुधवार को ट्वीट किया राजस्थान कांग्रेस सरकार में दलितों व आदिवासियों पर अत्याचार की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है। हाल ही में डीडवाना व धोलपुर में दलित युवतियों के साथ बलात्कार व अलवर में दलित युवक की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या व जोधपुर के पाली में दलित युवक की हत्या ने दलित समाज को झकझोर दिया है। उन्होने कहा इससे यह स्पष्ट है कि राजस्थान में खासकर दलितों व आदिवासियों की सुरक्षा करने में वहां की कांग्रेसी सरकार पूरी तरह से विफल रही है।

अलीगढ़ में भाजपा उम्मीदवार का निर्विरोध निर्वाचन तय, सपा का नामांकन खारिज

अलीगढ़। एमएलसी चुनाव में अलीगढ़-हाथरस संयुक्त सीट पर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार जसवंत सिंह का नामांकन खारिज हो गया है। सपा अपने प्रस्तावक जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष पेश नहीं कर पाए।

भाजपा उम्मीदवार चौ. ऋषिपाल सिंह अलीगढ़ में निर्विरोध एमएलसी बनेंगे। अलीगढ़-हाथरस संयुक्त सीट से भाजपा के जिलाध्यक्ष चौ. ऋषि पाल सिंह व सपा के जसवंत सिंह ने नामांकन दाखिल किया था। भाजपा की ओर से सपा के तीन प्रस्तावकों पर आपति की गई थी। मंगलवार 22 मार्च को सपा केवल दो प्रस्तावक पेश कर पाई थी। प्रमोद नाम के प्रस्तावक नहीं आए थे। 23 मार्च को सपा को अंतिम प्रस्तावक पेश करने की मोहलत जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिए थे। लेकिन सपा सुबह 11 बजे तक प्रस्तावक नहीं पेश कर पाई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सपा उम्मीदवार का नामांकन खारिज कर दिया। अब भाजपा उम्मीदवार चौ. ऋषि पाल सिंह का निर्विरोध निर्वाचित होना तय हो गया है। कलेक्ट्रेट में भाजपाइयों ने खुशी का इजहार किया।

एमएलसी अक्षय प्रताप को सात साल की कैद

प्रतापगढ़। कुंडा से विधायक राजाभैया को बुधवार को एक और झटका लगा है। विधायक के करीबी एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल को सात साल की सजा सुनाई गई है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने अक्षय प्रताप को फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस लेने के मामले में सात साल की सजा के साथ ही दस हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। इस मामले में अक्षय प्रताप 15 मार्च को दोषसिद्ध हुए थे।

मुकदमे के अनुसार शहर के रोडवेज डिपो के पास स्थित फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस लेने की एफआईआर 1997 में अक्षय प्रताप के खिलाफ दर्ज कराई गई थी।

मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही थी। बीते 15 मार्च को कोर्ट ने अक्षय प्रताप को दोषी करार देते हुए 22 मार्च को सजा सुनाने की तारीख तय की थी। 22 मार्च मंगलवार को अक्षय प्रताप कोर्ट में पेश हुए तो न्यायाधीश बलरामदास जायसवाल ने उन्हें अपनी कस्टडी में लेते हुए जेल भेज दिया और बुधवार दोपहर सजा सुनाए जाने का आदेश दिया। जिसके बाद अक्षय प्रताप को न्यायिक कस्टडी में जेल भेज दिया गया।

बुधवार को इस मामले को देखते हुए सुबह से न्यायालय परिसर में काफी गहमागहमी रही। दोपहर बाद बैठी कोर्ट ने अक्षय प्रताप को सात साल की सजा और दस हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई।

1997 में हुई थी एफआईआर

6 सितंबर 1997 को अक्षय प्रताप सिंह के खिलाफ नगर कोतवाली में एसआई डीपी शुक्ला ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इस संबंध में एसआई अशर्फीलाल ने रिपोर्ट दी थी और एसआई दूधनाथ ने संस्तुति की थी। एफआईआर में कहा गया कि जामो बेती कुंडा के अक्षय प्रताप सिंह ने शहर में रोडवेज बस अड्डे के पते पर शस्त्र लाइसेंस लिया। जांच में पता सही नहीं पाया गया।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को कोर्ट ने भेजा नोटिस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे योगी आदित्यनाथ को मऊ कोर्ट से नोटिस भेजा गया है। बजरंगबली को दलित बताने के मामले में उन्हें यह नोटिस भेजा गया है। मऊ निवासी नवल किशोर शर्मा ने इस मामले में परिवाद दाखिल करते हुए धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया था। जिला और सत्र न्यायाधीश रामेश्वर ने मामले की अगली सुनवाई 26 अप्रैल तय की है।

दोहरीघाट थाना क्षेत्र के भगवानपुरा

कस्बा दोहरीघाट निवासी नवल किशोर शर्मा ने विशेष मजिस्ट्रेट एमपी एमएलए कोर्ट श्वेता चौधरी की अदालत में एक परिवाद दाखिल किया था। इसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री अजय बिष्ट उर्फ योगी आदित्यनाथ को आरोपी बनाया गया था। नवल किशोर ने शिकायत में कहा कि योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान के अलवर जिले के मालखेडा मे 28 नवंबर 2018 को विधानसभा चुनाव के दौरान एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि बजरंग बली बनवासी, गिरिवासी और दलित थे।

नवल किशोर के मुताबिक उनके इस वक्तव्य से परिवादी व बजरंगबली में आस्था रखने वालों की धार्मिक भावना आहत हुई हैं। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/एमपी एमएलए कोर्ट से खारिज कर दिया गया था। जज श्वेता चौधरी ने 11 मार्च को कहा था कि घटना स्थल राजस्थान का है और यह मऊ क्षेत्राधिकार से बाहर का है। नवल किशोर ने इसे जिला जज कोर्ट में चुनौती दी है। सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने फौजदारी निगरानी के रूप में दर्ज कर सुनवाई के लिए 26 अप्रैल की तिथि नियत किया है। वही न्यायाधीश ने मुख्यमंत्री सहित अन्य विपक्षी को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है।

कुख्यात चंदन सिंह ने गोरखपुर के प्रापर्टी डीलर से मांगी रंगदारी

गोरखपुर। प्रॉपर्टी डीलर सिकंदर से दस लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में पिपराइच पुलिस ने कुख्यात बदमाश चंदन सिंह पर केस दर्ज किया है। वहीं रंगदारी मांगने के दौरान वॉयस रिकॉर्ड की जांच भी पुलिस करा रही है। पुलिस का मानना है कि किसी ने चंदन सिंह के नाम पर यह रंगदारी मांगी है। जिस नम्बर से रंगदारी की कॉल आई थी वह फोन नंबर भी बंद है। पुलिस सीडीआर से नंबर की जांच कर रही है। पिपराइच क्षेत्र के जंगल छत्रधारी टोला शाहपुर निवासी सिकंदर गुप्ता के पास सोमवार को रंगदारी की चार कॉल आईं थीं। रंगदारी मांगने वाले ने खुद को चंदन सिंह बताकर दस लाख रुपये की मांग की और रुपये लेकर मंगलवार को सहनजवा में बुलाया था।

सिकंदर गुप्ता ने पुलिस में शिकायत की। इसके बाद उन्हें एहतियातन सुरक्षा दी गई और मामले की जांच शुरू हो गई। मंगलवार को पुलिस ने इस मामले में चंदन के खिलाफ रंगदारी का केस दर्ज किया। चंदन सिंह वर्तमान में गौतमबुद्धनगर की डासना जेल में बंद है। मंगलवार को पिपराइच थाने पर पहुंचे एसपी नार्थ मनोज कुमार अवस्थी ने सिकंदर से जानकारी ली। इंस्पेक्टर मधुपनाथ मिश्र ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। जिस नम्बर से फोन आया था वह मोबाइल बंद है। मोबाइल नम्बर का सीडीआर निकाला जा रहा है। रंगदारी मांगने वाले की आवाज की पहचान की जा रही है। सिकंदर पूर्व विधायक व बांसगांव के सांसद कमलेश पासवान के चाचा चंद्रेश पासवान के साथ रहता है। वह उनके जमीन के कारोबार सहित अन्य कामों की देखरेख करता है। साथ ही जमीन का ब्रोकर भी है।

सिंकदर के अनुसार सोमवार की सुबह 9 बजे पहली बार उसके मोबाइल पर कॉल आई। कॉल करने वाले ने पहले कहा कि तुम चंदन को जानते हो? सिकंदर ने जब कहा कि नहीं जानते हैं तो कॉल करने वाले ने कहा कि बहुत जल्द जान जाओगे। इसके बाद फिर दोपहर में दो बार उसका फोन आया।

बदायूं में सपा को झटका, भाजपा प्रत्याशी का निर्विरोध निर्वाचन तय

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं में समाजवादी पार्टी (सपा) से एमएलसी पद के अधिकृत प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक सिनोद कुमार शाक्य उर्फ दीपू भैया ने बुधवार को अपना नामांकन वापस ले लिया जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी बागीश पाठक का निर्विरोध निर्वाचित होना तय हो गया है। बदायूं स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर एवं जिलाधिकारी दीपा रंजन ने बताया कि बदायूं स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से सपा प्रत्याशी सिनोद कुमार शाक्य ने नाम वापसी के दिन अपनी अभ्यर्थिता वापस ले ली है। इस प्रकार अब एमएलसी निर्वाचन के चुनाव नहीं होंगे और भाजपा के एकमात्र प्रत्याशी होने के कारण बागीश पाठक को निर्वाचित घोषित कर दिया जाएगा। चुनाव आयोग को इसकी जानकारी प्रेषित कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि बदायूं सपा का एक मजबूत गढ़ रहा है और इस बार भी सपा ने छह विधानसभा सीटों में से तीन पर जीत हासिल कर भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। बदायूं में एमएलसी चुनाव को लेकर राज्यसभा सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के अनुज धर्मेंद्र यादव की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई थी। भाजपा ने जहां पूर्व विधायक प्रेम स्वरूप पाठक के पुत्र और 2014 में भाजपा से लोकसभा प्रत्याशी रहे बागीश पाठक को एमएलसी पद का प्रत्याशी बनाया तो वहीं सपा ने मौर्य शाक्य वर्ग के बड़े नेता और दो बार विधायक रहे सिनोद कुमार शाक्य पर दाँव लगाया। स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन के लिये बदायूं में कुल 2694 मतदाता हैं जिनमें सपा के मतदाताओं की संख्या अच्छी खासी है। इस वजह से इस चुनाव को बहुत ही रोमांचक माना जा रहा था, मगर सपा प्रत्याशी ने आज नामांकन वापस लेकर भाजपा प्रत्याशी की राह आसान कर दी और सपा के नेताओं को आईना दिखा दिया।

शार्ट न्यूज

वार्षिक 400 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य नौ दिन पहले पूरा, मोदी की बधाई

नयी दिल्ली। भारत ने अप्रैल- मार्च 2021-22 में 400 अरब डॉलर मूल्य की वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य वर्ष पूरा होने के नौ दिन पहले हासिल कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एक ट्वीट में इस सफलता के लिए बधाई देते हुए इसमें किसानों, बुनकरों, एमएसएमई, विनिर्माताओं तथा निर्यातकों के योगदान की सराहना की है। मोदी ने ट्वीट में कहा, भारत ने 400 अरब डॉलर मूल्य के वस्तुओं के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया था और देश ने पहली बार इस लक्ष्य को हासिल किया है। मैं इस सफलता के लिए अपने किसानों, बुनकरों, एमएसएमई, विनिर्माताओं तथा निर्यातकों को बधाई देता हूं। यह हमारी आत्मनिर्भर भारत यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।#लोकल-गोज़-ग्लोबल (स्थानीय हुआ वैश्विक)।

हीरो मोटोकॉर्प के एमडी पर आयकर विभाग का छापा

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने हीरो मोटोकॉर्प के प्रबंधन निदेशक पवन मुंजल के कई ठिकानों पर छापे और तलाशी की कार्रवाई की। यह जानकारी बुधवार को आधिकारिक सूत्रों ने दी। विभाग के एक अधिकारी कहा, छानबीन चल रही है इसलिए इसका ब्यौरा नहीं दिया जा सकता। हीरो मोटोकॉर्प का मुख्यालय नयी दिल्ली में है और उसकी ओर से फिलहाल इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया गया है। भारतीय मोटरसाइकिल बाजार में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ हीरो मोटोकॉर्प देश की प्रमुख दुपहिया वाहन की विनिर्माता है। बीएसई में तकरीबन सुबह 11:30 बजे कंपनी का शेयर 1.27 प्रतिशत तक गिर गया और 2390.45 रुपए प्रति शेयर पर चल रहा था।

होंडा के दुपहिया वाहन निर्यात में बढ़ोतरी

नयी दिल्ली। भारत में दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा ने बुधवार को घोषणा की कि उसने 21 वर्षों में 30 लाख इकाइयों के निर्यात के आंकड़े को छू लिया है। कंपनी ने आज यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने वर्ष 2001 में अपने एक्टिवा दुपहिया के साथ संचालन शुरू किया था। कंपनी ने वर्ष 2016 तक 15 लाख दुपहिया वाहनों का निर्यात किया था, जिसके बाद उसे 15 लाख वाहन निर्यात करने में पांच वर्ष का समय लगा। जो कि उसकी रफ्तार से पांच गुना अधिक तेज है। होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधन निदेशक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी आत्सुशी ओगाता ने कहा, वैश्विक स्तर पर यह उपलब्धि निर्यात में होंडा के बढ़ते कदमों के लिए कंपनी के सतत् प्रयासों को दर्शाता हैं। पिछले वर्ष हमने गुजरात के विठलपुर कारखाने में वैश्विक इंजन के उत्पादन की शुरूआत की थी, जिससे हमारी निर्यात क्षमता और अधिक बढ़ी है।

फोनपे ने किया गिगइंडिया का अधिग्रहण

नयी दिल्ली। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म फोनपे ने आज घोषणा की कि इसने फ्रीलांस सूक्ष्म उद्यमियों के लिए देश के अग्रणी नेटवर्क गिगइंडिया का अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अधिग्रहण के एक हिस्से के रूप में गिगइंडिया के 15 लाख उद्यमी और 100 से अधिक उद्यम फोनपे के साथ जुड़ जाएंगे। फोनपे कॉरपोरेट्स और उद्यमों को अधिक ग्राहक प्राप्त करने और उनके वितरण चैनलों को बढ़ाने में मदद करने के लिए गिगइंडिया के फ्रीलांस सूक्ष्म-उद्यमियों के नेटवर्क का लाभ उठाएगा। यह अधिग्रहण फोनपे की पेशकशों और अपने उद्यम भागीदारों के लिए मूल्य प्रस्ताव को भी मजबूत करेगा और इसके परिणामस्वरूप भारत में व्यक्तिगत फ्रीलांस सूक्ष्म-उद्यमियों के लिए लाखों अवसरों का निर्माण होगा।

बोडेस का पहला फ्लैगशिप स्टोर

नयी दिल्ली। ओमनी चैनल टेक ब्यूटी प्लेटफॉर्म बोडेस ने देश में अपने पहले फ्लैगशिप स्टोर और इंटीग्रेटेड ओ2ओ ब्यूटी एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म को लाँच करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि गुरुग्राम में बोडेस की ब्रांड एंबेसडर और बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने इसका शुभारंभ किया है। बोडेस स्टोर में न्यू डिजिटल एवं ब्यूटी टेक स्टोर की झलक देखने को मिली। भूमि पेडनेकर ने कहा, बोडेस जैसे ब्रांड से जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। ब्रांड के सफर का हिस्सा बनना और इस तेजी से इसे बढ़ते हुए देखना खुशी देता है। बोडेस ने सुंदरता को देखते और महसूस करने का हमारा तरीका बदलकर रख दिया है। अपनी श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ ब्रांड एवं अनूठे फीचर से लैस यह फ्लैगशिप स्टोर अपने आप में सुंदरता का संपूर्ण केंद्र है, जहां ग्राहकों को ओमनी चैनल एक्सपीरियंस होता है। बोडेस (हाउस ऑफ ब्यूटी) के संस्थापक एवं सीईओ रितिका शर्मा ने कहा, शहर में खूबसूरती की चाहत रखने वाले उपभोक्ताओं के लिए टेक्नोलॉजी से लैस ब्यूटी रिटेल एक्सपीरियंस की राह खोलने को लेकर हम उत्साहित हैं। मेरा लक्ष्य भारतीय ग्राहकों को ओमनी चैनल एक्सपीरियंस के वैश्विक अनुभव से रूबरू कराना और उन्हें एक्सक्लूसिव इंटरनेशनल ब्रांड उपलब्ध कराना है। ग्राहकों की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही है। हमारे पास विस्तार को लेकर बड़ी योजनाएं हैं और हम आगामी वित्त वर्ष के आखिर तक मेट्रो, टियर 2 व 3 में अपना रिटेल फुटप्रिंट बढ़ाने के लिए काम करेगा।

खाद्य तेलों में नरमी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में नरमी रही। इस दौरान अरहर दाल महंगी हो गयी जबकि मूंग दाल में भी सुस्ती रही जबकि मीठे और अनाज के बाजार में टिकाव रहा। तेल-तिलहन -वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा 132 रिंगिट चढ़कर 6248 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.44 सेंट की तेजी के साथ 73.73 सेंट प्रति पौंड बोला गया स्थानीय स्तर पाम ऑयल 146, सरसों तेल 146 रुपये और वनस्पति 366 रुपये टूट गया। इस दौरान सोया रिफाइंड, सूरजमुखी तेल और मूंगफली तेल में टिकाव रहा।गुड़-चीनी: मीठे के बाजार मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चीनी 40 रुपए प्रति क्विंटल सस्ती हो गई जबकि गुड़ के भाव में टिकाव रहा। दाल-दलहन -दाल-दलहन के बाजार में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान अरहर दाल 100 रुपये चढ़ गयी जबकि मूंग दाल 50 रुपये टूट गयी। चना, चना दाल, मसूर दाल ओर उड़द दाल के भाव टिके रहे। अनाज : अनाज मंडी में भी टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल में टिकाव रहा। दाल-दलहन : चना 4700-4800,दाल चना 5800-5900, मसूर काली 8700-8800, मूंग दाल 8700-8800, उड़द दाल 9400-9500, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2290-2390 रुपये और चावल -2600-2700 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3590-3690, चीनी एम. 3680-3780, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 3100-3200 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 19267 रुपये, मूंगफली तेल 20000 रुपये, सूरजमुखी तेल 18901 रुपये, सोया रिफाइंड 17875 रुपये, पाम ऑयल 16410 रुपये और वनस्पति तेल 17582 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

रियल एस्टेट की तेजी का उठाना चाहते हैं लाभ तो आ गई है म्यूचुअल फंड की यह नई स्कीम

मुंबई। कोरोना के बादअचानक देश के हर इलाके में रियल एस्टेट में तेजी दिखाई दे रही है। लोगों ने फिर से मकान खरीदना शुरू कर दिया है। इस क्षेत्र में आई इस तेजी को देखते हुए देश की लीडिंग म्यूचुअल फंड कंपनी ICICI प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने नया फंड ऑफर लॉन्च करने का फैसला किया है। इस एक स्कीम के जरिए आप हाउसिंग सेक्टर के सभी सेगमेंट में निवेश कर सकते हैं। कंपनी से मिली सूचना के मुताबिक, यह ह्स्न्रह्र आगामी 28 मार्च से खुलेगा और 11 अप्रैल को बंद होगा। यह एक ओपन एंडेड इक्विटी स्कीम है जो हाउसिंग की थीम का पालन करेगी। इसका उद्देश्य इक्विटी और इक्विटी से संबंधित कंपनियों के साधनों में निवेश करने का है, जो हाउसिंग की ग्रोथ से फायदा पाने वाली हैं। यह स्कीम निफ्टी हाउसिंग इंडेक्स का हिस्सा होगी।

डिजिटल भुगतान कार्ड की संख्या एक अरब से ऊपर पहुंची : रिपोर्ट

मुंबई। वित्तीय बाजारों पर अनुसंधानों परामर्श सेवाएं देने वाली कंपनी वर्ल्डलाइन की डिजिटल भुगतान पर एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में वर्ष 2021 में कार्डों की संख्या एक अरब के स्तर से ऊपर पहुंच गयी और वर्ष के दौरान यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) पर लेनदेन की संख्या 4.57 अरब से ऊपर रही।

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 में प्रचलन में विभिन्न प्रकार के भुगतान कार्डों की कुल संख्या 100 करोड़ 67 लाख तक पहुंच गए। दिसंबर 2021 के अंत तक क्रेडिट कार्ड की संख्या सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर करीब 6.9 करोड़ तक पहुंच गयी, जबकि दिसंबर 2020 में चलन में 6.04 करोड़ कार्ड थे।

इस दौरान चलन में मौजूद डेबिट कार्ड की संख्या एक साल पहले के 88.64 करोड़ से बढ़कर 93.78 करोड़ से अधिक पहुंच गयी जो सलाना आधार पर 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। रिपोर्ट के अनुसार अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस जारी किए गए क्रेडिट या डेबिट कार्ड में कितने कार्ड सक्रिय रूप से इस्तेमाल किए जा रहे हैं या उनमें से कितने कार्ड का भुगतान या नगद निकासी के लिए उपयोग किया जा रहा है।

कुल कार्डों में 7 प्रतिशत क्रेडिट कार्ड और 93 प्रतिशत डेबिट कार्ड थे।

वर्ल्डलाइन इंडिया वार्षिक डिजिटल भुगतान रिपोर्ट 2021 के अनुसार पिछले वर्ष यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) के जरिए कुल 4.57 अरब लेनदेन हुए, जो एक साल पहले की तुलना में 105 प्रतिशत अधिक रहे। इसी दौरान यूपीआई पर मूल्य के हिसाब से लेनेदेन 8.2 लाख करोड़ रहा। जो सलाना आधार पर 111 प्रतिशत ऊंचा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2021 में मोबाइल ऐप आधारित लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 106 प्रतिशत और इंटरनेट आधारित भुगतान की संख्या में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

क्रेडिट कार्ड से किए गए भुगतान का औसत आकार 2021 में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,122 रुपए रहा। जबकि डेबिट कार्ड के जरिए लेनेदेन का औसत आकार 29 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1804 रुपए था। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2021 के दौरान एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और आईसीसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड जारी करने के मामले में सबसे आगे रहे। जबकि डेबिट कार्ड जारी करने के मामले में तीन शीर्ष बैकों में एसबीआई, बैंक और बरोड़ा और पेटीएम पेमेंट्स बैंक का नाम है।

वर्ल्डलाइन के प्रबंध निदेशक (दक्षिण एशिया एवं पश्चिम एशिया) दीपक चंदनानी ने कहा, ग्राहक डिजिटल माध्यम से लेनेदेन की सुविधा को जिस तरह अपना रहे हैं, ऐसा देश में इससे पहले कभी नहीं दिखा था।

बैंकिंग और वित्तीय सेवा उद्योग यूपीआई, कार्ड और पीपीआई तथा भारत बिल पे, एनईटीसी फास्टैग जैसे डिजिटल भुगतान के सुविधाओं के माध्यम से लोगों में डिजिटल भुगतान की आदत विकसित करने में सफलता रहा है। वित्तीय भुगतान स्वीकार करने के बुनियादी अवसंरचना भी धीरे-धीरे पनप रहे हैं।

पेट्रोल डीजल के दामों में लगातार दूसरे दिन उछाल

देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे

महानगर	पेट्रोल	डीजल (रुपए प्रति लीटर)
दिल्ली	97.01	88.27
कोलकाता	106.34	91.42
मुंबई	111.67	95.85
चेन्नई	102.91	92.95

नयी दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आयी तेजी के साथ ही देश में तेल विपणन करने वाली कंपनियों ने 137 दिनों की स्थिरता के बाद पेट्रोल डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करना शुरू कर दिया है। राजधानी दिल्ली में दोनों ईंधनों की कीमतों में आज 80-80 पैसे प्रति लीटर की बढोतरी दर्ज की गयी है। कंपनियों ने मंगलवार को भी इसी कीमत से दाम बढ़ाए थे। इस बढोतरी के बाद राजधानी में पेट्रोल 80 पैसे की बढ़त के साथ 97.01 रुपये प्रति लीटर और डीजल 80 पैसे बढ़कर 88.27 रुपये प्रति लीटर हो गया है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम 85 पैसे की बढ़त के साथ क्रमश: 111.67 और 95.85 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। रूस के यूक्रेन पर हमला करने के कारण वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने की आशंका में इनकी कीमतों में उछाल आया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चा तेल इसके कारण 13 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार के मुकाबले आज आंकड़ो में उछाल आया है। लंदन ब्रेंट क्रूड 1.55 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 117.27 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.39 प्रतिशत चढ़कर 110.79 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

इस्पात कंपनियों कीमतों में की 1500 रुपए टन तक की बढ़ोतरी

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख इस्पात विनिर्माता कंपनियों ने विभिन्न प्रकार के इस्पात के दाम प्रतिटन 1500-2000 रुपए तक बढ़ा दिए है। मार्च में स्टील के दामों में चौथी बार बढोतरी की गयी है। कंपनियों ने कहा है कि वे कोकिंग कोयले के दाम में बेतहाशा उछाल के कारण अपने उत्पाद के दाम बढ़ाने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि एक माह में कोयले का भाव 300 डालर प्रति टन से बढ़ कर 700 डालर तक पहुंच गया है। केंद्र के स्वामित्व वाली कंपनी स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने एचआरसी और सीआरसी (कोल्ड रोल्ड कॉयल) के दाम करीब 1500 रुपए प्रति टन तक बढ़ा दिए हैं। जेसीडब्ल्यू स्टील ने इस्पात की छड़ों के दामों में 1250 रुपए प्रति टन की बढ़ोतरी की है, जिसे बुधवार से लागू किया गया है। नवीन जिंदल के नेतृत्व वाली जिंदल स्टील और पावर ने अपने इस्पात उत्पादों में 1500 रुपए तक की बढ़ोतरी कर दी है। देश के अन्य बड़े इस्पात उद्योग भी इस बीच इस्पात उत्पादों के दाम बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। स्टील उद्योग से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि अधिक लागत खर्च के बाद इस्पात उत्पादों की कीमतों में इजाफा किया जा रहा है। कोयले के दाम 700 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गए हैं, जो एक माह पहले 300 डॉलर प्रति टन पर थे। यह कीमत विनिर्माताओं के लिहाज से बेहद अधिक है। एचआरसी का मूल्य 72500-73500 रुपए प्रति टन के बीच और सीआरसी का मूल्य 78500-79000 प्रति टन के बीच चल रहा है।

तेजी थमी, सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट में

मुंबई। दुनिया के प्रमुख सूचकांकों के बढ़त में रहने के बीच घरेलू स्तर पर बैंकिंग, ऑटो, वित्त, टेक और इंडस्ट्रीयल्स जैसे समूहों में हुयी बिकवाली के कारण शेयर बाजार में आज गिरावट रही जिससे बीएसई का सेंसेक्स और निफ्टी गिर कर बंद हुये। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 304.48 अंक उतरकर 57684.82 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 69.85 अंक गिरकर 17245.65 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में जहां बिकवाली का दबाव दिखा वहीं मझौली में लिवाली हुयी जिससे बीएसई का मिडकैप 0.39 प्रतिशत बढ़कर 23793.70 अंक पर रहा। इस दौरान स्मॉलकैप मामूली 0.02 प्रतिशत उतरकर 27847.11 अंक पर रहा। बीएसई में गिरावट में रहने वाले समूहों में बैंकिंग 0.81

प्रतिशत, ऑटो 0.72 प्रतिशत, वित्त 0.74 प्रतिशत, इंडस्ट्रीयल्स 0.56 प्रतिशत, टेक 0.29 प्रतिशत और आईटी 0.09 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। बढ़त में रहने वालों में धातु 1.53 प्रतिशत, पावर 1.30 प्रतिशत, यूटिलिटी 1.36 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। बीएसई में कुल 3525 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1986 लाल निशान में और 1417 हरे निशान में रही जबकि 122 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर जर्मनी के डैक्स में 0.60 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर जापान के निक्केई 3.0 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.21 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 0.34 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.21 प्रतिशत की बढ़त में रहा। बीएसई का सेंसेक्स करीब 200 अंकों की बढ़त के साा 58198.64 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 58416.56 अंक के उच्चतम और 57568.59 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 57989.30 अंक की तुलना में 304.48 अंक अर्थात 0.53 प्रतिशत टूटकर 57684.82 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 17 लाल निशान में जबकि 13 हरे निशान में रही।

एनएसई का निफ्टी 90 अंकों की तेजी के साथ 17405.05 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17442.40 अंक के उच्चतम और 17199.60 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 17315.50 अंक की तुलना में 0.40 प्रतिशत अर्थात 69.85 अंक गिरकर 17245.65 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल कंपनियों में से 29 लाल निशान में और 21 हरे निशान में रही।

क्रिप्टोकरेंसी पर विशेष अध्ययन कराएगा भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान

नयी दिल्ली। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) क्रिप्टोकरेंसी या आभासी मुद्राओं की लोकप्रियता के बीच ऐसी मुद्राओं पर विस्तृत अध्ययन कराने की घोषणा की है।

देश में सनदी लेखाकारों की शिक्षा, उनके पेशे और लेखामानकों का निर्धारण और नियमन करने वाली इस सांविधिक संस्था ने सामाजिक ऑडिट मानकों के संबंध में व्यापक एकीकृत व्यवस्था विकसित करने और उसे जारी करने की एक योजना बनायी है।

आईसीएआई के अध्यक्ष सी ए डॉ देवाशीष मित्रा ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, आभासी मुद्राओं या क्रिप्टोकरेंसी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए आईसीएआई ऐसी मुद्रओं के संबंध में एक विस्तृत अध्ययन कराएगा। क्रिप्टोकरेंसी एक नयी घटना है लेकिन इसका महत्व दुनियाभर में महसूस किया जा रहा है।

डॉ मित्रा ने कहा, क्रिप्टोकरेंसी के अध्ययन के लिए आईसीएआई एक अनुसंधान समूह गठित कर रहा है और यह समूह इस काम को जल्द शुरू करेगा।

उन्होंने आईसीएआई राष्ट्र निर्माण में संस्थान की भागीदारी, सीए पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों सशक्त बनाने तथा सीए के पेशे की स्वतंत्रता, सत्यनिष्ठा और उत्कृष्टता के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए कई नयी पहल की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि आईसीएआई सामाजिक ऑडिट मानकों के लिए व्यापक एकल व्यवस्था विकसित करने की योजना बना रहा है। संस्थान ने स्वस्थ विकास साक्षारता अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ विकास की अवधारणा को अधिक व्यावहारिक और उपयोगी बनाए जा सकें और उसमें सभी अलग-अलग हितधारकों के हितों के बीच बेहतर समन्वय हो।

डॉ मित्रा ने कहा कि आईसीएआई बाजार विनियामक सेबी के साथ मिलकर सोशल स्टॉक एक्सचेंज (एसएसई) नाम की पहल पर काम कर रहा है और सोशल ऑडिट पेशे के लिए आचार संहिता को अंतिम रूप दे रहा है। एसएसई की नियामकीय व्यवस्था के तहत काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि सोशल ऑडिट संबंधी प्रस्तावित मानक एसएसई में सूचीबद्ध सामाजिक उद्यमों के प्रभाव की रिपोर्ट की ऑडिट पर लागू हैं तथा संस्थान विभिन्न क्षेत्रों, विशेष उदाहरण के तौर पर गरीबी और कुपोषण के संबंध में सामाजिक प्रभाव की रिपोर्ट के लिए अलग मानक निर्धारित करेगा।

आईसीएआई अध्यक्ष ने कहा कि भारत की यह संस्था दुनिया में ऐसा अकाउंटिंग निकाय है जिसने फॉरेंसिक अकांउटिंग एवं जांच के मानक एफएआईएस तय किए हैं। ये मानक सिद्धातों पर आधारित हैं और इनमें फॉरेंसिक काम करने वालों के लिए कुछ न्यूनतम शर्तें तय की गयी हैं। डॉ मित्रा ने बताया कि संस्थान जल्द ही शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए एक नयी योजना लागू करेगा, जिसमें उपयोग, विश्लेषण और व्याख्या के क्षेत्र में कौशल के विकास पर जोर होगा।

तेल-आटा के बाद अब ब्रांडेड चावल लेकर आएंगे अडानी

नई दिल्ली। देश के दूसरे बड़े रईस अरबपति गौतम अडानी अब ब्रांडेड चावल पेश करने की तैयारी में हैं। दरअसल, अडानी समूह की कंपनी अडानी विल्मर आटा और चावल जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों पर जोर दे रही है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक अडानी विल्मर अब कई राज्यों में क्षेत्रीय चावल ब्रांडों और प्रोसेसिंग यूनिट के अधिग्रहण की तलाश में है।

बंगाल में पहला अधिग्रहण

संवाददाता ने कंपनी के एक अधिकारी के हवाले से लिखा है कि अडानी विल्मर फार्च्यून ब्रांड के तहत ब्रांडेड चावल पेश करेगी। इसकी शुरुआत पश्चिम बंगाल से अप्रैल में होगी। अडानी विल्मर ने पश्चिम बंगाल में रुग्ण चावल प्रोसेसिंग यूनिट का अधिग्रहण कर इस क्षेत्र में कदम बढ़ाया है। इस क्षेत्र का आकार तीन से 3.5 करोड़ टन सालाना है। कंपनी के एमडी और सीईओ अंगशू मलिक ने कहा, हम दैनिक उपयोग वाले चावल सेग्मेंट में तेजी से बढ़ने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। इसका बाजार राशन की दुकानों के जरिये खाद्यान्न वितरण के अलावा प्रतिवर्ष 3.0 से 3.5 करोड़ टन है। हम तेजी से विकास के लिए कई राज्यों में ब्रांड और चावल प्रोसेसिंग यूनिट के अधिग्रहण की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि अधिग्रहण से ग्रोथ आएगी जबकि नई परियोजनाओं के परिचालन में आने में कम-से-कम दो साल का समय लगता है। मलिक ने कहा, हम पहले से ही बासमती चावल में हैं, लेकिन यह चावल की खपत का केवल 10 प्रतिशत है। इसलिए हम दैनिक खपत के लिए उपयोग किए जाने वाले क्षेत्रीय स्थानीय चावल की उपेक्षा नहीं कर सकते हैं। इस सेग्मेंट में काफी अवसर है। उन्होंने कहा, हम क्षेत्रीय पसंद के आधार पर पैकेटबंद स्थानीय चावल पेश करेंगे। बंगाल में हम बांसकाटी और मिनिकेट चावल पेश करेंगे जो यहां आम लोगों में चर्चित है। उत्तर प्रदेश में सोना मसूरी और दक्षिण भारत में कोलम चावल लोकप्रिय है। हाल में आईपीओ लाने वाली कंपनी अडानी विल्मर ने अधिग्रहण के लिये 450 से 500 करोड़ रुपये का निर्धारण किया है। खाद्य श्रेणी में आटा और चावल पर उसका प्रमुख रूप से जोर है। इस बीच, बुधवार को अडानी विल्मर का शेयर भाव मामूली बढ़त के साथ बीएसई इंडेक्स पर 397 रुपए पर बंद हुआ है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ग्राहकों के लिए अच्छी खबर

मुंबई। देश के अग्रणी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने बैंकिंग को आसान व सर्वसुलभ बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बैंक ने अपनी वॉट्सऐप बैंकिंग सर्विस को हिंदी भाषा में शुरू किया है। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा भारतीय भाषा में उपलब्ध कराई गई यह सर्विस अपने आप में एक विशिष्ट पहल है एवं इसे आमजन की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। ग्राहक अब बैंक की वॉट्सऐप बैंकिंग की हिंदी सेवा के माध्यम से विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं के आसान उपयोग से लाभान्वित हो सकेंगे।इस सेवा को शुरू करने के लिए ग्राहक को बैंक में दर्ज अपने मोबाइल नंबर से 8433888777 पर 'Hi' लिखकर भेजना होगा। हिंदी में वॉट्सऐप बैंकिंग सेवा का चयन करने के लिए विकल्प उपलब्ध होगा, जिसे चुनकर ग्राहक वॉट्सऐप बैंकिंग के तहत प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का लाभ हिंदी भाषा में उठा पाएंगे।

प्रकाश स्टील समेत चार चवन्नी शेयरों ने किया निवेशकों को मालामाल

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख रहा और प्रमुख शेयर सूचकांक हरे रंग के साथ कारोबार कर रहे हैं। फार्मा शेयरों में काफी तेजी दिख रही है। घरेलू बाजारों ने पिछले सत्रों में तेजी को बरकरार रखा और बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी बनी रही। बेंचमार्क सेंसेक्स बीएसई सेंसेक्स आज 71 अंक की तेजी के साथ खुला और 58,060.73 अंक पर ट्रेड कर रहा है। आज सबसे ज्यादा तेजी डॉ रेड्डीज लैब, टेक महिंद्रा, आईटीसी, इंडसइंड बैंक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयरों में रही।

बीएसई मिडकैप 132 अंक की तेजी के साथ 23,834.14 अंक पर ट्रेड कर रहा है जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 137 अंक की तेजी के साथ 27,990.50 अंक पर ट्रेड कर रहा है। निफ्टी 50 इंडेक्स भी 26 अंक के साथ 17,341.55 अंक पर ट्रेड कर रहा है। निफ्टी बैंक 35 अंक की तेजी के साथ 36,383.65 अंक पर ट्रेड कर रहा है। निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दिवीज लैबोरेटरीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा, आईटीसी और डॉ रेड्डीज में रही। दूसरी ओर भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, ब्रिटानिया, हीरो मोटोकॉर्प और मारुति सुजुकी के शेयरों में गिरावट रही। आज इन पेनी शेयरों ने अपर सर्किट छुआ। आने वाले दिनों में इन शेयरों पर करीबी नजर बनाए रखें।

चालू वित्त वर्ष में ब्रोकरेज उद्योग की राजस्व वृद्धि 30 प्रतिशत रहने का अनुमान : रिपोर्ट

एजेंसी

मुंबई। चालू वित्त वर्ष में 30 प्रतिशत से अधिक राजस्व वृद्धि हासिल करने वाले ब्रोकरेज उद्योग के अगले वित्त वर्ष में थोड़ा सुस्त रफ्तार से बढ़ने की संभावना है।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में आर्थिक परिदृश्य स्थिर होने के अनुमान के बावजूद ब्रोकरेज उद्योग की वृद्धि नरम रह सकती है। वित्त वर्ष 2021-22 में इसकी राजस्व वृद्धि 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 28,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

कोविड-19 महामारी के दस्तक देने के बाद के शुरुआती महीनों को छोड़कर जून 2020 से ही शेयर बाजार में तीव्र वृद्धि देखने को मिली है। इस दौरान बाजार में नए निवेशक भी खूब आए हैं और अप्रैल 2020 के बाद डीमैट खातों की संख्या दोगुनी हो चुकी है।

मार्च 2020 में डीमैट खातों की संख्या 4.08 करोड़ थी और दिसंबर 2021 में यह संख्या बढ़कर 8.06 करोड़ हो गई।

इक्रा की रिपोर्ट कहती है कि डीमैट खातों में दर्ज की गई इस जबरदस्त वृद्धि को देखते हुए वित्त वर्ष 2021-22 के अंत तक इस संख्या में 28.33 लाख की बढ़ोतरी हो जाने का अनुमान है।

खुदरा निवेशकों और तरलता की अनुकूल स्थिति को देखते हुए इस वित्त वर्ष में ब्रोकरेज उद्योग का प्रदर्शन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2021-22 में इस उद्योग का राजस्व 28-33 प्रतिशत बढ़कर 28,000 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है।

हालांकि अगले वित्त वर्ष के लिए इक्रा ने ब्रोकरेज उद्योग की वृद्धि दर 5-7 प्रतिशत ही रहने का अनुमान जताया है। उद्योग के लिए स्थिर परिदृश्य रहने की संभावना के बावजूद अगले वित्त वर्ष में इसका राजस्व 29,000 करोड़ रुपये पर सीमित रह सकता है।

यह रिपोर्ट 18 ब्रोकरेज फर्मों के प्रदर्शन पर आधारित है। इन फर्मों ने करीब 38 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि दर्ज की है।

शार्ट न्यूज

डोपिंग के दोषी पाए गए हम्ज़ा

जोहानसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज़ ज़ुबैर हम्ज़ा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के डोपिंग रोधी कोड के तहत एक प्रतिबंधित पदार्थ के लिए सकारात्मक पाए गए हैं। क्रिकेट साउथ अफ्रीका द्वारा जारी किए गए बयान के अनुसार, 17 जनवरी 2022 को हुए परिक्षण में वह दोषी पाए गए थे। बयान में आगे कहा गया कि हम्ज़ा इस परिक्षण पर कोई विवाद नहीं कर रहे हैं और वह आईसीसी का पूरा सहयोग कर रहे हैं। आईसीसी को लिखित प्रस्तुतियां पेश किए जाने के बीच हम्ज़ा ने स्वैच्छिक निलंबन को स्वीकार कर लिया है। सीएसए के बयान से पता चला है कि हम्ज़ा के शरीर में फ्यूरोसेमाइड नामक प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया है। यह प्रदर्शन को बढ़ाने वाला पदार्थ नहीं है और हम्ज़ा को इस बात की जानकारी है कि यह उनके शरीर में कैसे आया होगा। बोर्ड ने बयान में आगे कहा, इस प्रक्रिया में आगे सबूत पेश किए जाएंगे कि ज़ुबैर की ओर से कोई ग़लती या लापरवाही नहीं हुई थी। क्रिकेट साउथ अफ्रीका, साउथ अफ्रीका क्रिकेटर्स एसोसिएशन और वेस्टर्न प्रॉविंस क्रिकेट एसोसिएशन इस प्रक्रिया में ज़ुबैर का साथ दे रहा है और इस घटनाक्रम के समाप्त होने तक उनका समर्थन करना जारी रखेगा। 26 वर्षीय हम्ज़ा ने 2019 में पाकिस्तान के ख़िलाफ़ अपना टेस्ट डेब्यू किया था। पिछले साल नवंबर में नीदरलैंड्स के ख़िलाफ़ उन्होंने अपना पहला वनडे मैच खेला था। उस सीरीज़ के अगले दो मैच कोरोना महामारी के कारण स्थगित कर दिए गए थे। कुल मिलाकर हम्ज़ा ने छह टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने पिछले हफ़्ते निजी कारणों की वजह से बांग्लादेश के ख़िलाफ़ सीरीज़ के लिए चुने गए दल से अपना नाम वापस ले लिया था।

होल्डर को अपदस्थ कर नंबर वन आलराउंडर बने जडेजा

दुबई। भारत के रवींद्र जडेजा ने वेस्ट इंडीज के जैसन होल्डर को फिर से अपदस्थ कर आईसीसी पुरुष टेस्ट आल राउंडर रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग के अनुसार जडेजा पिछले सप्ताह दूसरे स्थान पर खिसक गए थे लेकिन वह 385 अंकों के साथ फिर से नंबर एक बन गए हैं भारत के रविचंद्रन अश्विन (341) तीसरे स्थान पाए कायम हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और ऋषभ पंत क्रमश: सातवें, नौवें और दसवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के मार्नास लाबुशेन (916) शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में अश्विन और जसप्रीत बुमराह का दूसरा और चौथा स्थान बना हुआ है जबकि ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस का नंबर एक स्थान बना हुआ है।

नेशनल पोकर सीरीज 2022 ने तोड़ा पिछले साल का रिकॉर्ड, गोवा में निर्णायक मुकाबला

नयी दिल्ली। भारत की सबसे लोकप्रिय पोकर सीरीज– नेशनल पोकर सीरीज इंडिया (एनपीएस) 2022, जिसका आयोजन पोकरबाज़ीडॉटकॉम पर किया जा रहा है, गोवा में अपने तीन महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स के फाइनल टेबल्स का आयोजन करने के लिये तैयार है। इस सीरीज की शुरूआत 6 मार्च 2022 को हुई थी और इसके लिये 96000 से भी ज्यादा एंट्रीज मिली हैं। इस सीरीज ने 2021 में प्राप्त 83000 से अधिक एंट्रीज के आंकड़े को पहले ही पार कर लिया है और एनपीएस मैन इवेंट ने अकेले 6202 एंट्रीज हासिल की हैं। वहीं, गोल्डन रश टूर्नामेंट एक बार फिर लगभग 15000 एंट्रीज के साथ सबसे ज्यादा खेला गया इवेंट बनकर उभरा। इस टूर्नामेंट को देश के कोने–कोने से जबरदस्त समर्थन मिला है। इसमें एंट्रीज की संख्या के हिसाब से, अब तक के पांच शीर्ष राज्यों में शामिल हैं – महाराष्ट्र (2588 एंट्रीज), नई दिल्ली (2176 एंट्रीज), राजस्थान (1284 एंट्रीज), उत्तर प्रदेश (1441 एंट्रीज) और हरियाणा (1071 एंट्रीज) । गोवा में फाइनल टेबल्स खेलने जा रहे जयपुर की शगुन जैन ने 4 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल्स जीते हैं। वहीं राजस्थान में चूरू के रहने वाले रोहित बेगवानी ने 4 गोल्ड मेडल्स जीते हैं और मुंबई के धवल दोषी ने कुल 1 गोल्ड और 3 सिल्वर मेडल्स अपने नाम किये हैं। ये तीनों अब तक के टॉप 3 पोडियम फिनिशर्स बनकर उभरे हैं और इनके एनपीएस पोडियम विजेता बनने की बड़ी संभावना दिखाई दे रही है। विजेता को अमेरिका के लास वेगास में दुनिया के सबसे बड़े पोकर मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। गोवा में फाइनल टेबल्स का आयोजन 23–25 मार्च के बीच मैजेस्टिक प्राइड कसिनो में किया जायेगा। यह कसिनो मशहूर मंडोवी नदी के समीप स्थित है।

दर्शकों का स्टेडियमों में स्वागत करने के लिए तैयार टाटा आईपीएल

मुंबई। टाटा आईपीएल 2022 स्टेडियमों में दर्शकों का स्वागत करने के लिए तैयार है। आईपीएल की शुरुआत इस साल 26 मार्च को गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स और कोलकाता नाईट राइडर्स के बीच 26 मैच को वानखेड़े स्टेडियम में मुकाबले के साथ होगी। यह मैच आईपीएल के 15वें संस्करण के लिए ऐतिहासिक होगा क्योंकि कोरोना महामारी के कारण कुछ समय के लिए दर्शकों का स्टेडियम आना बंद था। लेकिन अब दर्शक सांसों को रोक देने वाले मैच देख सकेंगे और अपने पसंदीदा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा सकेंगे। दर्शक 23 मार्च को दोपहर 12 बजे सेआधिकारिक वेबसाईट पर टूर्नामेंट के लीग चरण के टिकट खरीद सकेंगे। मैच मुंबई, नवी मुंबई और पुणे में स्थित स्टेडियमों में खेले जाएंगे। कोविड–19 प्रोटोकॉल के तहत 25 फीसदी दर्शकों को प्रवेश की अनुमति दी गयी है। 20–20 मैच वानखेड़े और डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले जाएंगे जबकि 15–15 मैच ब्रेबोर्न और पुणे के एमसीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे।

आईपीएल में पहला मैच नहीं खेल पाएंगे मोईन अली

मुंबई। गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 की शुरुआत से पहले बड़ा झटका लग सकता है। पता चला है कि इंग्लैंड के हरफ़नमौला खिलाड़ी मोईन अली को भारत आने के लिए आवश्यक वीजा प्राप्त नहीं हुआ है जिस वजह से वह इस समय यूके में ही फंसे हुए हैं। यह समझा जा रहा है कि मोईन को शनिवार को उपविजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के ख़िलाफ़ मैच में खेलने के लिए सोमवार तक भारत पहुंचना होगा। आईपीएल के बायो–बबल में प्रवेश करने के लिए तीन दिन का क्वारंटीन अनिवार्य है और ऐसे में चेन्नई के टीम प्रबंधन ने मोईन के संभवत: अनुपलब्ध होने की बात को स्वीकार कर लिया है। अगर मोईन पहला मैच नहीं खेल पाते हैं तो चेन्नई के पास डेवोन कॉन्वे को ऋतुराज गायकवाड़ और रॉबिन उथप्पा के साथ शीर्ष क्रम में शामिल करने का विकल्प मौजूद है। चेन्नई ने मोईन को आईपीएल की बड़ी नीलामी से पहले रिटेन किया था। पिछले सीज़न में 357 रन बनाकर मोईन ने चेन्नई की ख़िताबी यात्रा में अहम योगदान दिया था।

चोट के कारण आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर हो सकते हैं सूर्यकुमार यादव

मुंबई। 27 मार्च को सूर्यकुमार यादव दिल्ली कैपिटल्स के ख़िलाफ़ होने वाले मुंबई इंडियंस के मैच में शामिल नहीं हो पाएंगे। पता चला है कि 31 वर्षीय सूर्यकुमार अभी भी अपने अंगूठे की चोट (हेयर लाइन फ्रैक्चर) से उबर रहे हैं। फिलहाल वह बेंगलुरु के नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हैं और वहां से उन्हें छुट्टी नहीं मिली है। वह पिछले कुछ हफ़्तों से वहीं चोट से उबर रहे हैं। सूर्यकुमार यादव को यह चोट 22 फ़रवरी को वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ खेले गए अंतिम टी20 मैच में लगी थी। सूर्यकुमार को लगी यह चोट मुंबई इंडियंस के लिए परेशानियों का सबब बन सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि रोहित शर्मा और इशान किशन के अलावा मुंबई इंडियंस की टीम में कोई अन्य ऐसा भारतीय बल्लेबाज़ नहीं है, जिसके पास अंतर्राष्ट्रीय स्तर का अनुभव हो। मुंबई इंडियंस की टीम ने सूर्यकुमार को 2019 में ख़रीदा था। उसके बाद से सूर्यकुमार ने मुंबई के लिए एक शीर्ष क्रम के बल्लेबाज़ के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शुरुआती मैचों में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की अनुपस्थिति केकेआर के लिए बड़ी परेशानी

मुम्बई। एक ख़राब शुरुआत के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स पिछले सीज़न की उपविजेता साबित हुई। जब कोरोना महामारी के कारण पिछले सीज़न को स्थगित किया गया था, सात मैचों में केवल दो जीत के साथ केकेआर अंक तालिका में सातवें स्थान पर थी। जब लीग चरण समाप्त हुआ, तब वह दूसरे स्थान पर जा पहुंची थी।

उपलब्धता : टी20 सुपरस्टार एलेक्स हेल्स के नाम वापस लेने से ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फ़िंच को आईपीएल में हिस्सा लेने का मौक़ा मिल गया। हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने साफ़ तौर पर कह दिया है कि उनके सभी खिलाड़ी 6 अप्रैल के बाद ही आईपीएल के लिए उपलब्ध होंगे। ऐसे में फ़िंच और पैट कमिंस शुरुआती चार मैचों से बाहर रहेंगे।

भले ही न्यूज़ीलैंड को घर पर नीदरलैंड्स का सामना करना है, टिम साउदी इस प्रतियोगिता के पहले मैच से उपलब्ध होंगे। लेकिन क्योंकि न्यूज़लैंड को जून में इंग्लैंड का दौरा करना है, अगर केकेआर अंतिम चार में पहुंचती है तो साउदी प्लेऑफ़ का हिस्सा नहीं बन पाएंगे।

बल्लेबाज़ी : वेंकटेश अय्यर और कप्तान श्रेयस अय्यर के रूप में केकेआर के पास दो ऐसे बल्लेबाज़ हैं जो अच्छी लय से गुज़र रहे हैं। पिछले सीज़न के दूसरे चरण में वेंकटेश ने 370 रन बनाए थे। इसके बाद सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी में उन्होंने 140 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाई।

भले ही वह भारत के लिए फ़िनिशर की भूमिका निभाते हैं, उनके पास पावरप्ले और डेथ ओवरों में बड़े शॉट लगाने की क्षमता है।

वहीं श्रेयस जिस चीज़ को छू रहे हैं वह सोना बनती जा रही है। श्रीलंका के ख़िलाफ़ तीन टी20 मैचों में तीन नाबाद अर्धशतक बनाकर प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ बनने वाले श्रेयस को साढ़े 12 करोड़ रुपयों में ख़रीदकर केकेआर ने अपना नया कप्तान बनाया है। श्रेयस तीसरे अथवा चौथे स्थान पर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। लेकिन अगर फ़िंच की अनुपस्थिति में केकेआर अजिंक्य रहाणे को चुनती है तो वह शीर्ष क्रम में खेलेंगे जहां उनका स्ट्राइक रेट केवल 120 का है जो पावरप्ले में 115 का हो जाता है।

प्रतीत हो रहा है कि अनुभवी भारतीय बल्लेबाज़ों की ग़ैरमौजूदगी में केकेआर को रहाणे के साथ ही जाना होगा। केवल अनुकूल रॉय और बाबा इंद्रजीत की बल्लेबाज़ी में बैक–अप विकल्प हैं।

आईपीएल में कैसा होगा पिचों का मिज़ाज

मुंबई। आईपीएल 2022 के मैच मुंबई और पुणे के चार स्टेडियमों में खेले जाएंगे। आईपीएल 2022 में 70 में से 55 मैच मुंबई के तीन मैदानों पर होंगे जहां पिच पर लाल मिट्टी का प्रयोग होता है – वानखेड़े स्टेडियम, ब्रबोर्न स्टेडियम और नवी मुंबई में डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी। पुणे का एमसीए स्टेडियम, जहां बाक़ी के मैच आयोजित होंगे, काली मिट्टी का इस्तेमाल करता है।

लाल और काली मिट्टी से बनी पिचों पर आचरण का कितना अंतर होता है? क्या ओस से फ़र्क़ पड़ेगा? पुणे जैसे खुले मैदान से या अरब सागर के निकट स्थित वानखेड़े और ब्रेबोर्न में गेंदबाज़ों को क्या मदद मिल सकती है? भारी गर्मी में सीमित मैदानों पर 70 मैच खेले जाने से क्या सत्र के दूसरे हिस्से में पिचों में अधिक खुरदरापन देखने को मिल सकता है?

वानखेड़े स्टेडियम़ इस मैदान पर रिस्टस्पिन और उंगलियों से स्पिन करने वाले गेंदबाज़ो में ख़ास फ़र्क़ नज़र आता है। जहां रिस्टस्पिनर 9.15 के इकॉनमी से हर 34 गेंद में विकेट लेते हैं, वहीं फ़िंगर स्पिनर के लिए वही आंकड़े है 6.92 प्रति ओवर और 27 गेंदें। आईपीएल 2021 के दौरान पावरप्ले में तेज़ गेंदबाज़ो ने 31 विकेट लिए और स्पिनरों ने केवल एक। वानखेड़े में जीतने का सबसे सरल मंत्र रहा है – टॉस जीतो, गेंदबाज़ी चुनो और ओस का भरपूर फ़ायदा उठाओ। यहां छोटे बाउंड्री और ओस का भारी असर दिख सकता है। इस मैदान पर बड़े हिटर, तेज़ गेंदबाज़ और स्विंग करवाने वाले गेंदबाज़ों की अहम भूमिका होगी। पिछले 20 मैचों में यहां तेज़ गेंदबाज़ों ने 73 प्रतिशत विकेट लिए हैं। लाल मिट्टी की सतह के बारे में पूर्व टेस्ट क्रिकेटर आशीष नेहरा और आरसीबी के हर्षल पटेल, दोनों का मानना है कि ऐसी पिच पर अच्छा उछाल रहता है। नेहरा कहते हैं कि आक्रामक तेज़ गेंदबाज़ नई गेंद से उछाल का लाभ उठाते हुए पावरप्ले में विकेट लेते हुए विपक्ष को बैकफ़ुट पर डालने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा, नई गेंद से आप को पहले तीन ओवर में दो या तीन विकेट गिरते हुए दिख सकते हैं, और ऐसा चेन्नई और हैदराबाद जैसे मैदानों पर नहीं होता। अगर आप शुरुआत में अच्छी गेंदबाज़ी करेंगे तो इसका फ़ायदा उठा सकते हैं।

ब्रेबोर्न स्टेडियम: ब्रेबोर्न स्टेडियम में 2015 के बाद प्रतिस्पर्धीय मैचों के अभाव के चलते आंकड़ों के आधार पर बहुत कुछ नहीं कह सकते। हालांकि यहां भी लाल मिट्टी का उपयोग होता है और ऐसे में बल्लेबाज़ी के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिलती हैं। हर्षल कहते हैं, लाल मिट्टी के पिचों पर गेंद ज़्यादा दूर कैरी करती है और यह फ़ायदा भी पहुंचा सकती है और नुक़सान भी। मुझे लगता है टूर्नामेंट के दूसरे हिस्से में यहां ज़्यादा टर्न मिल सकता है। ब्रेबोर्न की आउटफ़ील्ड बहुत तेज़ है और मैदान वानखेड़े से काफ़ी बड़ा है। यहां स्पिनरों की भूमिका काफ़ी अहम होगी।

आईपीएल कमेंट्री में रैना करेंगे पदार्पण, शास्त्री की वापसी

मुम्बई। आईपीएल में इस बार नहीं खरीदे गए सुरेश रैना और भारतीय टीम के कोच पद से हटने वाले रवि शास्त्री को आईपीएल की कमेंट्री टीम में शामिल किया गया है। आईपीएल के आधिकारिक प्रसारक डिज्नी स्टार ने स्टार खिलाड़ियों से सुसज्जित कमेंट्री पैनल की बुधवार को घोषणा की।

आईपीएल के 15वें संस्करण के लिए अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मराठी, मलयालम, बंगाली और गुजराती में कमेंट्री की जायेगी। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री स्टार स्पोर्ट्स कमेंट्री पैनल में वापसी करेंगे जबकि सुरेश रैना, पीयूष चावला, धवल कुलकर्णी और हरभजन सिंह अपना पदार्पण करेंगे।

प्रशंसकों को आईपीएल से जोड़ने के लिए डिज्नी स्टार नौ भाषाओं में में इस सत्र में कमेंट्री प्रसारित करेगा। नई टीम गुजरात टाइटंस के आने से गुजराती को भी कमेंट्री पैनल से जोड़ दिया गया है। आईपीएल प्रसारण टीम में एक लोकप्रिय व्यक्तित्व मयंती लैंगर बिन्नी भी दो साल के अंतराल के बाद वापसी कर रही हैं। क्रिकेट फैंस को सभी रोमांचक गतिविधियों के करीब लाने के लिए आईपीएल 2022 का प्रसारण नौ भाषाओं में किया जाएगा। इस सीजन में गुजरात टाइटन्स को शामिल करने से प्रशंसकों के लिए एक अहम हिस्से के रूप में नए गुजराती फीड को भी पेश किया गया है। रेडियो पर बेहद लोकप्रिय आवाज, धवनित ठाकर, जो एक गुजराती अभिनेता और गायक भी हैं, गुजराती कमेंट्री टीम में नयन मोंगिया और मनप्रीत जुनेजा के साथ मिलकर काम करेंगे।

भारत के पूर्व कोच और क्रिकेटर और अब फिर से कमेंट्री पैनल का हिस्सा बनने पर रवि शास्त्री ने कहा, मैं पांच साल बाद कमेंट्री बॉक्स में वापस आने और दुनिया की सबसे लोकप्रिय स्पोर्ट्स लीगों में से एक टाटा आईपीएल के लिए स्टार स्पोर्ट्स के साथ जुड़ने के लिए उत्साहित हूं। स्टार स्पोर्ट्स ने हमेशा एक अनूठा अनुभव प्रदान करने के लिए तकनीकी इनोवेशन का लाभ उठाया है और मैं खेल के दौरान दूर से आईपीएल खिलाड़ियों के साथ–साथ प्रशंसकों के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने हिंदी कमेंट्री पैनल का हिस्सा बनने पर कहा, 2008 से आईपीएल का हिस्सा होने के बाद अब मैं स्टार स्पोर्ट्स के लिए आईपीएल में हिंदी कमेंट्री पैनल के हिस्से के रूप में लीग के साथ एक नए अवतार में जुड़ने के लिए उत्साहित हूं। वर्षों से, हिंदी कमेंट्री ने एक अविश्वसनीय काम किया है जिसके परिणामस्वरूप इसकी लोकप्रियता हुई है और मैं 26 मार्च से आईपीएल 2022 की शुरुआत के साथ इस नई यात्रा का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं।

रूस ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल किए जाने की बात से किया इंकार

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मुख्य प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने यूक्रेन के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना से इनकार किया है।

मंगलवार को सीएनएन को दिए एक साक्षात्कार में श्री पेस्कोव कई दफा परणामु हथियारों के इस्तेमाल किए जाने की बात से इंकार करते रहे।

उन्होंने कहा, अगर यह हमारे देश के लिए अस्तित्व का खतरा बनकर उभरा, तो शायद ऐसा हो सकता है।

फरवरी के महीने में रूसी राष्ट्रपति

व्लादिमीर पुतिन ने कहा, अगर कोई हमारे रास्ते खड़ा होता है या हमारे नागरिकों के लिए खतरा पैदा करने की कोशिश करता है, तो उन्हें यह पता होना चाहिए कि रूस इसका जवाब तुरंत देगा और इसके परिणाम ऐसे होंगे जैसा पूरे इतिहास में आपने कभी नहीं देखा होगा।

यूक्रेन को लेकर पुतिन ने जो सोचा था क्या उसे अब हासिल कर लिया जा चुका है, इस पर बात करते हुए श्री पेस्कोव ने कहा, नहीं, अभी हासिल नहीं हुआ है।

उन्होंने बताया कि यूक्रेन में रूसी सैन्य अभियान योजनाओं के मुताबिक चल रहा है और हम अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते जा रहे हैं।

इस दौरान उन्होंने श्री पुतिन की मांगों को दोहराते हुए कहा कि %हमारे अभियान का मकसद बस यूक्रेनी सैन्य क्षमता से छुटकारा पाना है। यूक्रेन को समझना होगा कि साल 2014 में रूस द्वारा क्रीमिया पर कब्जा किए जाने से पहले भी वह रूस का ही हिस्सा था और साथ लुहान्स्क व डोनेट्स्क भी अब अलग देश बन चुके हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि रूस ने केवल सैन्य ठिकानों पर हमला किया है, उनके द्वारा आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया गया है।

फिलीपींस ने विदेशी पर्यटकों के आवागमन को किया आसान

मनीला। फिलीपींस के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने अंतरराष्ट्रीय पर्यटन, विदेशी निवेश बढ़ाने और पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए देश में विदेशी पर्यटकों के आवागमन को आसान करने का आदेश सरकार को दिये। बुधवार को जारी एग्जीक्यूटिव आदेश में यह बात कही गई। सोमवार को को हस्ताक्षर दिए गए आदेश में दुतेर्ते ने सरकार से अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए जरूरी नियम और शर्तो में छूट, जिसमें देश में आने वाले वैक्सीन लिए हुए विदेशियों को क्वारेंटीन में छूट शामिल है।उन्होंने स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए घरेलू यात्रा के प्रतिबंधों को कम करने का आदेश दिया। दुतेर्ते ने सरकार की आर्थिक योजनाओं को पंक्तिबद्ध करने और अर्थव्यवस्था को पहले की तरह बढ़ाने के रास्ते के उपायों पर जोर देने को कहा। आर्थिक हालात सुधारने के लिए नीतियों को जल्दी अपनाने की जरूरत है ताकि मौजूदा आर्थिक वृद्धि, महामारी की लंबी अवधि के दुष्प्रभाव को कम करने और देश के विकास को पुर्नस्थापित किया जा सके।

चीनी युवाओं में बढ़ रहा शादी और बच्चे ना करने का चलन

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश चीन अब एक नई तरह की समस्या से जूझ रहा है। समस्या ये है कि चीन में अब लोग ना तो शादी करना चाहते हैं और ना ही बच्चे पैदा करना चाहते हैं। जनसंख्या नियंत्रण करने के लिए चीन में कई सालों तक सिर्फ एक बच्चे का प्रावधान था जिसे 2015 में हटा लिया गया। सरकार ने कहा कि आप तीन बच्चे तक पैदा कर सकते हैं। लेकिन चीन के युवा अब ना तो शादी करना चाहते हैं और ना ही बच्चे पालना चाहते हैं। पिछले कुछ सालों में चीन में औसतन जितनी शादियां होती थी उसमें बड़ी गिरावट देखने को मिली है। यही नहीं, तलाक के मामलों में भी बड़ी गिरावट आई है। जाहिर है शादी होगी तभी तलाक होगा ना।

चीन की सरकार युवाओं में शादी ना करने के बढ़ते चलन से परेशान है। यही नहीं सरकार ने तलाक के मामलों में कमी लाने के लिए एक आदेश जारी किया है जिसके मुताबिक तलाक की अर्जी देने वाले कपल को 30 दिन तक अनिवार्य रूप से साथ रहना होगा।

अगर फिर भी वो साथ नहीं रहना चाहते तभी तलाक को लेकर कोई सुनवाई होगी।

आंकड़े बताते हैं कि साल 2021 में इतनी कम शादियां रजिस्टर्ड हुई कि 36 सालों का रिकार्ड टूट गया। यही वजह है कि चीन में जन्म दर में भी कमी आई है जिसे लेकर सरकार चिंतित है। शादी और बच्चे ना करने को लेकर युवाओं की अपनी दलीले हैं। कुछ युवा मानते हैं कि नौकरियों में इतनी अनिश्चित्ता है कि उन्हें नहीं लगता कि वो शादी की जिम्मेदारी उठा पाएंगे। जो युवा शादी कर चुके हैं वो परिवार को आगे नहीं बढ़ाना चाहते क्योंकि उन्हें लगता है कि लिविंग कॉस्ट बहुत ज्यादा है और वो बच्चे की जिम्मेदारी नहीं संभाल पाएंगे।

वहीं कुछ लड़कियों की शादी ना करने के पीछे दलील ये है कि वो अपनी मां की तरह जिंदगी नहीं गुजारना चाहतीं। वो कहती हैं कि शादी सिर्फ एक लड़के से नहीं बल्कि पूरे परिवार से होती है और उन्हें लगता है कि शादी के बाद का समझौता अब फायदे का सौदा नहीं है। लड़कियां शादी से ज्यादा खुद को आजाद और फाइनेंशली फ्री रहना चाहती हैं।

शहबाज ने इमरान पर लगाया बाजवा की सेवा विस्तार में देरी का आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री इमरान खान पर सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के कार्यकाल विस्तार में जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाया है। शहबाज ने दावा किया कि जहां उनकी पार्टी हमेशा सेना का सम्मान करती है और यहां तक कि जनरल बाजवा भी श्री नवाज शरीफ को बहुत सम्मान करते हैं, वहीं सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) सशस्त्र बलों को निशाना बनाने वाले एक सोशल मीडिया अभियान के पीछे खड़ी है। समाचारपत्र डॉन के साथ बात करते हुए पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के अध्यक्ष ने कहा कि जब प्रधानमंत्री खान ने सेना प्रमुख के कार्यकाल को बढ़ाने की कोशिश की तो मसौदे को तीन बार फिर से तैयार करना पड़ा। शरीफ ने हालांकि स्वीकार किया कि उनके पास कोई ठोस जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह उनकी सुविचारित राय थी कि प्रधानमंत्री खान ने जानबूझकर विस्तार प्रक्रिया को 'विवादास्पद' बनाने की कोशिश की।

लावरोव आईसीआरसी के अध्यक्ष के साथ करेंगे बैठक

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव 24 मार्च को जेनेवा स्थित रेड क्रॉस के अंतरराष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी) के अध्यक्ष पीटर मौरर के साथ बैठक आयोजित करेंगे। रूस के विदेश मंत्री ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित आईसीआरसी एक मानवीय संगठन है। इस समिति के अध्यक्ष मौरर बुधवार को रूस की अपनी तीन दिवसीय यात्रा शुरू कर रहे हैं और आईसीआरसी के प्रमुख रूस अधिकारियों के साथ यूक्रेन के हालातों पर चर्चा करने के लिए बैठक करेंगे। मंत्रालय ने बयान में बताया, बैठक के दौरान दोनों पार्टियां आईसीआरसी सहित यूक्रेन, डोनेट्स्क और लुहान्स्क क्षेत्रों के मानवीय संगठनों व कामकाज में जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान करने के मुद्दों को लेकर चर्चा करेंगी। मंत्रालय ने कहा, रूसी पक्ष यूक्रेन में समिति के मध्यस्थता प्रयासों का स्वागत करता है।

रूसी सेना ने मानवीय मदद को जब्त किया

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को रूसी सेना पर मारियुपोल के मनगुश पश्चिम के पास मानवीय सहायता को जब्त करने का आरोप लगाया। जेलेंस्की ने एक वीडियो संदेश में कहा कि 100,000 लोग मारियुपोल में अमानवीय स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि राज्य आपातकाल सेवा के कर्मचारी और बस ड्राइवर को कैदी बनाया गया है। बाकी लोग मारियुपोल में अमानवीय स्थिति में रह रहे हैं। पूरी नाकेबंदी है। बिना भोजन, पानी और दवाई के लगातार गोलाबारी के बीच रह रहे हैं। बीबीसी के अनुसार राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन के अधिकारी और सहयोगी नागरिकों बाहर निकालने व शहर की सहायता करने के लिए बेहतरीन काम कर रहे हैं। सोमवार को जारी मानवाधिकार निगरानी रिपोर्ट में कहा गया है कि शहर 'बर्बाद भवनों और शवों के साथ नरक की तरह' बन गया है।

बाजवा ने की नवाज शरीफ की तारीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने दावा किया है कि सेनाध्यक्ष जनरल (सीओएएस) कमर जावेद बाजवा ने कहा कि वह हमेशा पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ सम्मान करते है और पूर्व प्रधानमंत्री सेना की मदद के लिए हमेशा तैयार रहे हैं। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बुधवार को यह रिपोर्ट दी है। श्री शाहबाज शरीफ ने स्वीकार किया कि शीर्ष राष्ट्रीय स्तर के नेतृत्व ने सेना प्रमुख के साथ वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) निपटारे की बैठक सहित कई बैठकें की हैं। उन्होंने खुलासा किया कि सेना प्रमुख ने पूर्व प्रधानमंत्री के सशस्त्र बलों के साथ व्यवहार के बारे में बातचीत की थी। उन्होंने संपत्ति वसूली फर्म ब्रॉडशीट एलएलसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कावे मौसवी के पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ से बिना शर्त माफी मांगने के बाद आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह दावा किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

सिएना मिलर के साथ हॉलीवुड फिल्म में नजर आयेगी प्रियंका चोपड़ा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अमेरिकन कलाकार सिएना मिलर के साथ हॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी। प्रियंका चोपड़ा को एंथनी चेन की अगली हॉलीवुड फिल्म में साइन किया गया है, जो शिल्पी सोमाया गोडा के नॉवल सीक्रेट डॉटर पर आधारित होगी। इस फिल्म के लिए ऐमजॉन स्टूडियो से डील हो रही है और श्रुति गांगुली इस अडैप्टेशन को लिखेंगी।

इस नॉवल में 2 महिलाओं की कहानी बताई गई है जो एक बच्चे के जरिए एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। सीक्रेट डॉटर में एक समर नाम की शादीशुदा फिजीशन है जो सैन फ्रांसिस्को में रहती है। उसे पता चलता है कि वह कभी मां नहीं बन सकती। उसी साल भारत में भारत में एक गरीब महिला अपनी बेटी को बचाने के लिए उसे छोड़ देती है। कविता नाम की यह महिला अपने फैसले से जिंदगीभर परेशान रहती है। उसकी बच्ची का नाम आशा है जो मुंबई के एक अनाथालय में रहती है और इसी बच्ची के जरिए समर और कविता एक-दूसरे से जुड़ जाती हैं।

प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म के अलावा ऐमजॉन की वेब सीरीज सिटाडेल, रोमांटिक ड्रामा फिल्म टेक्सट फॉर यू और ऐक्शन फिल्म एंडिंग थिंग्स में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा प्रियंका ने फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म जी ले जरा भी साइन की है। उसमें उनके बाद कटरीना कैफ और आलिया भट्ट नजर आने वाली हैं।

टाइगर श्रॉफ ने 'हीरोपंती 2' के सेट से शेयर किया स्टंट वीडियो

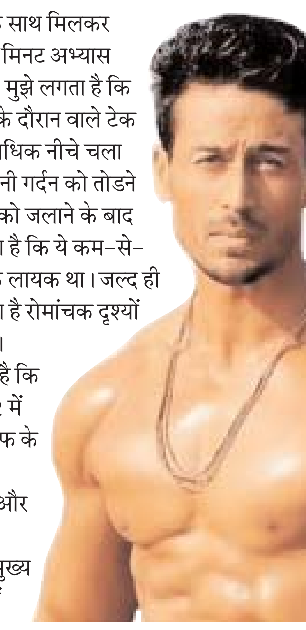

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने अपनी आने वाली फिल्म' हीरोपंती 2' के सेट से स्टंट वीडियो शेयर किया है।

टाइगर श्रॉफ ने फिल्म हीरोपंती 2 के सेट से एक बीटीएस वीडियो शेयर किया हैं, जिसमें वह धमाकेदार स्टंट करते हुए दिख रहे हैं। इस बीटीएस वीडियो को टाइगर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर साझा किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि टाइगर जंप लगा कर कार के बॉनट पर पहुंच जाते, लेकिन अगले ही सेकेंड में वो फिर से जंप लगा देते हैं और इसके बाद वह कार पर चढ़ जाते हैं। वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर टाइगर श्राफ ने लिखा, ये सेट से एक छोटी से बीटीएस क्लिप है। मैंने इस शॉट के लिए ब्वॉयज के साथ मिलकर लगभग 5 मिनट अभ्यास किया था। मुझे लगता है कि मैं शूटिंग के दौरान वाले टेक में बहुत अधिक नीचे चला गया। अपनी गर्दन को तोडने और पीठ को जलाने के बाद मुझे लगता है कि ये कम-से-कम इसके लायक था। जल्द ही आने वाला है रोमांचक दृश्यों में से एक।

गौरतलब है कि हीरोपंती 2 में टाइगर श्रॉफ के साथ तारा सुतारिया और नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। यळ फिल्म 29 अप्रैल, 2022 को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर बनेंगे रणदीप हुड्डा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा का नाम उन सितारों में शामिल है, जिनके खाते में फिल्में चाहें कम रही हों, लेकिन उनके हर किरदार को दर्शकों ने बेशुमार प्यार दिया है। इस बीच रणदीप हुड्डा को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है, जिससे उनके फैन्स काफी खुश हो जाएंगे। अपने हुनर और लाजवाब अभिनय से बॉलीवुड में अपना सिक्का जमाने वाले रणदीप अब एक ऐतिहासिक किरदार करने जा रहे हैं, जिसकी कुर्बानियां उनकी शहादत को सलाम करती हैं। रणदीप हुड्डा अब स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर के किरदार में नजर आएंगे। सरबजीत की बड़ी सफलता के बाद निर्माता संदीप सिंह एक बार फिर से अभिनेता रणदीप हुड्डा के साथ उनकी महत्वाकांक्षी फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर पर फिर से जुड़ चुके हैं। निर्माता आनंद पंडित और संदीप सिंह ने रणदीप को अपनी फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर, भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायक के रूप में आखिरकार चुन लिया हैं। इस महत्वाकांक्षी फिल्म की शूटिंग इसी साल 2022 जून से शुरू हो जाएगी। इसे लंदन, महाराष्ट्र और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के विभिन्न स्थानों पर शूट किया जाएगा। फिल्म एक अलग स्पेक्ट्रम से भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को उजागर करेगी। वीर सावरकर की इस अनकही कहानी का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता महेश वी मांजरेकर करेंगे।

पति विराट कोहली की अलमारी से कपड़े चुराती हैं अनुष्का शर्मा

नई दिल्ली। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली इंडस्ट्री के सबसे पॉपुलर और चार्मिंग कपल्स में गिने जाते हैं। फैंस इन्हें पावर कपल कहकर पुकारते हैं और जब भी ये जोड़ी साथ में किसी इवेंट में पहुंचती है तो सभी की नजरें विराट-अनुष्का पर ही होती हैं। विराट और अनुष्का इन दिनों अपनी जिंदगी का सबसे खूबसूरत हिस्सा एन्जॉय कर रहे हैं। 11 जनवरी 2020 को अनुष्का शर्मा ने एक बेटी को जन्म दिया था जिनका नाम दोनों ने वमिका रखा है। पिछले दिनों वमिका की तस्वीरें भी इंटरनेट पर लीक हो गई थीं। बात करें विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की तो दोनों की ऑन स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन कैमिस्ट्री कमाल की है। अनुष्का शर्मा कई बार अपने पति विराट कोहली के कपड़े पहन लेती हैं और इस बारे में उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था। अनुष्का शर्मा ने अपने पति के कपड़े चुराने के बारे में वॉग मैगजीन के साथ बातचीत में कहा, मैं उसके वॉर्डरोब से बहुत सी चीजें ले लेती हूं।

अमिताभ बच्चन के कारण 'रनवे 34' बनायी : अजय देवगन

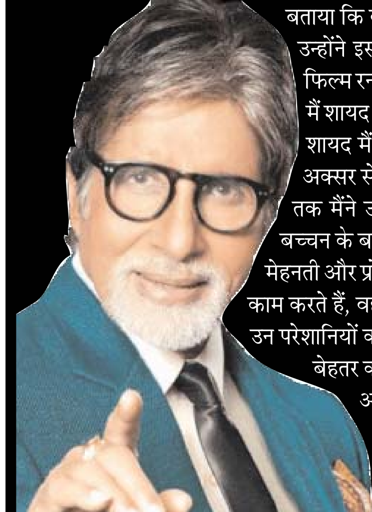

मुंबई। बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन का कहना है कि यदि अमिताभ बच्चन फिल्म %रनवे 34% में काम करने के लिये हां नहीं कहते तो वह यह फिल्म नहीं बनाते। अजय देवगन ने बताया है कि यदि अमिताभ बच्चन फिल्म रनवे 34 के लिये हां नहीं करते तो वह इस फिल्म को नहीं बनाते। अजय देवगन ने बताया कि वह पहले फिल्म रनवे 34 में निर्देशक के रूप में आए और फिर उन्होंने इसमें अभिनय करने का फैसला लिया। अजय देवगन ने कहा, फिल्म रनवे 34 में मिस्टर बच्चन के रोल के लिए, यदि वह नहीं मानते तो मैं शायद ही किसी को इसमें कास्ट करता, वह इस फिल्म में नहीं होते तो शायद मैं यह फिल्म नहीं बनाता।मैं उन्हें बचपन से जानता हूं और मैं अक्सर सेट पर उनसे मिलता रहता था। बाद में लगभग 7 से 8 फिल्मों तक मैंने उनके साथ काम किया। अजय देवगन ने कहा, अमिताभ बच्चन के बारे में मैं ज्यादा कुछ नहीं बोल सकता क्योंकि मैंने उनके जैसा मेहनती और प्रोफेशनल एक्टर नहीं देखा। जिस एनर्जी और डेडिकेशन से वो काम करते हैं, वह कमाल का है। यदि वह कोई परेशानी में हैं तो भी वे सेट पर उन परेशानियों को भूलकर काम करते हैं। जब भी मैं उन्हें देखता हूं तब मैं और बेहतर काम करने को प्रेरित होता हूं। गौरतलब है कि फिल्म रनवे 34 में अजय देवगन, अमिताभ बच्चन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में हैं। फिल्म में अजय एक कॉमर्शियल पायलट के रोल में हैं और वह 35 हजार फीट की ऊंचाई में खराब मौसम के बीच फ्लाइट के पैसेंजर्स की जान बचा रहे होते हैं। रकुल प्रीत सिंह एक महिला पायलट के रोल में हैं।

कलात्मक अर्थव्यवस्था को गति और पर्यटन को बढ़ावा देता है सूरजकुंड शिल्प मेला

कमलेश पांडेय

सूरज कुंड शिल्प मेला पूरे भारत के हजारों शिल्पकारों को अपनी कला और उत्पादों को बड़ी संख्या में आने वाले दर्शकों के सामने प्रदर्शित करने में सहायता करता है। इस मेले ने भारत के विरासत शिल्प को पुनर्जीवित करने में भी सहायता की है।

किसी भी सभ्यता और संस्कृति के विकास में कला और शिल्प का विशेष महत्व है। हमारी कलात्मक अर्थव्यवस्था को सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला एक खास गति और पहचान दोनों देता है। यह न केवल हरियाणा के शिल्पियों के लिए बल्कि पूरे भारत के कारीगरों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करता है। यह हमारी समृद्ध विरासत और संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए प्रोत्साहन भी देता है। इस मेला के आयोजन से भारत के शिल्पियों के साथ-साथ प्रतिभागी देशों को भी अपने-अपने देशों की कला और शिल्प की समृद्ध विरासत को प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

सूरज कुंड शिल्प मेला पूरे भारत के हजारों शिल्पकारों को अपनी कला और उत्पादों को बड़ी संख्या में आने वाले दर्शकों के सामने प्रदर्शित करने में सहायता करता है। इस मेले ने भारत के विरासत शिल्प को पुनर्जीवित करने में भी सहायता की है। इस वर्ष का सूरज कुंड शिल्प मेला विशेष है क्योंकि वर्तमान में हमलोग आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। यह मेला पहली बार 1987 में आयोजित किया गया था। इस तरह से इस वर्ष आयोजित होने वाला यह 35वां शिल्प मेला है। यह न केवल हरियाणा के शिल्पियों के लिए बल्कि पूरे भारत के साथ साथ चुनिंदा दूसरे देशों के कारीगरों के लिए भी अपनी प्रतिभा यानी हुनर दिखाने का अवसर प्रदान करता है। यह हमारी समृद्ध विरासत और संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए भी प्रोत्साहन भी देता है।

बता दें कि लोकप्रिय सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले का आयोजन प्रतिवर्ष दिल्ली से सटे हरियाणा प्रान्त के फरीदाबाद जनपद स्थित सूरजकुंड नामकऐतिहासिक महत्व वाले स्थल पर होता है, जो दक्षिणी दिल्ली से महज 8 किलो मीटर की दूरी पर स्थित है। दरअसल, सूरजकुंड का नाम प्राचीन राजभूमि से लिया गया है, जिसका अर्थ सूर्य का कुंड होता है। इसका निर्माण 10वीं शताब्दी में तोमर वंश के शासकों में से एक राजा सूरजपाल ने किया था। सूरज का अर्थ सूर्य है और कुंड का अर्थ कुंड/झील या जलाशय है। यह स्थान अरावली पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि के सामने निर्मित है।

इतिहासकार एस के त्यागी बताते हैं कि यह क्षेत्र तोमर वंश के अधिकार क्षेत्र में आता था। सूर्य उपासकों के वंश के शासकों में से एक राजा सूरज पाल ने इस क्षेत्र में एक सूर्य कुंड का निर्माण कराया था। ऐसा माना जाता है कि इसकी परिधि में एक मंदिर भी स्थापित था। पुरातात्विक उत्खनन से यहां खंडहरों के आधार पर एक सूर्य मंदिर के अस्तित्व का पता चला है जिसे अब भी देखा जा सकता है। फ़िरोज़ शाह तुगलक (1351-88) के तुगलक राजवंश शासन के दौरान, चूने के पत्थरों के साथ सीढ़ियों और छतों का पुनर्निर्माण करके जलाशय का नवीनीकरण किया गया था।

यह मेला वास्तव में इस शानदार स्मारक की पृष्ठभूमि में आयोजित भारत की सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि और विविधता के प्रति एक श्रद्धांजलि है।

बता दें कि हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गत दिनों एक पखवाड़े चलने वाले 35वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले का उद्घाटन किया था। जिस अवसर पर हरियाणा के पर्यटन वन, आतिथ्य और कला, शिक्षा, संसदीय कार्य मंत्री कंवर पाल, उज़्बेकिस्तान दूतावास के विशिष्ठ राजदूत दिलशोद अखतोव, बड़खल की विधायक श्रीमती सीमा त्रिखा, भारत सरकार के केंद्रीय विद्युत और भारी उद्योग राज्य मंत्री कृष्ण पाल, परिवहन, खान और भूविज्ञान, कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण एवं चुनाव मंत्री मूल चंद शर्मा और भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय के सचिव अरविंद सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इससे पता चलता है कि हमारा पूरा राजनैतिक नेतृत्व और केंद्र-राज्य प्रशासन इस मेले की गरिमा को बनाए रखने के लिए बहुत ततपर रहता है।

बता दें कि कोविड-19 महामारी के कारण गत वर्ष इस मेले का आयोजन नहीं किया जा सका था। इस प्रकार 35वां सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला-2022 लंबे अंतराल के बाद आयोजित किया जा रहा है, क्योंकि वर्ष 2021 में कोविड महामारी के कारण इस बहुप्रतीक्षित शिल्प कार्यक्रम का आयोजन नहीं हो पाया था। हालांकि, इस वर्ष सूरजकुंड मेला नई ऊर्जा के साथ एक बड़े आयोजन के वादे के साथ आया है। इस वर्ष शिल्प मेले के आयोजन और कार्यान्वयन के लिए हरियाणा सरकार ने काफी प्रयास करने के साथ साथ कड़ी मेहनत भी की है। जिससे भारत में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह मेला ग्राउंड 43.5 एकड़ भूमि में फैला हुआ है, जहाँ शिल्पकारों के लिए 1183 वर्क हट्स और एक बहु-व्यंजन फूड कोर्ट है, जो आगंतुकों के बीच बेहद लोकप्रिय है। इस मेले का परिवेश महुआ, नरगिस, पांचजन्य जैसे रूपांकनों और सजावट के साथ इसे विशिष्ट संस्कृति से भी जोड़ता है।

इसके साथ ही आजादी का अमृत महोत्सव यानी स्वतंत्रता के 75 वर्ष की थीम के साथ स्वतंत्रता पदक, तिरंगे झंडे और स्मारक टिकटों के रूपांकनों और प्रतिकृतियों के साथ इसकी शोभा को बढ़ाता है। नि:सन्देह सूरजकुंड मेला अब विदेशों में अत्यधिक लोकप्रियता के साथ एक पर्यटक कार्यक्रम भी बन चुका है। हमें उम्मीद है कि आने वाले संस्करणों में नए नवाचारों के साथ इस आयोजन को और भी भव्य बनाने की कोशिश की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि सूरजकुंड शिल्प मेला 1987 में पहली बार भारत की हस्तशिल्प, हथकरघा और सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया गया था। यह मेला केंद्रीय पर्यटन, कपड़ा, संस्कृति, विदेश मंत्रालय और हरियाणा सरकार के सहयोग से सूरजकुंड मेला प्राधिकरण एवं हरियाणा पर्यटन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है। यह उत्सव शिल्प, संस्कृति के सौंदर्य और भारत के स्वादिष्ट व्यंजनों से सृजित परिवेश के शानदार प्रदर्शन के मामले में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन कैलेंडर पर गौरव और प्रमुखता की श्रेणी पर पहुँच गया है। वहीं, समय के साथ सामंजस्य बनाते हुए, पेटीएम इनसाइडर जैसे पोर्टलों के माध्यम से ऑनलाइन टिकट उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे आगंतुकों को लंबी कतारों की परेशानी के बिना मेला परिसर में आसानी से प्रवेश करने में मदद मिलती है। मेला स्थल तक आसपास के क्षेत्रों से आने वाले दर्शकों को लाने के लिए विभिन्न स्थानों से विशेष बसों का संचालन किया जाता है।

इस वर्ष आयोजित हो रहे 35वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला का %थीम स्टेट% जम्मू और कश्मीर है, जो राज्य से विभिन्न कला रूपों और हस्तशिल्प के माध्यम से अपनी अनूठी संस्कृति और समृद्ध विरासत को प्रदर्शित कर रहा है। इस मेले में जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों कलाकार विभिन्न लोक कलाओं और नृत्यों का प्रदर्शन करेंगे।

अमर शहीद हेमू कालाणी में राष्ट्रवाद की भावना का संचार बचपन में ही हो गया था

प्रहलाद सबनानी

वर्ष 1942 में मात्र 19 वर्ष की अल्पायु में हेमू कालाणी ने अंग्रेजो भारत छोड़ो के नारे को पूरे सिंध में गूंजायमान कर दिया था। हेमू कालाणी के अदम्य साहस एवं उत्साह ने तो पूरे सिंधवासियों में ही स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के लिए जोश भर दिया था।

इतिहास गवाह है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में वीर सेनानियों ने, मां भारती को अंग्रेजों के शासन से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से, देश के कोने कोने से भाग लिया था। इन वीर सेनानियों में से भारत के कई वीर सपूतों ने तो मां भारती के श्री चरणों में अपने प्राण भी न्योशावर कर दिए थे। भारत के इन्हीं वीर सपूतों में अमर शाहीद हेमू कालाणी का नाम भी बड़े आदर के साथ लिया जाता है क्योंकि उन्हें बहुत ही कम उम्र, मात्र 19 वर्ष की आयु में दिनांक 21 जनवरी 1943 को क्रूर अंग्रेजी शासन द्वारा फांसी दे दी गई थी।

दिनांक 23 मार्च 1923 को हेमू कालाणी का जन्म सिन्ध प्रांत के सक्खर जिले में सवचार स्थान पर श्री पेसूमल जी कालाणी एवं माता श्रीमती जेठी बाई कालाणी के घर पर हुआ था। हेमू कालानी बचपन में ही सर्वगुण संपन्न व होनहार बालक थे, जो अपनी पढ़ाई लिखाई में तेज तर्रार होने के साथ साथ एक अच्छे तैराक, तीव्र साइकिल चालक तथा अच्छे धावक भी थे। वह कई बार तैराकी में भी कई पुरस्कार प्राप्त कर चुके थे। बचपन में ही हेमू कालाणी स्वराज्य सेना नामक छात्र संगठन में सम्मिलित होकर इस संगठन के नेता बन गए थे। इन सभी विशेषताओं के ऊपर, हेमू कालाणी अपने बचपन काल से ही राष्ट्रवाद की भावना से भी ओतप्रोत थे एवं प्रारम्भ में केवल 7 वर्ष की आयु में ही तिरंगा झंडा लेकर उसे लहराते हुए अंग्रेजों की बस्ती में अपने साथियों के साथ क्रांतिकारी गतिविधियों का नेतृत्व करते थे। इसके बाद तो हेमू कालाणी ने अंग्रेजों की क्रूर हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प ही ले लिया था और राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रियाकलापों में भी भाग लेना शूरू कर दिया था। अत्याचारी अंग्रेजों द्वारा संचालित सरकार के विरुद्ध छापामार गतिविधियों में भाग लेकर उनके वाहनों को जलाने में हेमू कालाणी अपने साथियों का नेतृत्व भी करने लगे थे। यह भी एक अजीब संयोग ही कहा जाएगा कि हेमू कालानी की जन्मतिथि एवं अमर शहीद श्री भगतसिंह जी की पुण्यतिथि एक ही है, अर्थात 23 मार्च।

वर्ष 1942 में मात्र 19 वर्ष की अल्पायु में हेमू कालाणी ने अंग्रेजो भारत छोड़ो के नारे को पूरे सिंध में गूंजायमान कर दिया था। हेमू कालाणी के अदम्य साहस एवं उत्साह ने तो पूरे सिंधवासियों में ही स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के लिए जोश भर दिया था। हेमू कालाणी द्वारा अपनी किशोरावस्था में ही विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आग्रह सिंधवासियों से किया जाता था एवं उस समय पर भी सिंध प्रांत के नागरिकों में स्वावलम्बन का भाव जगाने का प्रयास हेमू कालाणी द्वारा किया जा रहा था। मां भारती के प्रति तो उनके मन में एक विशेष भाव था एवं अंग्रेजों की हुकूमत उन्हें बिलकुल भी रास नहीं आती थी इसलिए अल्पायु में ही वे सिंधवासियों का आवहान करते नजर आते थे कि वे केवल देश में निर्मित वस्तुओं का ही उपयोग करें जिससे भारतीय नागरिकों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाया जा सके।

अंग्रेजी शासन द्वारा भारतीयों पर किए जा रहे अत्याचारों के खिलाफ मात्र 19 साल की उम्र में हेमू कालाणी ने जो किया, इस पर पूरे देश को आज भी गर्व है। वर्ष 1942 में करो या मरो, अंग्रेजों भारत छोड़ो, के नारों में एक आवाज हेमू कालाणी की भी थी। सिंध प्रांत के सक्खर शहर में देश की आजादी के लिए कार्य कर रही संस्था स्वराज्य सेना के एक युवक ने हेमू कालाणी को यह जानकारी दी कि आजादी के लिए प्रयासरत आंदोलनकारियों को कुचलने और उनका दमन करने के लिए रोहड़ी (सिंध) से अंग्रेज सैनिकों एवं हथियारों से भरी एक विशेष रेलगाड़ी सक्खर से होकर बलूचिस्तान की ओर जाने वाली है। यह सुनकर हेमू कालाणी और उनके जाबांज साथी रेल ट्रैक पर गए और रेल की पटरी के नट बोल्ट खोलने लगे, परंतु हेमू कालाणी पर अंग्रेज सिपाहियों की नजर पड़ गई और उसे पकड़कर लिया गया कर फिर जेल भेज दिया गया।

आजादी के दीवाने मात्र 19 साल के इस जवान का हौसला ही था कि पकड़े जाने व घोर यातनाओं को सहन करने के बाद भी उसने अंग्रेजों को यह राज नहीं बताया कि पटरियों के नट बोल्ट खोलने में उसके और कौन कौन साथी थे। हेमू कालाणी के हौसले एवं उसकी देश भक्ति के आगे हार कर अंग्रेजों द्वारा 21 जनवरी 1943 को प्रात: सक्खर (सिंध) के केंद्रीय कारागार में हेमू कालाणी को फांसी पर चढ़ा दिया गया। इससे पूरा देश गमगीन हो गया। देश के युवाओं में बदले का भाव जगा और वे भी अंग्रेजों के खिलाफ खड़े हो गए एवं इस प्रकार अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन और अधिक तेज हो गया।